आर.एन.आई. नं. 45080/85, पी.ओ.
रजि.नं. मालवा डिवी./04/2024-26

नं.1 क्षेत्रीय अखबार

दैनिक अवन्तिका

सब पे नज़र, सबकी ख़बर

संस्थापक : स्व. श्री गोवर्धनलालजी मेहता | वर्ष 40 अंक 24 | इंदौर, मंगलवार 25 अगस्त, 2026 | श्रावण शुक्ल 13 संवत् 2083 | पृष्ठ-12 मूल्य-4.00 | www.awantika.com

देश विदेश

ईरान होर्मुज में जहाजों से टोल वसूलेगा, संसद की मंजूरी

तेहरान। ईरान की संसद ने होर्मुज स्ट्रेट से गुजरने वाले जहाजों से टोल यानी टैक्स या फीस लेने के प्रस्ताव को मंजूरी दे दी है। ईरान की मेहर न्यूज एजेंसी के मुताबिक, जिन देशों के जहाजों को होर्मुज से गुजरने की अनुमति होगी, उनसे समुद्री सेवाओं के बदले शुल्क लिया जाएगा। ईरानी संसद की राष्ट्रीय सुरक्षा और विदेश नीति समिति के प्रवक्ता हसन काशकवी के मुताबिक, फीस के बदले समुद्री सेवाएं, सुरक्षा और इंश्योरेंस जैसी सुविधाएं दी जाएंगी। इसके अलावा पर्यावरण संबंधी सेवाएं और खास परिस्थितियों में ईंधन भी दिया जाएगा। भुगतान ईरानी रियाल या ईरान की पसंद की किसी दूसरी करेंसी में किया जा सकेगा। अमेरिकी वित्त मंत्री स्कॉट बेसेंट ने कहा कि ट्रम्प प्रशासन अब ईरान के खिलाफ आर्थिक जंग के आखिरी दौर में पहुंच गया है।

नागपुर में क्लोरीन गैस लीक 40 लोग हॉस्पिटल में भर्ती

नागपुर। महाराष्ट्र के नागपुर में क्लोरीन गैस लीक होने से कई लोगों की तबीयत बिगड़ गई। इसके बाद उन्हें इलाज के लिए अस्पताल ले जाया गया। घटना गोधनी नगर पंचायत की है। यहां पानी साफ करने का प्रोजेक्ट चल रहा था। इसी दौरान क्लोरीन गैस लीक हो गई। गैस के संपर्क में आने से प्रोजेक्ट के आठ से दस कर्मचारी और इलाके के 20 से 25 लोगों को सांस लेने में दिक्कत होने लगी। इसके बाद उन्हें इलाज के लिए हॉस्पिटल में भर्ती कराया गया। अस्पताल में भर्ती हुए लोगों में चार से पांच लोगों को इंटेंसिव केयर यूनिट में रखा गया है। वहीं, अन्य लोगों का सामान्य वार्ड में इलाज चल रहा है। फायर ब्रिगेड, पुलिस डिपार्टमेंट के लोग मौके पर पहुंच गए हैं और लोगों को दूसरी जगहों पर शिफ्ट करने का काम चल रहा है।

सीएम विजय का बड़ा ऐलान, 3 फ्री एलपीजी सिलेंडर, महिलाओं के लिए फ्री बस सफर

चेन्नई। तमिलनाडु के मुख्यमंत्री सी. जोसेफ विजय ने सोमवार को विधानसभा में बड़ा ऐलान किया। उन्होंने कहा कि चेन्नई के पास परंदूर में दूसरा एयरपोर्ट बनाने की प्रस्तावित योजना को अब रद्द कर दिया गया है। इसके साथ ही सरकार ने गरीब परिवारों को हर साल तीन मुफ्त एलपीजी सिलेंडर देने की योजना शुरू करने का फैसला किया है। इस योजना का नाम अन्नपूर्णानी सुपर सिक्स रखा गया है। चलिए जानते हैं सीएम विजय ने क्या-क्या ऐलान किए हैं। इस प्रोजेक्ट को लेकर स्थानीय लोग लंबे समय से विरोध कर रहे थे। परंदूर एयरपोर्ट प्रोजेक्ट की योजना अगस्त 2022 में तत्कालीन डीएमके सरकार ने बनाई थी। इस प्रोजेक्ट की जिम्मेदारी तमिलनाडु इंडस्ट्रियल डेवलपमेंट कॉरपोरेशन को दी गई थी।

गोविंदा-सुनीता ने इंस्टाग्राम पर एक-दूसरे को किया अनफॉलो

तलाक की याचिका वापस लेने की खबर के बाद दोनों के रिश्ते पर फिर सवाल उठे

मुंबई। गोविंदा और उनकी पत्नी सुनीता आहूजा के रिश्ते को लेकर एक बार फिर चर्चाएं तेज हो गई हैं। दोनों ने इंस्टाग्राम पर एक-दूसरे को अनफॉलो कर दिया है। यह बदलाव ऐसे समय हुआ है, जब पिछले दिनों दोनों के रिश्ते में अनबन और तलाक की खबरों ने खूब सुर्खियां बटोरी थीं। बॉलीवुड के मशहूर अभिनेता गोविंदा और उनकी पत्नी सुनीता आहूजा एक बार फिर अपने रिश्ते को लेकर चर्चा में हैं। दोनों ने इंस्टाग्राम पर एक-दूसरे को अनफॉलो कर दिया है। सोशल मीडिया पर सामने आया यह बदलाव इसलिए भी खास माना जा रहा है, क्योंकि पिछले कुछ समय से दोनों के रिश्ते को लेकर लगातार खबरें सामने आ रही हैं। गोविंदा और सुनीता की शादी को करीब चार दशक हो चुके हैं। दोनों लंबे समय से बॉलीवुड की चर्चित जोड़ियों में शामिल रहे हैं। हालांकि, पिछले दिनों उनके रिश्ते में खटास और अलगाव की खबरों ने फैंस का ध्यान अपनी ओर खींचा था। तलाक की कथित याचिका की खबर सामने आने के बाद इस मामले को लेकर काफी चर्चा हुई थी। इसके बाद गोविंदा के मैनेजर शशि सिन्हा ने कहा था कि सुनीता आहूजा ने तलाक की याचिका वापस ले ली है। उन्होंने यह भी कहा था कि गोविंदा और सुनीता अलग नहीं हो रहे हैं।

नैनो न्यूज

- **छत्तीसगढ़** : रायपुर के राजनांदगांव में सड़क पर बैठे मवेशियों पर चढ़ा तेज रफ्तार ट्रक, 14 की मौत
- **महाराष्ट्र** :मराठी सीखने के खिलाफ मुंबई में ऑटोवालों की हड़ताल, बोले- 55 की उम्र में भाषा सीखें या घर चलाएं, सरकार ने दिया था 3 महीने का वक्त।
- **महाराष्ट्र** : अमरावती के सरकारी अस्पताल में आग लगने से 3 बच्चों की मौत, 36 को बचाया, परिजन बोले- गार्ड-नर्स सबसे पहले पहुंचे, धुआं भरे वार्ड से नवजातों को निकाला।
- **नई दिल्ली** : 35 साल पहले कश्मीरी पंडितों के नरसंहार की फिर जांच, गांदरबल में महिलाओं-बच्चों समेत 23 को मारा था, ऐसे कई केस दोबारा खुले।
- **कीव** : पुतिन बोले- रूस-भारत के बीच इस साल कारोबार बढ़ा, दोनों देशों के दशकों से रिश्ते मजबूत, भारत के विदेश मंत्री जयशंकर ने मॉस्को में पुतिन से मुलाकात की।

उज्जैन में अनिश्चिकालीन धरना, रतलाम में चक्काजाम, झाबुआ, डही, कोलारस में भी धरना

किसान समस्या और अपनी मांगों को लेकर आक्रोशित

दैनिक अवन्तिका ▸▸ उज्जैन

- सरकार की बीमा योजना से भी किसानों का मोह भंग हो रहा
- मुख्य मांगों के साथ स्थानीय मांगों को लेकर दिया धरना
- मुख्यमंत्री के नाम प्रशासनिक अधिकारी को दिया ज्ञापन

सोमवार को प्रदेश के उज्जैन सहित कुछ जिलों में किसानों ने बीमा सहित अन्य प्रमुख समस्याओं के साथ ही स्थानीय समस्याओं को लेकर अनिश्चितकालीन धरना दिया है। इनमें कोलारस, धार, झाबुआ शामिल हैं। रतलाम में आकस्मिक रूप से मंडी में खरीदी बंद करने से किसान भड़क गए और महू-नीमच हाईवे पर घंटों जाम लगा दिया। इधर सरकार की बीमा योजना से भी किसानों का मोह भंग हो रहा है। राष्ट्रीय स्तर से आ रही खबरों के अनुसार पिछले 4 वर्षों में बीमा करने वाले किसानों की संख्या में बराबर गिरावट आ रही है।

भारतीय किसान संघ के प्रांताध्यक्ष कमलसिंह आंजना के अनुसार उज्जैन में अनिश्चितकालीन धरना आंदोलन किया गया है। इसके साथ ही प्रदेश के कोलारस, धार डही, झाबुआ में किसानों ने आंदोलन किया है। किसानों की मुख्य मांग बीमा से संबंधित है। इसके अलावा स्थानीय स्तर की समस्याओं के निदान को लेकर किसानों की मांग है। समस्याओं के निराकरण नहीं होने की स्थिति से किसान नाराज है। कुछ जिलों में पिछले दो दिनों में धरना प्रदर्शन किया गया है और कुछ में आने वाले दिनों में आंदोलन किया जाएगा।

धरना स्थल पर विभागीय अधिकारियों को बुलाया-भारतीय किसाना संघ के बैनर तले सोमवार को उज्जैन के सिंहस्थ मेला कार्यालय के बाहर जिले के किसानों ने दोपहर में अनिश्चितकालीन धरना प्रदर्शन शुरू किया। जिलाध्यक्ष बहादुरसिंह आंजना के अनुसार धरना पर जिले की सभी तहसीलों के करीब 400 से अधिक किसान शामिल हुए हैं। अपराह्न में जिला प्रशासन ने किसानों की समस्याओं के निराकरण को लेकर सभी संबंधित विभागों के अधिकारियों को धरना स्थल पर ही बुलाया था। इसके बाद समस्या निराकरण को लेकर निश्चित स्थिति तय होना है। मुख्यमंत्री के नाम प्रशासनिक अधिकारी को ज्ञापन दिया गया है जिसमें प्रमुख एवं स्थानीय स्तर की मांगों का ज्ञापन शामिल है।

ये रखी स्थानीय स्तर की मांग

1. प्रधानमंत्री फसल बीमा में उज्जैन में भारी भ्रष्टचार हुआ है इसकी सीबीआई जांच कराई जाए।
2. सेटेलाइट सर्वे पर तुरंत रोक लगाई जाए।
3. कृषि विभाग द्वारा जो सर्वे किया जाता है उसकी पंचनामा प्रति को कानूनी दस्तावेज माना जाए।
4. पूर्व के वर्षों में सर्वे में जो नुकसान हुआ था (वर्ष 2025 खरीफ और 2026 रबी) उसका बीमा शीघ्र दिया जाए।
5. विगत वर्ष में जो प्राकृति आपदा की राहत राशि दी गई थी उसमें कुछ गांव छूट गये थे उनको राहत राशि दी जाए।
6. पशु पालन में बढ़ती लागत (पशु आहार और चारे की बढ़ती कीमत) को ध्यान रखते हुए दूध का भाव 12 रुपए प्रति फेट किया जाए।
7. जंगली जानवर घोडा रोज, हिरण, सूअर और अन्य जानवरों से फसलों को भारी नुकसान होता है इसकी रोकधाम के लिये विशेष योजना बनाई जाए।
8. जमीनों के नक्शा सुधार एवं नामांतरण के नाम से तहसीलों में भारी भ्रष्टाचार हो रहा है इस पर कार्यवाही की जाए।
9. कृषि भूमि के सेटेलाइट नक्शों में काफी विसंगतियां है इसके स्थान पर टेस नक्शों को ही मान्य किया जाए।
10. साख सहकारी संस्थाएं किसानों की अंश पूंजी से चलती है उसके द्वारा गेहूं खरीदी की जाती है उसका कमीशन जिला सहकारी बैंक द्वारा दिया जाता जिसमें एमडी श्रीवास्तव द्वारा समितियों से कमीशन मांगा जा रहा है।
11. अधिग्रहण में चार गुना मुआवजा का जो नया आदेश सरकार ने दिया है उसे गाइर्ड लाइन के हिसाब से नही बाजार भाव से चार गुना मुआवजा दिया जावे।

किसानों की प्रमुख मांग

1. उज्जैन जिले की सभी तहसीलों के गावों में खरीफ 2025 की सोयाबीन फसल खराब हुई थी। सर्वे भी प्रशासन ने तहसील स्तर पर दल गठित कर करवाया था। रिपोर्ट के आधार पर जिले में बीमा रशि भी प्राप्त हुई। लेकिन कई ऐसे गांवों को जहां नुकसान हुआ था उन्हें बीमा राशि से वंचित कर दिया गया।
2. फसल के नुकसान के लिए सैटेलाईट डाटा को आधार मानकर क्लेम देने की पद्धति पर तुरंत रोक लगाई जाए।
3. प्रधानमंत्री फसल बीमा योजना का कार्यालय तहसील स्तर पर हो एवं यहां जवाबदार कर्मचारी नियुक्त किया जाए।
4. जिले की सभी तहसीलों में जहाँ सिंचाई की कमी है ऐसे गांव में नर्मदा सिचाई पाइप लाइन विछाई जाए।

73 लाख किसानों ने किनारा किया फसल बीमा से

- राषट्रीय स्तर से सामने आ रही खबरों के अनुसार पिछले दो सालों में देश में 73 लाख किसानों ने फसल बीमा योजना से किनारा कर लिया है। प्रधानमंत्री फसल बीमा योजना को किसानों के लिए फसल खराब होने की स्थिति में आर्थिक सुरक्षा कवच के रूप में शुरू किया गया था। लेकिन, योजना स्वैच्छिक होने के बाद कई राज्यों में इससे जुड़े किसानों की संख्या में गिरावट सामने आई है। महज दो साल में 73 लाख (29.6%) किसान योजना से निकल गए हैं। सबसे बड़ी शिकायत क्लेम के आकलन, पैसे देने में देरी और वास्तविक नुकसान के मुकाबले कम मुआवजा मिलने को लेकर है।
- फसल बीमा योजना 2016 में शुरू हुई थी। प्रचार-प्रसार में 10 साल में 664 करोड़ रु. खर्च हुए। शुरूआत में अधिसूचित फसलों के लिए कर्ज लेने वाले किसानों को लेना अनिवार्य था। 2020 में इसे स्वैच्छिक कर दिया गया। तबसे किसान किनारा करने लगे हैं। 2023 में देश में रिकॉर्ड 3.14 करोड़ हेक्टेयर कृषि भूमि बीमित थी। अब करीब 2.18 करोड़ हेक्टेयर बची है। खास बात यह है कि दो साल में योजना से बाहर होने वाले टॉप-6 राज्य भाजपा शासित हैं। पीएम फसल बीमा योजना के लिए 18 बीमा कंपनियां सूचीबद्ध हैं। इनमें 5 सरकारी हैं।

मंडी बंद, भड़के किसान, किया चक्काजाम

- रतलाम कृषि उपज मंडी रतलाम में मंडी अचानक बंद रहने और व्यापारियों द्वारा नीलामी न करने के विरोध में सोमवार को किसानों का गुस्सा फूट पड़ा। सैकड़ों की संख्या में आक्रोशित किसानों ने महू-नीमच फोरलेन पर मंडी के मुख्य द्वार के सामने बैठकर जोरदार प्रदर्शन किया और चक्काजाम कर दिया। इस दौरान किसानों ने प्रशासन और व्यापारियों की मनमानी के खिलाफ जमकर नारेबाजी की।
- किसानों का आरोप है कि उन्हें पिछले दो दिनों से मंडी बंद रहने के बाद सोमवार को मंडी चालू होने का आधिकारिक मैसेज मिला था। मैसेज मिलने के बाद दूर-दराज के इलाकों से लगभग 1,200 ट्रॉली लहसुन और प्याज लेकर किसान मंडी पहुंचे। लेकिन वहां पहुंचने पर व्यापारियों ने नीलामी करने से साफ इंकार कर दिया और मंडी बंद रखने की बात कही। प्रदर्शनकारी किसानों का कहना है कि वे भारी-भरकम भाड़ा देकर ट्रैक्टर-ट्रॉली से अपनी उपज बेचने आए हैं। एक दिन का भाड़ा ही 3,000 से 4,000 तक आ जाता है। ऐसे में बिना किसी पूर्व सूचना के अचानक मंडी बंद कर देने से उन्हें भारी आर्थिक नुकसान उठाना पड़ रहा है।
- किसानों ने इस दौरान मांग रखी की नीलामी का बहिष्कार करने वाले और बार-बार मंडी बंद करने वाले व्यापारियों के लाइसेंस तुरंत निरस्त किए जाएं। किसानों ने आरोप लगाया कि मंडी प्रशासन और एसडीएम जिम्मेदारी से काम नहीं कर रहे हैं, इसलिए उन्हें मंडी प्रभार से मुक्त कर तहसीलदार को प्रभार दिया जाए। मंडी को तत्काल चालू कराकर सभी फसलों की नीलामी प्रक्रिया शुरू की जाए। चक्काजाम के कारण सड़क पर वाहनों की लंबी कतारें लग गईं, जिससे आवागमन बाधित रहा। मौके पर पुलिस और प्रशासन की टीम ने किसानों को समझाइश देने के बाद मंडी में नीलामी का काम शुरू हुआ।

जहांगीरपुर में आज जनसमस्याओं को लेकर कांग्रेस का धरना

ग्राम जहांगीरपुर बस स्टैंड स्थित माताजी मंदिर के पास मंगलवार, 25 अगस्त को दोपहर 12 बजे कांग्रेस द्वारा जनसमस्याओं को लेकर धरना-प्रदर्शन आयोजित किया जाएगा। पूर्व विधायक मुरली मोरवाल के नेतृत्व में होने वाले इस प्रदर्शन में क्षेत्र की विभिन्न समस्याओं को प्रमुखता से उठाया जाएगा। धरने में सड़क निर्माण में अनियमितता, अघोषित बिजली कटौती, कृषि उपकरणों की जब्ती, जर्जर सड़कों, फसल बीमा राशि के भुगतान तथा बढ़ती महंगाई सहित किसानों और आम नागरिकों से जुड़े मुद्दों पर आवाज उठाई जाएगी। प्रदर्शन के बाद एसडीएम के नाम ज्ञापन इंगोरिया तहसील टप्पा कार्यालय के तहसीलदार को सौंपा जाएगा। कांग्रेस के विभिन्न संगठनों ने क्षेत्र के नागरिकों और किसानों से अधिक से अधिक संख्या में धरना-प्रदर्शन में शामिल होकर जनसमस्याओं के खिलाफ अपनी आवाज बुलंद करने की अपील की है।

दिल्ली-एनसीआर में तेज बारिश, 25 उड़ानें कैंसिल

एमपी-यूपी में बाढ़ जैसे हालात, वाराणसी में पुलिस चौकी डूबी, छत्तीसगढ़ में महिला पर बिजली गिरी

दैनिक अवन्तिका ▸▸ नई दिल्ली

दिल्ली-एनसीआर के कई इलाकों में सोमवार सुबह से तेज बारिश हो रही है। खराब मौसम के चलते दिल्ली एयरपोर्ट से 15 फ्लाइट्स डायवर्ट की गईं। मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक, 25 उड़ानें कैंसिल हो गई हैं और 380 लेट हैं।

यूपी के 19 जिलों में बाढ़ जैसे हालात हैं। प्रयागराज के दारागंज घाट का शमशान डूब गया, जिससे सड़कों पर अंतिम संस्कार करना पड़ रहा है। मध्य प्रदेश के जबलपुर, चंबल और नर्मदापुरम संभाग में तेज बारिश हुई। अशोकनगर में युवक बाइक समेत बह गया। प्रदेश के 22 जिलों में बारिश का रेड अलर्ट है। छत्तीसगढ़ के मुंगेली में पैदल जा रही एक महिला पर बिजली गिर गई, जिससे उसकी मौके पर ही मौत हो गई। वहीं, बिलासपुर में स्कूल से घर लौट रहे 3 बच्चे घोंघा नदी में बह गए।

बिहार में सोमवार को भगदड़ मचने से एक दर्जन श्रद्धालु और कई पुलिसकर्मी घायल

एजेंसी ▸▸ मधेपुरा

बिहार के मधेपुरा में सावन महीने की चौथे सोमवार पर शिवभक्तों की भारी भीड़ के बीच प्रसिद्ध बाबा सिंहेश्वर धाम में एक दर्दनाक हादसा हो गया। भगवान भोलेनाथ के दर्शन और जलाभिषेक की आतुरता में अचानक ऐसी अफरातफरी मची कि मंदिर परिसर में भगदड़ जैसे हालात पैदा हो गए। इस भीषण हादसे में जहां एक दर्जन से अधिक श्रद्धालु घायल हुए हैं, वहीं भीड़ को नियंत्रित करने की कोशिश में कई पुलिसकर्मी भी चोटिल हो गए।

यूक्रेन को सीक्रेट मिसाइल तकनीक देगा ब्रिटेन

एजेंसी ▸▸ यूक्रेन

रूस के खिलाफ जंग में मदद के लिए ब्रिटेन यूक्रेन को अपनी सीक्रेट मिसाइल तकनीक देगा। इससे कीव में ही लंबी दूरी की स्काल्प क्रूज मिसाइल बनाने का रास्ता साफ होगा। ब्रिटेन में इस मिसाइल को स्टॉर्म शैडो कहा जाता है। ब्रिटेन के प्रधानमंत्री एंडी बर्नहम सोमवार को अपनी पहली विदेश यात्रा पर यूक्रेन पहुंचे। इसी दौरान मिसाइल तकनीक साझा करने का ऐलान किया गया है। वे राष्ट्रपति वोलोदिमिर जेलेंस्की से मुलाकात करेंगे। फ्रांस और यूक्रेन की योजना है कि इस साल के आखिर तक यूक्रेन में स्काल्प की उत्पादन लाइन शुरू की जाए। इससे यूक्रेन को मिसाइल की तकनीक समझने और उसे देश में बनाने में मदद मिलेगी।

आकाश ग्रीन कॉलोनी और विनायक सार्थक ग्रुप द्वारा

रास्ता रोकने के लिए किया अवैध कब्जा और निर्माण

दैनिक अवन्तिका ▸▸ इंदौर

शहर के नामी कॉलोनाइजर द्वारा अधिवक्ता डीजी मिश्र की जमीन पर दीवार तोड़कर अवैध कब्जा करने का प्रयास और उनके रास्ते बंद करने हेतु अवैध दीवार का निर्माण करने की शिकायत आज थाना गांधीनगर में की गई है।

शिकायत के अनुसार गोम्मट गिरी चौराहे पर आकाश ग्रीन कॉलोनी से लगी हुई भूमि पिछले तीन दशकों से मिश्र परिवार की हैं, पिछले दिनों उनकी दीवार तोड़कर अवैध ट्रेस पास किया गया और मिश्र परिवार की जमीन हड़पने का प्रयास किया गया जिसकी शिकायत जनसुनवाई, सीएम हेल्पलाइन सहित विभिन्न स्तरों पर की गई है। इस संबंध में कॉलोनाइजर अश्विन मेहता और निलेश गुप्ता के विरुद्ध जिला न्यायालय में प्रकरण विचाराधीन है। आज पुनः आकाश ग्रीन और सार्थक विनायक समूह ने वहां स्थित चार दशक पुराना बबूल का पेड़ काटकर वहां रास्ता रोकने हेतु दीवार का अवैध निर्माण शुरू कर दिया। गांधीनगर पुलिस ने मौके पर मौजूद ट्रैक्टर और टैंकर ट्राली को जप्त कर जांच शुरू कर दी है।

कॉकरोच जनता पार्टी का बड़ा एलान

5 सितंबर को इंडिया गेट से पुलिस मुख्यालय तक करेंगे मार्च

दैनिक अवन्तिका ▸▸ नई दिल्ली

कॉकरोच जनता पार्टी ने 5 सितंबर को दिल्ली में शांतिपूर्ण मार्च का एलान किया है। संगठन का आरोप है कि 25 जुलाई को युवाओं से किए गए वादों पर सरकार ने अब तक ठोस कदम नहीं उठाए हैं। मार्च इंडिया गेट से शुरू होकर नई दिल्ली पुलिस मुख्यालय तक जाएगा। इसमें नीट से जुड़े मृत छात्रों के परिवार, पुलिस कार्रवाई के पीड़ित, छात्र और युवा संगठन शामिल होंगे। सीजेपी ने पांच सितंबर 2026 को नई दिल्ली में शांतिपूर्ण प्रदर्शन मार्च का एलान किया है। संगठन के मुताबिक मार्च इंडिया गेट से शुरू होकर नई दिल्ली पुलिस मुख्यालय तक जाएगा।

महाकाल श्रृंगार

ज्योतिर्लिंग महाकालेश्वर का रविवार को आकर्षक श्रृंगार किया गया।

खुसूर-फुसूर

रवि की तरह मूल 'कवि' काम के

प्रजातंत्र की प्राप्ति एवं उसके बाद चौथे स्तंभ का उपयोग आज से नहीं आजादी के समय से विकृतियों के शमन के लिए प्रशासन एवं वर्दी करता रहा है। ऐसे कई उदाहरण हैं जहां प्रशासन एवं वर्दी नहीं पहुंच पाए वहां चौथे स्तंभ के 'कवि' ने पहुंचकर ही नहीं दिखाया अपितु अपनी योग्यता को सिद्ध किया है। अपने लेखन से प्रशासन एवं वर्दी के हाथ लंबे ही नहीं किए विकृतियों के शमन में अपना भरपूर योगदान दिया है। चंदन तस्कर से लेकर ऐसे कई उदाहरण हैं जहां 'कवि' ने अपने आप को साबित किया है। कई सामाजिक विकृतियों का शमन 'कवि' से समन्वय,संपर्क एवं संवाद के से किया गया है। चौथा स्तंभ ऐसी विकृतियों के शमन में मुख्य आधार रहा है। पिछले कुछ समय से विकृतियों का शमन करने वाले 'कवि' में भी विकृतियों का समावेश हो गया। ऐसे में इन्हें ही हासिए पर ले लिया गया। इसमें शेर की खाल में भेड़ियों की तर्ज वालों ने इसका लाभ अर्जित कर लिया। पिछले कुछ समय से इन्हें हासिए पर रखकर अपने तईं उपयोग की स्थिति तक सिमित रख दिया गया है। इसके कारण से समाज के कई क्षेत्रों में विकृतियों का अब भंडार देखने में सामने आ रहा है। जिधर देखो उधर जनविश्वास की स्थिति बनने लगी है। जिन मामलों को चौथा स्तंभ उठा रहा था उन्हीं जैसे मामलों पर कई हासिए पर आ रहे हैं और तमाम तरह की कार्रवाईयों के मसले उठ खड़े हुए हैं। इस पूरे प्रक्रम में एक बात तो तय हो गई कि 'कवि' को दरकिनार करने से विकृतियों का बड़ा मजमा खड़ा हो गया है। इस सीख के साथ अब एक बार फिर शेष समय में 'कवि' को स्वच्छंद किया जाए और उनके तमाम विकृतियों के लेखन के मुद्दों एवं मामलों को सिरे से हासिए पर लेकर उन्हें कसौटी पर कसा जाने के साथ उसके परिणाम भी देखे जाएं। इससे साफ हो जाएगा कि सामाजिक, प्रशासनिक एवं राजनीतिक रूप से प्रभावी कौन सी प्रक्रिया है। वो जिस पर अब तक चलकर जन विश्वास के स्तर पर आना पडा या फिर चौथा स्तंभ के 'कवि' द्वारा उठाए गए मसलों से मिली जानकारी। खुसूर-फुसूर है कि एक बार इस पर विचार करते हुए चौथा स्तंभ के साथ स्वतंत्र समन्वय, संवाद, संपर्क को तरजीह दिए जाने से कई सारी विकृतियों का शमन किया जा सकता है। 'कवि' धरातल से जुड़ा होता है और उसकी लेखनी में उन सब विकृतियों का उल्लेख ही होता है। जरूरत है उसके उस मूल को हासिल करना और समझ के साथ उपयोग करने का।

नैनो न्यूज

- **पुत्रदा एकादशी पर निकली श्री स्वर्णगिरिराज की पांच कोसी परिक्रमा-** चार गांवों से गुजरी यात्रा, देश भर से शामिल हुए हजारों श्रद्धालु
- **तपस्विनी के 31 उपवास की तपस्या पर भावपूर्ण अनुमोदना, बच्चों ने दी अद्भुत प्रस्तुतियाँ-** रविवार को तपस्विनी किमी बेन मयंक भाई सकलेचा के 30वें उपवास की अनुमोदना पर कार्यक्रम हुआ।
- **कैलाश मानसरोवर की मुक्ति के लिए भारत तिब्बत समन्वय संघ ने लिया संकल्प-** वीरेश्वर महादेव मंदिर में मानसरोवर के जल से किया भोलेनाथ का अभिषेक
- **वेद की रक्षा कर बनें संस्कारवान-** आर्य समाज के साप्ताहिक सत्संग में वक्ताओं ने रखे विचार, रक्षाबंधन से शुरू होगा 10 दिवसीय वेद प्रचार कार्यक्रम
- **एससी-एसटी कॉलोनी में न सड़क बनी न नालियां,** जलभराव से त्रस्त रहवासियों ने दी आंदोलन की चेतावनी, कानीपुरा रोड पर चक्काजाम के बाद अधूरा छोड़ दिया नाले का निर्माण
- **महिलाओं को आत्मनिर्भर बनाने उज्जैन में पहली बार लगी ब्यूटी मास्टर क्लास-** दिया आधुनिक तकनीकों का प्रशिक्षण, ब्यूटी ट्रेनर अश्विनी भट्ट का हुआ सम्मान
- **हर्ष जैन का सम्मान-** शहर के प्रतिष्ठित व्यापारी एवं अभिषेक एन एक्स के संचालक हर्ष जैन ने फर्नीचर व्यवसाय के क्षेत्र में अपने 40 वर्षों के गौरवपूर्ण व्यावसायिक सफर में गुणवत्ता, विश्वसनीयता और ग्राहक सेवा को अपनी पहचान बनाया है।
- **हेमू कालानी उद्यान में आयोजित हुआ विशाल सहभोज-** हजारों श्रद्धालुओं ने लिया प्रसादी का लाभ, श्रावण मास में निकाली गई चौथी निःशुल्क 84 महादेव दर्शन यात्रा का ॐ नमः शिवाय के जाप के साथ सफलतापूर्वक समापन हो गया।

ट्रेंडिंग

फ्लू एन-1 एच-1 के पिछले 20 दिनों में तीन मरीज मिलने के बाद सीएमएचओ डॉ. पटेल का दावा- हमारी पूरी तैयारी

स्वाइन फ्लू से हम भी लड़ने को तैयार, भरपूर दवा

दैनिक अवन्तिका ▸▸ उज्जैन

स्वाइन फ्लू एन -1 एच -1 के पिछले 20 दिनों में तीन मरीज सामने आने की स्थिति में जिला स्वास्थ्य विभाग पूरी तैयारी में है। सीएमएचओ डॉ. अशोक कुमार पटेल का कहना है कि स्वाईन फ्लू बेकरार है तो हम भी लडने को तैयार हैं। उन्होंने दावा करते हुए कहा कि हमारी तैयारी पूरी है। अव्वल तो हम इसे फैलने से पहले ही रोकने के लिए कारगर कदम संक्रमित मरीजों के क्षेत्र में उठा रहे हैं।

शनिवार को दो स्वाईन फ्लू ग्रसित मरीजों के सामने आने के साथ ही पिछले 20 दिनों में जिले में 3 मरीजों की अब तक पुष्टि हो चुकी है। इनमें दो पुरूष एवं एक महिला शामिल है। महिला की बीते 18 अगस्त को मौत हो चुकी है जबकि उसकी स्क्रीनिंग में कांटेक्ट हिस्ट्री एवं ट्रेवलिंग हिस्ट्री सामने नहीं आई है जिससे की पता लग सके महिला स्वाइन फ्लू से कैसे ग्रसित हुई। शेष दो मरीजों की स्क्रीनिंग जारी है और उनकी कांटेक्ट एवं ट्रेवलिंग हिस्ट्री निकाली जा रही है।

10 बेड का आईसोलेशन वार्ड तैयार

2 डॉक्टर्स, 4 नर्से, पर्याप्त दवा

10 बेड का आइसोलेशन वार्ड

बकौल सीएमएचओ डॉ. पटेल जिला अस्पताल के चरक भवन में चौथी मंजिल पर स्वाइन फ्लू के मरीजों के लिए आईसोलेशन वार्ड तैयार है। इसमें प्रभावित मरीजों के पर्याप्त इलाज की व्यवस्था है। यहां प्रशिक्षित दो चिकित्सक एवं वरिष्ठ चिकित्सक की देखरेख में 4 नर्सों को मरीज के उपचार के लिए तैनात किया गया है। पर्याप्त मात्रा में इलाज के लिए दवाइयों का स्टाक भी उपलब्ध है। शनिवार को खाचरौद के मडावदा निवासी 66 वर्षीय बुजुर्ग को निजी अस्पताल से छुट्टी देने के बाद उसे चरक के आईसोलेशन वार्ड में ही उपचार दिया जा रहा है। एक अन्य महालक्ष्मी नगर निवासी मरीज की निजी अस्पताल से छुट्टी हो चुकी है और वे घर में आराम कर रहे हैं। अगले दिनों में भी इन मरीजों पर बराबर निगरानी रखी जा रही है। संक्रमण की स्थिति को देखते हुए उन्हें ताकीद किया गया है कि अगले दिनों में वे किसी के संपर्क में न आए। घर में ही अकेले में रहकर आराम करें।

स्क्रीनिंग का काम तेज

शनिवार को दो मरीजों की अहमदाबाद से मिली रिपोर्ट के बाद से स्वास्थ्य विभाग का अमला अलर्ट हो चुका है। खाचरौद के मडावदा गांव में रविवार को स्वास्थ्य विभाग की टीम के पहुंचने एवं वहां स्क्रीनिंग का काम किए जाने की जानकारी सामने आ रही है। इसके तहत मरीज के घर के आसपास के क्षेत्र में दवाई छिड़काव के साथ ही आसपास के रहवासियों के स्वास्थ्य की जांच की गई है। करीब तीन दर्जन से अधिक लोगों को जांच के दायरे में लिया गया है। मरीज के परिजनों से उसके मिलने वालों एवं उसके बाहर जाने और संपर्क की जानकारी ली गई है। महालक्ष्मी नगर निवासी 48 वर्षीय मरीज के घर भी स्वास्थ्य विभाग की टीम के पहुंचने और स्क्रीनिंग के लिए जानकारी लेने के साथ ही उसके आसपास के निवासियों की भी जांच की गई है। मरीज से उसकी कांटेक्ट हिस्ट्री एवं ट्रेवलिंग हिस्ट्री के बारे में जानकारी ली गई है।

सर्दी-जुकाम बुखार के मरीज बढ़े

चरक अस्पताल में सर्दी-जुकाम और बुखार से पीड़ित मरीजों की संख्या बढ़ती दिखाई दे रही है जिसमें सबसे अधिक बच्चे शामिल हैं। चरक अस्पताल में बने 74 बेड का वार्ड बच्चों से भरा दिखाई दे रहा है।

वृद्धा को संक्रमण सुअरों से होना सामने आया

इस माह के प्रारंभ में जिले में स्वाइन फ्लू के इस वर्ष के पहले मरीज के रूप में ऋषिनगर निवासी वृद्धा की पहचान हुई थी। महिला को पहले उज्जैन के निजी अस्पताल में और उसके बाद इंदौर के अस्पताल में उपचार दिया गया था। महिला के वापस घर लौटकर आने के बाद उसकी 18 अगस्त को मौत हो गई थी। डॉ. पटेल के अनुसार महिला को शुगर थी और कोमार्डिटी के कारण ऐसा हुआ। महिला के घर के पास ही नाले में सुअरों के बैठने की स्थिति सामने आई थी जिसके चलते आशंका है कि उसे सुअरों से स्वाइन फ्लू हुआ।

रक्षाबंधन को लेकर बाजार में बड़ी रौनक

राखी की दुकान पर एक से बढ़कर एक राखियां की वैरायटी उपलब्ध

- **10 से लेकर 500 रुपए तक की राखी बाजार में उपलब्ध**
- **ऐडी की राखी की ज्यादा डिमांड**
- **रक्षाबंधन पर महंगाई का असर, राखी के साथ नारियल-गोले भी महंगे**

दैनिक अवन्तिका ▸▸ उज्जैन

रक्षाबंधन पर्व के लिए शहर के बाजार सज गए हैं। 10 रुपये से राखी की कीमतें शुरू हैं। जो अधिकतम 400-500 रुपये तक राखी मिल रही है। शहर के छत्री चौक, गोपाल मंदिर, फ्रीगंज क्षेत्र में राखी बाजार में बहनें राखी की खरीदारी में जुट गई हैं। बाजार में रंग-बिरंगी राखियां मौजूद हैं। लेकिन इस बार पर्व पर महंगाई का असर साफ नजर आ रहा है।

रक्षाबंधन पर कपड़े से लेकर ज्वेलरी और अन्य सेक्टर में भी खूब रौनक है। बहनें भाइयों के लिए राखियां तो भाई अपनी बहनों के लिए आकर्षक उपहार खरीद रहे हैं। भाई-बहन के पवित्र पर्व रक्षाबंधन को लेकर शहर के बाजार में रौनक बढ़ गई है। एक से बढ़कर एक दुकानों पर बहनें अपने भाइयों के लिए चुन-चुनकर राखियां खरीद रही हैं। बाजार में राखियों की ढ़ेर सारी वैराइटी देखने को मिल रही है।

बाजार में कई डिजाइन की राखियां

नजर राखी,मोर पंख राखी,वीरा राखी, भैया राखी, भैया भाभी राखी, राधा कृष्ण राखी, ओम वाली राखी स्वास्तिक वाली राखी, गणेश जी वाली राखी, चूड़ा राखी, कपल राखी, टैटू राखी सहित भोलेनाथ वाली राखी, ऐडी की राखी,मेरे भैया राखी महादेव वाली राखी कान्हा जी की राखी मोतियों वाली राखी और भी कई वैरायटी में राखियां बाजार में दिखने को मिल रही हैं। इस बार ऐडी की राखी की ज्यादा डिमांड है। बच्चों को केंद्रित करने के लिए कार्टून वाली राखियां भीम, डोरेमोन, मोटू पतलू, स्पाइडर-मैन, अवेंजर, शिनचैन, बच्चों की भाई बहन की म्यूजिकल,लाइट वाली राखियां भी उपलब्ध है। जो बच्चों को बहुत भा रही है।

व्यापारियों के अनुसार

- राखियों की कीमत 10 से लेकर 500 रुपए तक
- ऐडी की राखी 100 से लेकर 300 रुपए तक की कीमत में प्रति नग के हिसाब से बिक रहा।
- बच्चों की कार्टून कैरेक्टर राखी 30 से लेकर 200 रुपए तक बिक रही।
- नारियल पानी वाले 30 से 40 रुपए प्रति नग के हिसाब से बिक रहा।
- गोला 450 रुपए प्रति किलो के हिसाब से बिक रहा।

दुकानदारों का कहना

फ्रीगंज के राखी बाजार में राखी की दुकान लगाने वाले सोहन सिंह जाधव व हेमा जैन ने संयुक्त रूप से बताया कि वह पिछले कई वर्षों से राखी का व्यापार कर रहे हैं। इस बार भी उन्होंने फ्रीगंज जैन मंदिर के समीप राखी की दुकान लगाई है। उन्होंने बताया कि उनके यहां पर 10 रूपए से लेकर 150 रुपए तक की कीमत में राखी उपलब्ध है। इस बार ऐडी की राखी की ज्यादा डिमांड है। ऐडी की राखी 100 से लेकर 200 रुपए तक प्रति नग के हिसाब है बच्चों की कार्टून वाली राखियां भी 30 से लेकर 200 रुपए तक की कीमत उपलब्ध है।
फ्रीगंज बाजार में राखी की दुकान लगाने वाले एक अन्य व्यापारी भरत सुनहरे ने बताया कि उनके यहां भी बहुत सारी डिजाइनों में 20 रूपए से लगाकर 300 रुपए तक की कीमत में राखियां उपलब्ध है।
इस बार निर्माण कार्य के चलते गोपाल मंदिर नगर निगम के पुराने परिसर में राखी बाजार नहीं लगा है इसलिए दुकानदारों का व्यापार प्रभावित हुआ है। राखी बाजार को छत्री चौक परिसर में लगाया गया है छत्री चौक पर राखी की दुकान लगाने वाले राखी व्यापारी बुधवारिया निवासी विनोद गहलोत ने बताया कि वह पिछले 13 वर्ष से राखी का व्यापार कर रहे हैं तथा इस बार राखी के दाम पिछले साल की तुलना में एक से डेढ़ गुना बढ़े हैं। राखी व्यापारी गहलोत ने आगे बताया कि उनके पास भी कई तरह की वैरायटी में 10 रूपए से लगाकर 150 रुपए तक की कीमत में राखी उपलब्ध है।
फ्रीगंज क्षेत्र में नारियल और गोली की दुकान लगाने वाले व्यापारी छोटेलाल गुप्ता ने बताया कि इस बार दाम बढ़ने से रक्षाबंधन की सभी चीज महंगी हो गई है नारियल पानी वाले 30 से 40 रुपए प्रति नग बिक रहे हैं वहीं गोल 450 रुपए प्रति किलो है।

बाबा महाकाल की श्रावण माह की चौथी व अंतिम सवारी आज

चार स्वरूपों में होंगे भगवान के दर्शन

दैनिक अवन्तिका ▸▸ उज्जैन

श्रावण मास के चौथे एवं अंतिम सोमवार पर भगवान श्री महाकालेश्वर की सवारी में भगवान के चार रूपों के दर्शन श्रद्धालुओं को होंगे। अपरांह मंदिर से निकलने वाली सवारी में पालकी में श्री चन्द्रमोलेश्वर, हाथी पर श्री मनमहेश, गरूड़ रथ पर श्री शिवताण्डव, नन्दी रथ पर श्री उमा महेश विराजित होकर नगर भ्रमण पर निकलेगे।

इस वर्ष कुल 6 सवारियां निकाली जाना है। 24 अगस्त को श्रावण मास का अंतिम सोमवार रहेगा। ऐसे में श्रावण मास की अंतिम सवारी इस अवसर पर निकाली जाएगी। इसके उपरांत भादौ मास की दो सवारियों को निकाला जाएगा। सवारी के क्रम में पालकी में श्री चन्द्रमोलेश्वर, सूमा हाथी पर श्री मनमहेश, गरूड़ रथ पर श्री शिवताण्डव, नन्दी रथ पर श्री उमा महेश विराजित होकर नगर भ्रमण करेंगे।

मां शिप्रा तैराक दल ने चलाया सफाई अभियान

दैनिक अवन्तिका ▸▸ उज्जैन

एकादशी पर्व के अवसर पर माँ शिप्रा तैराक दल द्वारा रामघाट पर स्वच्छता अभियान चलाया गया। अभियान के दौरान नदी में जमा कचरे एवं अन्य अपशिष्ट को हटाकर घाट को स्वच्छ रखने का प्रयास किया गया। माँ शिप्रा तैराक दल के सदस्यों ने कहा कि शिप्रा नदी धार्मिक आस्था का प्रमुख केंद्र होने के साथ ही शहर की पहचान भी है। उन्होंने श्रद्धालुओं से नदी में कचरा नहीं डालने और स्वच्छता व्यवस्था में सहयोग करने की अपील की। सफाई अभियान में संस्था के सचिव संतोष सोलकी सहित तेजा कहार, दिनेश कहार, मन्नू कहार, अन्ना कहार, अर्जुन गोंड, राकेश गोंड सहित अन्य सदस्य मौजूद रहे। दल द्वारा पर्व एवं विशेष अवसरों पर शिप्रा घाटों की स्वच्छता और श्रद्धालुओं की सुरक्षा को लेकर लगातार गतिविधियां की जाती है।

नानाखेड़ा शांति पैलेस चौराहे पर पुल निर्माण में सुरक्षा की अनदेखी...

बिना हेलमेट और सुरक्षा उपकरण के काम कर रहे मजदूर

पहले भी जा चुकी है मजदूर की जान, लेकिन उसके बाद भी बरती जा रही लापरवाही

दैनिक अवन्तिका ▸▸ उज्जैन

नानाखेड़ा शांति पैलेस चौराहे पर पुल निर्माण में लगे मजदूर बिना सुरक्षा व सेफ्टी के अपनी जान जोखिम में डालकर काम कर रहे हैं। जबकि इसी तरह बिना सेफ्टी के काम करते समय एक मजदूर की सरिये के जाल में दबने से मौत हो चुकी है लेकिन उसके बाद भी सुरक्षा में लापरवाही बरती जा रही है। आगामी सिंहस्थ को लेकर शहर में कई बड़े निर्माण कार्य चल रहे हैं। लेकिन निर्माण कार्य में लगे मजदूरों की सुरक्षा को लेकर कोई ध्यान नहीं दिया जा रहा है कई जगह मजदूर बिना सेफ्टी व सुरक्षा के काम करते हुए देखे जा सकते हैं।

निर्माण कार्य के दौरान हुए हादसे

- **फरवरी 2026** – इंदौर-उज्जैन सिक्सलेन के शांति पैलेस चौराहे पर निमार्णाधीन ब्रिज में लोहे का जाल गिरने से एक मजदूर की मौत हुई।
- मार्च में कोयला फाटक से निजातपुरा सड़क चौड़ीकरण के दौरान करंट लगने से राकेश सूर्यवंशी (42) की मौत हुई।
- 11 मई 2026 को प्रेमलता होरया नामक महिला निर्माणाधीन नाली में गिर गई थीं, नीचे खुले पड़े सरियों में से एक सरिया उनके पेट के आर-पार हो गया था।
- उन्हें गंभीर हालत में एसएस अस्पताल ले जाया गया और ऑपरेशन कर सरिया निकाला गया।

मजदूरों के लिए जरूरी सेफ्टी

- **फुल बॉडी सेफ्टी हार्नेस** : ऊंचाई पर काम करने वाले हर मजदूर को हार्नेस पहनना चाहिए और उसे मजबूत लाइफलाइन/एंकर पॉइंट से जोड़ा जाना चाहिए।
- **सेफ्टी हेलमेट** : चिन स्ट्रैप वाला इंडस्ट्रियल हेलमेट अनिवार्य होना चाहिए।
- **सेफ्टी शूज** : फिसलनरोधी और मजबूत सेफ्टी जूते पहनने चाहिए।
- **सेफ्टी बेल्ट अकेली पर्याप्त नहीं** : गिरने से बचाव के लिए उचित हार्नेस और एंकर सिस्टम होना चाहिए।
- **मजबूत वर्किंग प्लेटफॉर्म** : सरियों पर सीधे खड़े होकर काम नहीं करना चाहिए। पर्याप्त चौड़ाई और भार क्षमता वाला प्लेटफॉर्म होना चाहिए।
- **गार्ड रेल और टो-बोर्ड लगाए** : जहां संभव हो, प्लेटफॉर्म के किनारे रेलिंग और नीचे टो-बोर्ड लगाए जाएं।
- **खुले सरियों पर सुरक्षा कैप** : निकले हुए सरियों के सिरों पर सुरक्षात्मक कैप लगाए जाएं, ताकि गिरने पर मजदूर के शरीर में सरिया न घुसे।
- **क्रेन/हाइड्रा के आसपास सुरक्षा** : मशीन चलाते समय निर्धारित दूरी और प्रशिक्षित ऑपरेटर होना चाहिए। लटकते हुए भार के नीचे किसी मजदूर को नहीं खड़ा होना चाहिए।
- **टूल्स बांधकर रखें** : ऊंचाई से हथौड़ा, रिंच या अन्य सामान नीचे गिरने से रोकने के लिए टूल लैनयार्ड/उचित व्यवस्था हो।
- **नीचे बैरिकेडिंग** : जहां ऊपर काम चल रहा हो, नीचे का क्षेत्र बैरिकेड करके लोगों और वाहनों की आवाजाही रोकनी चाहिए।
- **बिजली की लाइन से दूरी** : आसपास बिजली की लाइन हो तो सुरक्षित दूरी, इन्सुलेशन और आवश्यक परमिट/शटडाउन की व्यवस्था हो।
- **बारिश और तेज हवा में सावधानी** : गीले या फिसलन वाले स्ट्रक्चर पर ऊंचाई का काम रोकना चाहिए।
- **नियमित निरीक्षण** : मचान, प्लेटफॉर्म, जैक, शटरिंग, क्रेन, हार्नेस और एंकर पॉइंट की रोजाना जांच होनी चाहिए।
- **प्रशिक्षित सुपरवाइजर** : ऊंचाई पर काम के दौरान साइट पर सक्षम सेफ्टी सुपरवाइजर मौजूद होना चाहिए।

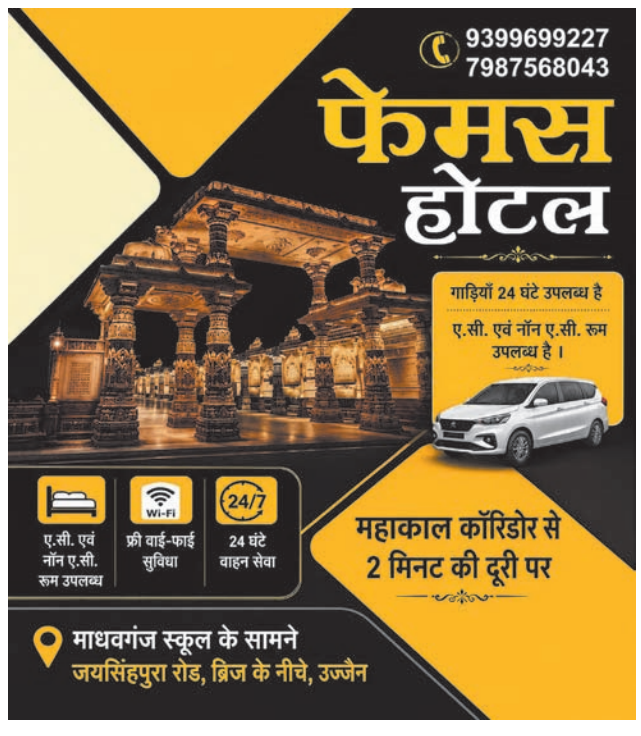

दैनिक अवन्तिका

सब पे नज़र, सबकी ख़बर

इंदौर | उज्जैन | मंगलवार, 25 अगस्त, 2026 | www.awantika.com

न्यूज ब्रीफ

सीएम हेल्पलाइन के प्रकरणों में लापरवाही पर पाँच पर कार्रवाई

इंदौर। कलेक्टर शिवम वर्मा ने आज कलेक्टर कार्यालय के सभाकक्ष में समय-सीमा के पत्रों के निराकरण (टीएल) की समीक्षा बैठक ली। बैठक में सीएम हेल्पलाइन के तहत प्राप्त आवेदनों के निराकरण की विभागवार समीक्षा की गई। कलेक्टर श्री वर्मा ने निर्देश दिए कि 50 दिन से अधिक समय से लंबित शिकायतों को सर्वोच्च प्राथमिकता के साथ निराकृत किया जाए। उन्होंने अधिकारियों को निर्देशित किया कि प्रत्येक शिकायत का समय-सीमा में गुणवत्तापूर्ण एवं संतुष्टिपूर्ण निराकरण सुनिश्चित करें। शिकायतों के निराकरण में अनावश्यक विलंब अथवा लापरवाही पाए जाने पर संबंधित अधिकारी-कर्मचारी की जवाबदेही तय करते हुए कार्रवाई की जाएगी। कलेक्टर श्री वर्मा ने सीएम हेल्पलाइन में दर्ज आवेदनों में से पांच प्रकरणों का रेण्डम रूप से चयन कर उनके निराकरण की स्थिति की समीक्षा की।

अब एक चैट पर–इंदौर जिला प्रशासन की अनूठी डिजिटल पहल

इंदौर। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव के सुशासन के संकल्प को साकार करते हुए इंदौर जिला प्रशासन द्वारा नागरिकों को शासकीय सेवाओं की जानकारी एवं सुविधाएं सरल, त्वरित और डिजिटल माध्यम से उपलब्ध कराने की दिशा में अभिनव पहल की गई है। कलेक्टर शिवम वर्मा के निर्देशन में प्रारंभ की गई एआई चैटबॉट एवं व्हाटएप सेवा अब नागरिकों के लिए शासकीय सेवाओं तक पहुंच का आसान और सुविधाजनक माध्यम बन रही है। इस डिजिटल पहल के माध्यम से नागरिक 9407035437 पर संपर्क कर विभिन्न शासकीय सेवाओं की जानकारी प्राप्त कर सकते हैं तथा वर्तमान में उपलब्ध 41 सेवाओं तक आसानी से पहुंच बना सकते हैं। खास बात यह है कि लॉन्च के प्रारंभिक चरण में जहां लगभग 1,200 उपयोगकर्ता इससे जुड़े थे, वहीं अब इसकी पहुंच बढ़कर 6,897 सक्रिय उपयोगकर्ताओं तक पहुंच गई है।

जिला स्तरीय ट्रांसजेंडर प्रोटेक्शन सेल का गठन

इंदौर। ट्रांसजेंडर समुदाय के व्यक्तियों के अधिकारों के संरक्षण एवं उनके विरुद्ध होने वाले शारीरिक, मानसिक, भावनात्मक, यौन एवं आर्थिक शोषण को रोकने के उद्देश्य से इंदौर जिले में जिला स्तरीय ट्रांसजेंडर प्रोटेक्शन सेल का गठन किया गया है। गठित सेल का मुख्य उद्देश्य ट्रांसजेंडर व्यक्तियों के अधिकारों का संरक्षण करना तथा उनकी समस्याओं एवं शिकायतों का त्वरित निराकरण सुनिश्चित करना है। समिति द्वारा ट्रांसजेंडर व्यक्तियों के साथ होने वाले भेदभाव एवं उत्पीड़न से संबंधित शिकायतों का पंजीयन कर आवश्यक कार्रवाई की जाएगी। साथ ही ट्रांसजेंडर व्यक्तियों को पहचान एवं परिचय पत्र जारी कराने में आवश्यक सहायता उपलब्ध कराई जाएगी।

मुहूर्त के इंतजार में सार्वजनिक शौचालय

इंदौर। स्वच्छता और सार्वजनिक सुविधाओं के बड़े-बड़े दावों के बीच वार्ड क्रमांक 15 स्थित प्रजापति दक्ष चौराहा एम आर 5 चौराहे पर एक अनोखा नजारा देखने को मिल रहा है। यहां सार्वजनिक सुविधा के लिए बनाया गया सार्वजनिक शौचालय पूरी तरह तैयार दिखाई दे रहा है, लेकिन उसके मुख्य द्वार पर ताला लटका हुआ है। राहगीरों का सवाल है कि आखिर यह शौचालय जनता के उपयोग के लिए बनाया गया है या किसी खास शुभ मुहूर्त के इंतजार में? दीवारों पर आकर्षक पेंटिंग, सुंदर स्वच्छता संदेश और पूरा भवन तैयार होने के बावजूद शौचालय का उपयोग शुरू नहीं हो पाया है। ऐसे में क्षेत्रवासियों के बीच चर्चा है कि कहीं इसका उद्घाटन कराने के लिए कोई नेता जी का समय या शुभ मुहूर्त तो नहीं देखा जा रहा। स्थानीय लोगों का कहना है कि सार्वजनिक सुविधा का मतलब ही जनता को सुविधा देना है। यदि भवन तैयार है तो फिर इसके दरवाजे खोलने में देरी क्यों? अब सवाल यह है कि शौचालय का शुभारंभ किसी नेता के फीता काटने के बाद होगा या फिर जनता के धैर्य की परीक्षा पूरी होने के बाद? वार्ड 15 में तैयार सार्वजनिक शौचालय पर ताला देखकर लोग पूछ रहे हैं जनाब, मुहूर्त निकल गया क्या... या अभी भी उद्घाटन का ग्रह-नक्षत्र नहीं मिला?

नैनो न्यूज

- **देवास – मंडी में गेहूं की आवक-** देवास मंडी में गेहूं सहित अन्य कृषि जिंसों की आवक जारी है। 23 अगस्त के अपडेट में गेहूं का भाव ?2510 तक दर्ज हुआ।
- **रतलाम – मंडी में लहसुन कारोबार-** रतलाम जिले की मंडियों में लहसुन समेत कृषि जिंसों का कारोबार जारी है। उपलब्ध ताजा आंकड़ों में लहसुन का अधिकतम भाव ?8995.89 क्विंटल दर्ज हुआ।
- **मंदसौर – लहसुन कारोबार प्रमुख-** मंदसौर कृषि उपज मंडी में लहसुन का कारोबार प्रमुख है। मंडी में बड़ी मात्रा में लहसुन की खरीद-बिक्री होती है और भाव पर व्यापारियों की नजर है।
- **नीमच – मंडी में अवकाश-** नीमच कृषि उपज मंडी में 24 अगस्त को सावन सोमवार के चलते नीलामी बंद है। अगस्त में कुल 12 दिन मंडी नीलामी बंद रहने की सूचना है।
- **धार – सब्जियों की आवक जारी-** धार मंडी में सब्जियों की आवक जारी है। उपलब्ध ताजा आंकड़ों में भिंडी का औसत भाव 1476 और करेला 1961 प्रति क्विंटल दर्ज हुआ।

सोयाबीन फसल के नुकसान के बावजूद कई गांवों को बीमा राशि से वंचित करने का आरोप, तहसील स्तर पर कार्यालय और नर्मदा सिंचाई पाइपलाइन की मांग

फसल बीमा की अनियमितताओं के खिलाफ भारतीय किसान संघ का धरना शुरू

दैनिक अवन्तिका ▸▸ उज्जैन

प्रधानमंत्री फसल बीमा योजना में कथित अनियमितताओं और किसानों को फसल नुकसान के बावजूद बीमा राशि से वंचित किए जाने के विरोध में भारतीय किसान संघ जिला उज्जैन का अनिश्चितकालीन धरना सोमवार, 24 अगस्त से शुरू हुआ। धरना दोपहर 12 बजे सिंहस्थ कार्यालय के सामने, कोठी महल परिसर में शुरू हुआ। संगठन ने जिले के किसानों से अधिक से अधिक संख्या में शामिल होकर किसान शक्ति का परिचय देने का आह्वान किया है।

भारतीय किसान संघ का कहना है कि संगठन लंबे समय से प्रधानमंत्री फसल बीमा योजना की कमियों और अनियमितताओं को लेकर प्रशासन को ज्ञापन के माध्यम से अवगत कराता रहा है, लेकिन किसानों की समस्याओं का स्थायी समाधान नहीं होने के कारण अनिश्चितकालीन धरना शुरू किया गया है।

सैटेलाइट डाटा आधारित मूल्यांकन पर सवाल

किसान संघ ने फसल नुकसान के आकलन और क्लेम निर्धारण में सैटेलाइट डाटा को आधार बनाने की पद्धति पर भी आपत्ति जताई है। संगठन की मांग है कि इस व्यवस्था पर तत्काल रोक लगाई जाए और खेत में वास्तविक नुकसान के आधार पर किसानों को फसल बीमा का लाभ दिया जाए। संघ का तर्क है कि केवल तकनीकी या सैटेलाइट आधारित आंकड़ों के आधार पर फसल नुकसान का सही आकलन संभव नहीं है और इससे वास्तविक रूप से प्रभावित किसान बीमा लाभ से बाहर हो सकते हैं।

संघ के अनुसार खरीफ 2025 में उज्जैन जिले की विभिन्न तहसीलों के कई गांवों में सोयाबीन की फसल खराब हुई थी। फसल नुकसान का प्रशासन द्वारा तहसील स्तर पर दल गठित कर सर्वे भी कराया गया था। संगठन का दावा है कि सर्वे रिपोर्ट के आधार पर जिले में बीमा राशि प्राप्त हुई, लेकिन नुकसान झेलने वाले कई गांवों के किसानों को बीमा राशि का लाभ नहीं मिल पाया। इससे प्रभावित किसानों में नाराजगी है।

तहसील स्तर पर कार्यालय की मांग

भारतीय किसान संघ ने प्रधानमंत्री फसल बीमा योजना से संबंधित समस्याओं के समाधान के लिए तहसील स्तर पर कार्यालय स्थापित करने की मांग भी उठाई है। संगठन के मुताबिक प्रत्येक तहसील में जवाबदार कर्मचारी की नियुक्ति होनी चाहिए, ताकि किसानों को बीमा संबंधी जानकारी, सर्वे, क्लेम और भुगतान से जुड़ी समस्याओं के लिए जिला मुख्यालय के चक्कर नहीं लगाने पड़ें।

सिंचाई सुविधा विस्तार की मांग

धरने में जिले के उन गांवों में सिंचाई सुविधा बढ़ाने की मांग भी प्रमुख रूप से रखी गई है, जहां वर्तमान में सिंचाई के पर्याप्त साधन उपलब्ध नहीं हैं। संघ ने मांग की है कि ऐसी तहसीलों और गांवों में नर्मदा सिंचाई पाइपलाइन बिछाई जाए, जिससे किसानों को स्थायी सिंचाई सुविधा मिल सके और वर्षा आधारित खेती पर निर्भरता कम हो। भारतीय किसान संघ ने किसानों से धरने में शामिल होकर अपनी मांगों को मजबूती देने की अपील की है। संघ पदाधिकारियों का कहना है कि किसानों की मांगों का उचित निराकरण होने तक अनिश्चितकालीन धरना जारी रहेगा।

भोपाल का 90 डिग्री वाला विवादित ब्रिज:

शुरू हुआ तो डेढ़ लाख लोगों का चक्कर बचेगा

दैनिक अवन्तिका ▸▸ भोपाल

ऐशबाग का चर्चित 90 डिग्री रेलवे ओवरब्रिज अब सुधार के बाद लोगों के लिए खुलने की दिशा में बढ़ रहा है। केंद्रीय सड़क अनुसंधान संस्थान की संशोधित डिजाइन के अनुसार मोड़ का घेरा बढ़ाने और वाहन चलने वाले हिस्से को चौड़ा करने का काम शुरू हो चुका है। करीब एक करोड़ रुपए के सुधार कार्य को दिसंबर तक पूरा करने का लक्ष्य है।

ब्रिज शुरू होने के बाद ऐशबाग, महामाई का बाग, पुष्पा नगर और आसपास के क्षेत्रों के लोगों को सबसे बड़ा फायदा मिलेगा। रेलवे लाइन के कारण जिन रास्तों पर अतिरिक्त चक्कर लगाना पड़ता है, वहां सीधा संपर्क उपलब्ध होगा। आसपास की करीब डेढ़ लाख आबादी को इससे सीधा फायदा मिलने का अनुमान है।

निर्माण के समय सरकारी स्तर पर इस आरओबी से करीब 3 लाख लोगों की रोजाना आवाजाही को राहत मिलने का दावा किया गया था। यह संख्या सीधे लाभार्थियों की नहीं, बल्कि संभावित दैनिक आवागमन से जुड़ा अनुमान है। ब्रिज शुरू होने पर पुराने भोपाल और नए शहर के बीच आवागमन आसान होने की उम्मीद है। आरओबी शुरू होने के बाद वाहन चालकों को रेलवे क्रॉसिंग पर ट्रेन के गुजरने का इंतजार नहीं करना पड़ेगा। इससे यात्रा का समय बचेगा और ऐशबाग क्षेत्र में यातायात का दबाव भी कम होने की उम्मीद है।

अब 90 डिग्री मोड़ होगा ज्यादा आसान

ब्रिज की सबसे बड़ी समस्या उसका लगभग 90 डिग्री का तीखा मोड़ रहा है। अब संशोधित डिजाइन में इनर और आउटर रेडियस को 2 से 2.5 मीटर तक बढ़ाया जाएगा। मोड़ के प्रवेश और निकास हिस्से में कैरिजवे भी करीब 3 से 3.5 फीट चौड़ा किया जाएगा। अतिरिक्त स्लैब का भार संभालने के लिए नया पियर, लंबा पियर कैप और 1200 मिलीमीटर व्यास की पाइल फाउंडेशन बनाई जाएगी। रेलवे ट्रैक और बिजली की ऊपरी लाइन की सुरक्षा को ध्यान में रखते हुए काम किया जा रहा है।

दिसंबर तक पूरा करने का लक्ष्य

मोड़ सुधारने के लिए रेलवे और लोक निर्माण विभाग के बीच करीब 10 महीने तक बैठकें चलीं। केंद्रीय सड़क अनुसंधान संस्थान की नई डिजाइन पर सहमति बनने के बाद अब मौके पर काम शुरू हो चुका है। निर्माण एजेंसी को ही सुधार की जिम्मेदारी दी गई है। ब्रिज शुरू होने के बाद सबसे बड़ा फायदा ऐशबाग-पुष्पा नगर क्षेत्र के लोगों को होगा। इसके साथ ही पुराने और नए भोपाल के बीच संपर्क सुधरेगा, रेलवे क्रॉसिंग पर इंतजार खत्म होगा और आसपास के मार्गों पर यातायात का दबाव कम होने की उम्मीद है।

झरनेश्वर महादेव मंदिर जा रही थी

बिजली का पोल गिरने से एक की मौत, दो घायल

दैनिक अवन्तिका ▸▸ मक्सी

औद्योगिक क्षेत्र मक्सी के दूसरे फेस स्थित पवन चक्की प्लांट के समीप सोमवार दोपहर को दर्दनाक हादसा हो गया। एक वाहन के बिजली के पोल से टकराने के बाद पोल वाहन के ऊपर जा गिरा। रास्ते से झरनेश्वर मंदिर जा रही तीन महिलाओं में से एक महिला इस हादसे का शिकार हो गई जबकि दो महिलाएं घायल हो गईं। प्राप्त जानकारी के अनुसार हादसे में श्यामूबाई पति ईश्वरलाल मालवीय (60), निवासी बरंडवा की मौके पर मौत हो गई। वहीं राधाबाई पति बाबूलाल (65), निवासी बरंडवा तथा कलाबाई पति सीताराम मालवीय (50), निवासी बरांडवा घायल हुई हैं। घायलों को उपचार के लिए जिला अस्पताल शाजापुर पहुंचाया गया।

बताया जा रहा है कि तीनों महिलाएं झरनेश्वर महादेव मंदिर की ओर जा रही थीं। इसी दौरान एक काले रंग का वाहन बिजली के पोल से टकरा गया, जिससे पोल महिलाओं के ऊपर गिर गया। हादसे के बाद वाहन चालक मौके से फरार हो गया। सूचना मिलते ही मक्सी पुलिस मौके पर पहुंची और मामले की जांच शुरू की।

सरकारी दफ्तर में 'साहब' का शाही बर्थडे, हाथी पर एंट्री और नोटों जैसे केक का वीडियो वायरल

दैनिक अवन्तिका ▸▸ उज्जैन

मध्य प्रदेश पश्चिम क्षेत्र विद्युत वितरण कंपनी के वल्लभनगर जोन के सहायक यंत्री का जन्मदिन शाही अंदाज में मनाए जाने का एक वीडियो इन दिनों सोशल मीडिया पर तेजी से वायरल हो रहा है। वीडियो में विभाग के कर्मचारी और सहायक यंत्री के चाहने वाले उन्हें हाथी पर बैठाकर ढोल-नगाड़ों के साथ कार्यालय में प्रवेश कराते नजर आ रहे हैं।

इसके बाद कार्यालय के बाहर डांस किया गया और 500-500 रुपये के नोटों की गड्डियों जैसी डिजाइन वाले केक को काटकर जन्मदिन का जश्न मनाया गया।

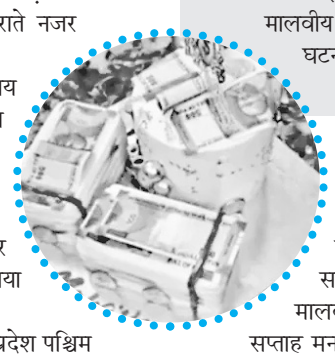

पूरा मामला मध्य प्रदेश पश्चिम क्षेत्र विद्युत वितरण कंपनी के वल्लभनगर जोन से जुड़ा है। यहां के सहायक यंत्री रविकांत मालवीय का जन्मदिन बीते सप्ताह मनाया गया। आमतौर पर रविवार को शासकीय कार्यालयों में अवकाश रहता है, लेकिन इस आयोजन में बड़ी संख्या में कर्मचारी और सहायक यंत्री के परिचित शामिल हुए। सभी ने शाही अंदाज में सहायक यंत्री रविकांत मालवीय का जन्मदिन धूमधाम से मनाया।

वायरल वीडियो से सुर्खियों में आया मामला

सरकारी कार्यालय में जन्मदिन मनाना अपने आप में कोई अपराध नहीं है, लेकिन इस आयोजन का वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल होने के बाद मामला सुर्खियों में आ गया। वायरल वीडियो में कार्यालय के बाहर के साथ ही कार्यालय परिसर के अंदर भी सहायक यंत्री को जन्मदिन की बधाई दी जा रही है। इस दौरान राष्ट्रीय मुद्रा की तस्वीरों वाली डिजाइन का केक काटे जाने का दृश्य भी सामने आया है। मामले को लेकर मध्य प्रदेश पश्चिम क्षेत्र विद्युत वितरण कंपनी के अधीक्षण यंत्री वी.के. मालवीय से बातचीत की गई। उनका कहना है कि विभाग में इस तरह जन्मदिन मनाना गलत है। सहायक यंत्री रविकांत मालवीय को नोटिस जारी किया गया है, ताकि भविष्य में इस तरह की घटना की पुनरावृत्ति न हो।

गाड़ी पर युवक की हवाबाजी ने खींचा ध्यान

इंदौर। सोशल मीडिया पर सामने आए एक वीडियो ने एक बार फिर युवाओं के बीच हथियारनुमा वस्तुओं के प्रदर्शन को लेकर सवाल खड़े कर दिए हैं। वीडियो में एक युवक वाहन पर बैठा नजर आ रहा है और उसके हाथ में बंदूक जैसी दिखाई देने वाली वस्तु हवा में लहराती नजर आ रही है। वीडियो में दिखाई दे रही वस्तु असली हथियार है या नकली, इसकी फिलहाल पुष्टि नहीं हुई है। वीडियो में युवक जिस वाहन पर बैठकर कथित तौर पर गन जैसी वस्तु लहराता नजर आ रहा है, उसका नंबर MP09AZ8017 है। वीडियो सामने आने के बाद अब यह सवाल भी उठ रहा है कि आखिर हथियार जैसी वस्तु को सार्वजनिक रूप से प्रदर्शित करने की जरूरत क्या थी।

कांवड़ यात्राओं के कारण इंदौर की सड़कों पर लगा जाम

थमे रहे वाहनों के पहिए

दैनिक अवन्तिका ▸▸ इंदौर

सावन के अंतिम सोमवार के कारण शहर में अलग-अलग स्थानों पर कांवड़ यात्राएं निकाली गईं। इस कारण मध्य क्षेत्र की कई सड़कों पर जाम की स्थिति रही। सड़कों पर ट्रैफिक रेंगता नजर आया। मिनटों में होने वाले सफर को पूरा करने में एक से डेढ़ घंटे का समय लगा।

सोमवार को सावन के अंतिम सोमवार के मौके पर गांधी हॉल से राजवाड़ा तक महिलाओं की कांवड़ यात्रा निकाली गई। व्यस्त मार्ग से निकली यात्रा के कारण पहले एमजी रोड का ट्रैफिक प्रभावित हुआ। वाहन चालक जवाहर मार्ग का उपयोग करने लगे। इस कारण उस मार्ग पर भी ट्रैफिक का दबाव बढ़ गया और वाहनों की रफ्तार रुक गई। वाहन गुत्थम-गुत्था होने लगे। मध्य क्षेत्र के राजवाड़ा, जवाहर मार्ग, संजय सेतु, एमजी रोड, यशवंत मार्ग सहित अन्य मार्गों पर दोपहर में डेढ़ घंटे तक जाम लगा रहा। चौराहों पर ट्रैफिक जवान भी तैनात थे, लेकिन वे भी ट्रैफिक व्यवस्था बहाल करने में नाकाम रहे। दोपहिया वाहन चालक गलियों से होकर गंतव्य तक पहुंचने की कोशिश करते रहे, लेकिन गलियों में भी वाहन फंसे नजर आए। कांवड़ यात्रा के कारण शहर के दूसरे मार्गों पर भी ट्रैफिक प्रभावित रहा। श्रमिक क्षेत्र में भी सोमवार को कांवड़ यात्रा के कारण नंदानगर मेन रोड का ट्रैफिक अवरुद्ध हुआ। मार्ग के एक हिस्से से यात्रा निकली और दोनों तरफ का ट्रैफिक एक ही लेन में चलने लगा।

विद्यार्थी, शिक्षक, संत, शिक्षाविद् और सामाजिक चिंतक होंगे सहभागी

धर्म पर मंथन करने उज्जैन में जुटेंगे 24 राज्यों के 1700 युवा

आयोजन युवा पीढ़ी और भारतीय मनीषा के बीच जीवंत संवाद का राष्ट्रीय मंच बनेगा

युवा धर्म संसद : गीता भवन में 17 सितंबर से शुरू होगा तीन दिवसीय आयोजन

दैनिक अवन्तिका ▸▸ उज्जैन

भगवान महाकाल की नगरी सितंबर में देश की युवा वैचारिक चेतना के बड़े केंद्र के रूप में सामने आएगी। यहां 24 राज्यों के 1700 से अधिक युवा एकत्र होकर धर्म, राष्ट्र, संस्कृति, शिक्षा, विज्ञान और समकालीन जीवन की चुनौतियों पर मंथन करेंगे। अवसर होगा युवा धर्म संसद-2026 के षष्ठम अंक का। सेवाज्ञ संस्थानम् द्वारा आयोजित यह राष्ट्रीय आयोजन 17 से 19 सितंबर तक गीता भवन में होगा। विद्यार्थी, शिक्षक, शिक्षाविद्, संत, मनीषी और सामाजिक चिंतक इसमें सहभागी होंगे।

भाषण नहीं, सवालों से होगा वैचारिक मंथन

युवा धर्म संसद की खासियत इसका संवाद आधारित स्वरूप होगा। युवाओं को केवल वक्ताओं को सुनने तक सीमित नहीं रखा जाएगा, बल्कि वे धर्म, आधुनिकता, विज्ञान, शिक्षा, राष्ट्र और सामाजिक जीवन से जुड़े सवाल सीधे विद्वानों और संतों के सामने रख सकेंगे। इस तरह आयोजन युवा पीढ़ी और भारतीय मनीषा के बीच जीवंत संवाद का राष्ट्रीय मंच बनेगा।

काशी से अवंतिका तक पहुंची वैचारिक यात्रा

युवा धर्म संसद की परंपरा देश के प्रमुख धार्मिक-सांस्कृतिक केंद्रों को जोड़ते हुए आगे बढ़ी है। इसके पूर्व काशी, अयोध्या, मथुरा, हरिद्वार और कांचीपुरम् में आयोजन हो चुके हैं। अब इसके षष्ठम अंक के लिए उज्जैन को चुना गया है। वह इसलिए क्योंकि उज्जैन केवल आस्था का केंद्र नहीं, बल्कि भारत की प्राचीन ज्ञानपरंपरा की महत्वपूर्ण भूमि रही है। ज्योतिष, गणित, साहित्य, दर्शन और संस्कृत के साथ इसका गहरा संबंध रहा है। विक्रमादित्य की नगरी और सिंहस्थ की भूमि होने से इसकी सांस्कृतिक पहचान और व्यापक है। ऐसे में 24 राज्यों के युवाओं को यहां जुटाकर सनातन दृष्टि, आधुनिक सवालों और राष्ट्रचिंतन के बीच संवाद कराना आयोजन को विशेष अर्थ देता है।

तीन दिन, तीन प्रमुख पड़ाव

- 17 सितंबर- प्रदर्शनी का उद्घाटन और युवा पंचायत
- 18-19 सितंबर- व्याख्यान, प्रश्नोत्तर और संवाद सत्र
- सहभागिता- 24 राज्यों से 1700 से अधिक युवा
- स्थान- गीता भवन, उज्जैन

धर्म को कर्मकांड से आगे समझने की कोशिश

आयोजकों के अनुसार संसद में धर्म को केवल पूजा-पद्धति या कर्मकांड के रूप में नहीं, बल्कि व्यक्ति, समाज, प्रकृति और समूची सृष्टि के प्रति कर्तव्य, उत्तरदायित्व, सदाचार और लोकमंगल की जीवन-दृष्टि के रूप में समझने पर विमर्श होगा। इसी दृष्टि को आज के युवा के सवालों से जोड़ना आयोजन का प्रमुख उद्देश्य है। तकनीक, वैश्वीकरण, शिक्षा, रोजगार, व्यक्तिगत स्वतंत्रता, सामाजिक उत्तरदायित्व और तेजी से बदलती जीवनशैली के बीच युवा नई चुनौतियों का सामना कर रहे हैं। संसद में यह विमर्श होगा कि भारतीय ज्ञान परंपरा और सनातन जीवन-दृष्टि आज की इन चुनौतियों को समझने और समाधान खोजने में किस तरह उपयोगी हो सकती है।

संरक्षक आचार्य मिथिलेशनन्दिनीशरण महाराज के मार्गदर्शन में सेवाज्ञ संस्थानम् द्वारा होने वाले वाले इस कार्यक्रम की शुरूआत 17 सितंबर को प्रदर्शनी के उद्घाटन और युवा पंचायत से होगी। प्रदर्शनी में भारतीय ज्ञान परंपरा, संस्कृति, दर्शन, शिक्षा और राष्ट्रीय जीवन से जुड़े विविध पक्ष प्रस्तुत किए जाएंगे। युवा पंचायत में देशभर से आए युवाओं को अपने प्रश्न, अनुभव और विचार रखने का अवसर मिलेगा। 18 और 19 सितंबर को मुख्य व्याख्यान और संवाद सत्र होंगे। इनमें विशेषज्ञ युवाओं से सीधे संवाद करेंगे।

ध्यान को यूं अपनाएं

वकीलों की जिंदगी बहुत ही उलझाव भरी होती है। उन्हें शांति की सबसे अधिक जरूरत होती है, लेकिन उनसे अगर आप ध्यान करने के लिए कहो, तो वे कहते हैं कि समय कहां है? इस व्यस्त जीवन में क्या वे ध्यान के लिए समय निकाल पाएंगे? वास्तव में, आजकल सबसे महंगी और दुर्लभ चीज कोई है, तो वह समय है। एक दफा किसी वकील ने ओशो से पूछा, ह्यमैं ध्यान करना चाहता हूं, लेकिन हर समय व्यस्त रहता हूं। मैं नहीं जानता कि कैसे ध्यान किया जाए या इसे करने के लिए कब समय निकाला जाए? ओशो ने कहा, तुम्हें ध्यान के लिए अलग से समय निकालने की जरूरत ही नहीं है। मैं तुम्हें नहीं कहता कि तुम्हें अलग से इतने मिनट निकालना है। ध्यान तो कुछ इस तरह का होना चाहिए कि यह तुम्हारे सभी दैनिक कार्यों के साथ भीतर-भीतर चलता रहे। ध्यान कोई विधि नहीं है, ध्यान है हरेक काम को होशपूर्वक करना। जैसे, जमीन में कोई गड्ढा खोद रहे हो, बगीचे में गुलाब की नई झाड़ियां लगा रहे हो, दुकान पर काम कर रहे हो या फिर कोर्ट में कोई मुकदमा लड़ रहे हो, कोई भी कृत्य हो, उसे होश के साथ किया जाए, तो वह ध्यान बन जाता है। शुरूआत में यह थोड़ा कठिन होगा। आप बार-बार भूल जाएंगे, लेकिन हिम्मत नहीं हारिए। यदि चौबीस घंटों में आप चौबीस सेकंड के लिए भी होशपूर्ण हो सके, तो वही पर्याप्त है। इसका राज एक ही है- होश इसकी कुंजी है। आप एक सेकंड के लिए भी यह कर पाए, तो आपको कौशल आ गया। ध्यान धीरे-धीरे पूरे जीवन पर फैल जाना चाहिए। जब आप सोने जा रहे हैं, तब भी। अपने बिस्तर पर पड़े हैं, कुछ मिनट लगते हैं, नींद के आने में। उन कुछ मिनटों में मौन के प्रति, अंधकार के प्रति, विश्राम कर रहे शरीर के प्रति सजग हो जाओ। जब नींद पलकों पर उतरने लगे, तब होशपूर्ण बने रहो। उस वक्त तक, जब तक कि पूरी तरह से नींद में खो न जाओ। आजकल वाकई किसी के पास समय नहीं है। माना कि दिन पूरी तरह से व्यस्तताओं से भरा हुआ है, लेकिन रात? रात के छह या आठ घंटे तो ध्यान में बदले जा सकते हैं। जब आप स्नान कर रहे हैं, तब क्यों नहीं इसे होशपूर्ण करें? क्यों इसे यांत्रिक तरीके से किया जाए? फिलहाल आप ऐसे ही स्नान कर रहे हैं, जैसे रोबोट। आप हर दिन कर रहे हैं, लेकिन इस तरह जल्दी-जल्दी निपटाते हैं, जैसे कोई गैर-जरूरी काम में समय जा रहा है। धीरे-धीरे पूरे होश में हर काम करने से ध्यान के लिए अलग से समय का कोई सवाल ही नहीं रहेगा। यह आपके पूरे दिन पर फैल जाएगा, चौबीस घंटों के लिए। आपको यह पता नहीं है कि होश का साइड इफेक्ट है आनंद। होश सधा, तो आपके भीतर अकारण आनंद की लहर उठती रहेगी।

सम्पादकीय

फिर स्वाइन फ्लू

राष्ट्रीय राजधानी नई दिल्ली में फिर स्वाइन फ्लू के मामलों का बढ़ना चिंताजनक है और समाधान पूरी सावधानी से करना चाहिए। स्वाइन फ्लू मतलब एचवनएनवन वायरस के संक्रमण के चलते सरकार की ओर से जन स्वास्थ्य संबंधी चेतावनी भी जारी हुई है। लोगों से श्वसन संबंधी स्वच्छता का पालन करने, भीड़भाड़ वाली जगहों से बचने और फ्लू जैसे लक्षण दिखने पर चिकित्सा सलाह लेने का आग्रह किया गया है। स्वास्थ्य विभाग के आंकड़ों के मुताबिक, अकेले राष्ट्रीय राजधानी में 1,777 से अधिक मामले सामने आए हैं। दिल्ली के आसपास के शहरों और मेरठ तक से शिकायतें आ रही हैं। यहां यह भी ध्यान देने की बात है कि अनेक मामले ऐसे होंगे, जो दर्ज नहीं हुए होंगे। अफसोस, गंभीर संक्रमण को भी अपने यहां सामान्य मानने की आम धारणा देखी जाती है, पर स्वास्थ्य विभाग ने ऐसी धारणा रखने वालों को एक तरह से चेतावनी दी है। कई बार मामूली लगने वाली तकलीफ भी बेकाबू हो जाती है। वैसे, यह सराहनीय बात है, केंद्र सरकार और दिल्ली प्रशासन ने निगरानी व अस्पतालों की तैयारियों को बढ़ा दिया है।

यह बदलते मौसम का समय है, कभी गर्मी, कभी उमस, तो कभी बारिश से मौसम का संतुलन बिगड़ा हुआ है। स्वाइन फ्लू और इन्फ्लूएंजा-ए के मामलों से सावधान रहने की जरूरत है। पिछले वर्ष भी ऐसे मौसम में स्वाइन फ्लू की शिकायत सामने आई थी, पर इस बार पीड़ितों की संख्या पांच गुना ज्यादा है। खास यह कि इस मौसम में स्वाइन फ्लू को अपेक्षाकृत ज्यादा खतरनाक माना जाता है। यह आर्द्र मौसम का समय है और जगह-जगह जलभराव की स्थिति रहती है, उससे भी फ्लू और वायरल रोगों को बल मिलता है। यहां फिर दोहरा दिया जाए कि स्वाइन फ्लू के लक्षण वायरल श्वसन रोगों के समान ही होते हैं। बुखार, खांसी, गले में खराश, नाक बहना या बंद होना, सिरदर्द, शरीर दर्द, ठंड लगना, थकान और कमजोरी होने पर एक बार चिकित्सक से जरूर परामर्श करना चाहिए। सांस लेने में थोड़ी भी तकलीफ हो, तो जोखिम नहीं लेना चाहिए। ध्यान रहे, डॉक्टरों ने स्व-चिकित्सा न करने की सलाह दी है। खासकर बच्चों, बुजुर्गों, गर्भवती महिलाओं और बीमार लोगों को बहुत सावधान रहना चाहिए। मच्छरों को कोई मौका नहीं देना चाहिए और अपने आसपास स्वयं ही चिंता करनी चाहिए कि कहीं अनावश्यक जलभराव तो नहीं है। लोग सामान्य गंदगी या जलभराव की स्थिति में भी सरकार भरोसे क्यों बैठे रहते हैं?

राहत के मार्ग तलाशे सरकार

एथनाल पेट्रोल ने चीनी का बढ़ाया संकट

प्रमोद भार्गव (दैनिक अवन्तिका)

भारतीय बाजार में गन्ने से एथनाल के निर्माण ने बड़ा संकट खड़ा कर दिया है। इस गंभीर समस्या ने जहां चीनी को उम्मीद से ज्यादा महंगा कर दिया है, वहीं चीनी आयात करने की स्थिति भी पैदा हो गई है। केंद्र सरकार ने 10 साल में पहली बार चीनी आयात करने का फैसला लिया है। चीनी अब डॉलर देकर विदेश से मंगाई जाएगी। जबकि 2022 तक ईयू और यूएस को तय कोटा निर्यात के बाद यह प्रतिबंध लगाना पड़ता था कि अब और चीनी निर्यात नहीं की जाए। जिससे घरेलू मांग की पूर्ति आसान बनी रहे और चीनी महंगी भी न हो। अब यह स्थिति निर्मित हो गई है कि घर-घर में इस्तेमाल की जाने वाली चीनी का भंडार पिछले साल की तुलना में 20 प्रतिशत कम हो गया है। इस कमी का प्रमुख कारण गन्ने का उपयोग एथनाल बनाने में किया जाना माना जा रहा है। भारत में अनाज से शराब पूर्व से ही बनाई जा रही है। खाद्य उपज से पेट्रोल और शराब का बड़ी मात्रा में निर्माण नीति नियंताओं की अदूरदर्शिता प्रकट करती है।

बीते दो माह के भीतर ही चीनी की कीमतें उछलकर 40 प्रतिशत तक बढ़ गई हैं। आगे रक्षाबंधन, गणेश महोत्सव और कृष्ण जन्माष्टमी जैसे बड़े त्यौहार हैं, जिनमें मिठाई और प्रसाद वितरण के लिए शकर की बड़ी मांग बनी रहती है। इसके तत्काल बाद नवदुर्गा, विजयादशमी और दीपावली जैसे बड़े पर्व हैं, जिनमें चीनी की सर्वाधिक खपत होती है। अतएव समय पर चीनी आयात नहीं हो पाती है तो चीनी के दाम आसमान छूने लग जाएंगे। हालांकि सरकार यह जता रही है कि पेट्रोल में एथनाल की मात्रा बढ़ाने से चीनी महंगी नहीं हुई है, बल्कि खराब मौसम के चलते गन्ने की फसल की कम पैदावार के कारण देश में चीनी का उत्पादन कम हुआ है। सरकार एक अन्य कारण अंतरराष्ट्रीय बाजार में चीनी के दामों में वृद्धि बता रही हैं। बावजूद सरकार ई-20 एथनाल पेट्रोल के उत्पादन पर अंकुश लगाने को तैयार नहीं है। यही कारण है कि सरकार ने ई-10 यानी 10 फीसदी एथनाल मिश्रित पेट्रोल बनाने के सुझावों को सिरे से खारिज कर दिया है।

दरअसल देश में एथनाल उत्पादन की क्षमता तेजी से बढ़कर 2000 करोड़ लीटर प्रतिवर्ष से ज्यादा हो गई है। एथनाल का यह उत्पादन 478 महाराष्ट्र, कर्नाटक और उत्तर प्रदेश में लगे संयंत्रों में किया जा रहा है। जबकि पेट्रोल वाहनों में एथनाल मिला पेट्रोल उपयोग करने से वाहन खराब हो रहे हैं। इस कारण मौजूदा मांग उत्पादन से कम बनी हुई है। बावजूद उद्योगपति एथनाल निर्माण के नए संयंत्रों के निर्माण में लगे हैं। इस सेक्टर को बैंकों ने एक लाख करोड़ रुपए का कर्ज दिया हुआ है। अब सरकार की दुविधा यह है कि यदि पेट्रोल में ब्लेडिंग घटाई गई तो हजारों करोड़ के बैंक ऋण और देशी-विदेशी निवेश डूबने का संकट बढ़ जाएगा। ब्लेडिंग उस प्रक्रिया को कहते हैं, जिसके तहत एक तय मात्रा में बायो फ्यूल, यानी ई-20 या ई-10 प्रतिशत पेट्रोल में एथनाल मिलाया जाता है। हालांकि यह जीवाश्म ईंधन जलवायु परिवर्तन पर अंकुश लगाने के लिए पर्यावरण के अनुकूल है। इस जैव ईंधन को नवीकरणीय ऊर्जा माना जाता है। इस कारण दुनिया के देश जैव ईंधन का उत्पादन बढ़ाने में लगे हैं।

केअर एज रेटिंग्स की रिपोर्ट के अनुसार चालू वित्त वर्ष के अंत तक एथनाल उत्पादन क्षमता 400 करोड़ लीटर और बढ़ जाएगी। अर्थात कुल उत्पादन क्षमता करीब 2400 करोड़ लीटर तक पहुंच जाने की उम्मीद है। जबकि 2014 में एथनोल का उत्पदान 421 करोड़ लीटर प्रतिवर्ष होता था। जो अब चार गुना अधिक हो गया है। चालू वित्त वर्ष के दौरान पेट्रोल ब्लेंडिंग के लिए ई-20 पेट्रोल के लिए 1200 करोड़ लीटर एथनाल की जरूरत पड़ेगी। यही नहीं उद्योगों, फार्मा कंपनियों और रसायन क्षेत्रों में भी अधिकतम 350 लीटर एथनाल की मांग बनी हुई है। 2025 से देशभर में ई-20 पेट्रोल की बिक्री हो रही है। पश्चिम एशिया में चल रहे अमेरिका-ईरान, रूस-यूक्रेन और इजरायल के युद्धों के चलते केंद्र सरकार ने मजबूरी में अप्रैल-2026 से एथनाल मिश्रित पेट्रोल बाजार में देने की शुरूआत की है। इधर एथनाल के नए संयंत्र लगाए जाने के कारण उद्योग जगत की मांग है कि ई-30 या उससे अधिक एथनाल मिश्रित पेट्रोल की बिक्री देशभर में शुरू की जाए। फिलहाल देश में गन्ना, मक्का और अन्य अनाजों से बने एथनाल के निर्यात पर प्रतिबंध लगाए। क्योंकि यदि खाद्य सामग्री से बना एथनाल निर्यात होने लग जाएगा तो देश में खाने वाला अनाज की आपूर्ति में तो आएगी ही, उम्मीद से ज्यादा अनाज महंगा भी हो जाएगा। हालांकि वर्तमान में कृषि अवशेष और बायोमास से निर्मित एथनाल के निर्यात की अनुमति सितंबर 2025 से दे दी गई है। किंतु उद्योग जगत अपना फायदा देखते हुए मांग कर रहा है कि सरकार नेपाल और इंडोनेशिया देशों में निर्यात की संभावनाएं तलाशे ?

अनाज, फल और सब्जी आदमी के जिंदा रहने की बुनियादी शर्त हैं। लेकिन आधुनिक जीवन शैली के लिए जरूरी बना दिए गए औद्योगिक उत्पादन और भोग-विलास के उपकरणों को ऊर्जा उपलब्ध कराने के लिए वैकल्पिक स्रोतों में फसलों का बड़े पैमाने पर इस्तेमाल दुनिया में हो रहा है। खाद्य संकट बनाए रखने के कारणों में यह एक प्रमुख कारण है। यदि जैविक ईंधन के लिए अनाज के प्रयोग को खुली छूट दे दी जाती है तो भारत में भूख का संकट गहराना तय है। वैसे भी वैश्विक भूख सूचकांक में भारत की स्थिति अच्छी नहीं है। यह स्थिति भूख की गंभीर स्थिति दर्शाती है। ऐसे में वाहनों के उत्पादन को बढ़ाना और बैंकों के कर्ज के जरिए उनकी बिक्री आसान करना भूख की स्थिति को और गंभीर बनाएगी।

इस सिलसिले में ब्रिटेन की स्वयंसेवी संस्था ऑक्सफेम ने दुनिया में बढ़ रहे खाद्यान्न संकट के सिलसिले में चेतावनी दी है कि यदि अनाज से शराब और एथनॉल बनाना बंद नहीं किया तो 2030 तक खाद्यान्न की मांग 70 फीसदी तक बढ सकती है और अनाज की कीमतें भी दुगनी हो सकती हैं ? बावजूद देश की गरीब व लाचार आबादी की चिंता की बजाय भारत सरकार वाहनों के लिए एथनाल उत्पादन को बढ़ावा दे रही है, तो यह चिंता का विशय है।

वह नल बहुत याद आता है

कसबे से सटे गाँव रामपुर की मुख्य चौपाल पर बरगद के प्राचीन पेड़ के ठीक नीचे लोहे का एक पुराना और जंग लगा नल गड़ा हुआ था जिसकी हत्थी सालों से एक ही जगह पर अचल पड़ी थी जैसे सरकारी दफ्तरों में प्रमोशन की फाइलें पड़ी रहती हैं। उस नल के चारों तरफ पक्की ईंटों से बना गोल चबूतरा वक्त की मार और भ्रष्टाचार की नमी से काला पड़ चुका था पर गाँव के लोगों के लिए वह कोई मामूली ढाँचा नहीं बल्कि लोकतंत्र के सूखे गले का प्रतीक था। हर रोज ढलती दोपहर के साथ पंडित देवकी नंदन जी अपनी धुंधली आँखों पर सरकारी आश्वासनों जैसा मोटा चश्मा चढ़ाकर उसी चबूतरे पर अपनी जर्जर लाठी के सहारे आकर बैठ जाते थे जो शायद व्यवस्था की हड्डी से बनी थी। सफेद खद्दर का धोती कुर्ता पहने और हाथों में पीतल का एक जग थामे पंडित जी घंटों उस खामोश नल की टोंटी को वैसे ही निहारते रहते थे जैसे कोई बेरोजगार युवक रोजगार समाचार के पन्नों को देखता है। गाँव का कोई भी इंसान जब चौपाल से गुजरता तो पंडित जी को उसी मुद्रा में बैठा देखकर चकित रह जाता था क्योंकि उस नल से बरसों से पानी की एक बूँद भी नहीं टपकी थी जैसे किसी ईमानदार आदमी के मुँह से गाली नहीं निकलती। पंचायत का नया सिपाही जब भी उधर से गुजरता तो अपनी वर्दी की नई अकड़ और पुरानी अक्ल के साथ पंडित जी से बड़े आदर से पूछता कि पंडित जी आप रोज इस सूखे लोहे के सामने अपना पीतल का बर्तन लेकर क्यों बैठ जाते हैं क्या आपको लगता है कि किसी दिन यह नल अचानक चुनावी वादों की तरह बहने लगेगा। देवकी नंदन जी बस अपने चश्मे को थोड़ा ऊपर खिसकाते एक हल्की सी कड़वी मुस्कान बिखेरते और अपनी कांपती आवाज में कहते कि बेटा पानी बहना तो एक भौतिक क्रिया है पर इस लोहे की खामोशी में इस पूरे गाँव के अभिमान और सच्चाई की वैसी ही गवाही बंद है जिसे सुनने के लिए कलेजा चाहिए और हमारे यहाँ कलेजे का इस्तेमाल सिर्फ दूसरों की बुराई सुनने के लिए होता है।

पञ्चांग राशिफल

दिनांक - 25 अगस्त 2026 मंगलवार
सूर्योदय - 06:11 सूर्यास्त 18:47
श्रावण मास शुक्ल पक्ष
राहुकाल - 15:00 से 16:30 तक
तिथि - द्वादशी 06:21 उपरांत त्रयोदशी
नक्षत्र - उत्तराषाढा 22:51 उपरांत श्रवण
योग - आयुष्मान 07:41 उपरांत सौभाग्य
करण - बालव
चन्द्रमा - दिन पूर्ण मकर में रहेगा।
मुस्लिम मास - रवि उलावल मास 11 तारिख

मेष- नौकरी में सप्ताह की शुरूआत व्यस्तता भरी रहेगी। काम का तनाव हावी न होने दें।
वृषभ- किसी बड़े सौदे पर हस्ताक्षर करने से पहले नियम व शर्तें ठीक से पढ़ें। पुराने विवादों को उठाने से बचें, तालमेल बिठाएं।
मिथुन- नए सौदे या क्लाइंट्स मिलने के योग हैं। मीडिया, संचार और मार्केटिंग के जातकों के लिए दिन फलदायी है।
कर्क- स्पष्ट बातचीत से गलतफहमियां दूर होंगी। आय के नए स्रोत बनेंगे। बीच-बीच में आराम करें।
सिंह- कार्यक्षेत्र में आपका वर्चस्व और आत्मविश्वास बढ़ेगा।
कन्या- नया बिजनेस प्रोजेक्ट शुरू करने की योजना बनेगी। व्यस्तता के कारण पार्टनर की नाराजगी झेलनी पड़ सकती है।
तुला- धन लाभ होगा, लेकिन खर्च भी साथ-साथ चलेंगे। एसिडिटी से बचें।
वृश्चिक- एकाग्रता से कठिन काम भी आसान हो जाएंगे। पुराने व्यावसायिक सौदे लाभदायक सिद्ध होंगे।
धनु- रिश्तों में प्रगाढ़ता आएगी और एक-दूसरे के प्रति सम्मान बढ़ेगा।
मकर- धैर्य से काम लें, मेहनत का फल अवश्य मिलेगा। पुराने ग्राहकों से व्यापारिक लाभ संभव है।
कुंभ- काम की व्यस्तता के बीच पार्टनर के लिए समय जरूर निकालें। पैसों की स्थिति संतुलित रहेगी।
मीन- रचनात्मकता की सराहना होगी। नए व्यापारिक संबंध स्थापित होंगे। भावनात्मक रूप से मजबूती महसूस करेंगे।

समसामयिक

तिरंगा जाँ है मेरी, मेरा भारत प्यारा

(1) ये, गाँव, मेरा, ये, देश, मेरा, मुझे जाँ-- से प्यारा इसकी माटी से, इसकी जंमी से, इसकी नदीं से, इसकी गली से, रिश्ता -- प्यारा -- तिरंगा जाँ है मेरी, मेरा-भारत प्यारा ----ये गाँव मेरा ये देश मेरा,
(2) इसकी ----- नदियों में, पानी नहीं, बैहती है, अमृत की गगां, की, लहरों से, खेलें, सभी, केसा रिश्ता है, गेहरा ये प्यारा धारा

कु. वर्षा जोशी (दैनिक अवन्तिका)

इसली गलियों में, पीपल की, छईयाँ----इसके बागों में, फुलों की बगिया
रिश्ता प्यारा -- तिरंगा रस-- जाँ है, मेरी, मेरा भारत प्यारा ये गाँव, मेरा ये, देश, मेरा,
(3) इसके, खेतों में, धान नहीं, केसा, बिखरा पड़ा है, जी सोना------खेतो, में, चिड़ियाँ, फुरफुर्र.. उड़े मीठी-मीठी-सी, अम्बुआँ की, छईयाँ इसके, खेतो में, पैडौ, की, छईयाँ-पानी का पनघट - शीतल - पुरबईयाँ-
रिस्ता - प्यारा - तिरंगा - जाँ है, मेरी, मेरा भारत प्यारा
ये गाँव मेरा ये देश मेरा,
(4) इसकी, गलियों में, गुजरा है, बचपन हम सबका--सारा -इसका सारा, सोने, की, चिडियाँ फुर्र - फुर्र - उड़े, खुला --- आकाश, हो
(5) सारे, जहाँ, में, सारी, जंमी पर, ---- सारे जहाँ में, सारी, जंमी पर, लेहरायेगा---तिरंगा जां-है, मेरी, मेरा भारत प्यारा, -------
(6) ये गाँव मेरा, ये-देश, मेरा, मुझे जाँ से प्यारा -------
इसकी माँटी, से, इसकी जंमी से, इसकी नदी से, इसकी गली से ---रिश्ता प्यारा -------
तिरंगा जाँ है, मेरी,--- मेरा भारत प्यारा

अनुच्छेद

केशर की क्यारियां
खिल उठी
महक बिखरी चारों ओर
दफन हो गई
बारूदी गंध से सनी
आबो हवा
बर्फीले पहाड़
चीड़ देवदार भी खुश
कश्मीर निखरा
जो बिखरा था
आतंकी सायों से
बाशिन्दे किसी की शह पर
कुछ चलते
गलत राहों पर
अब हुए
दबाव से मुक्त
अनुच्छेद से खुश
लहराते तिरंगे के संग
राष्ट्रीय गीत
राष्ट्रीय पर्वों पर
जम्मू कश्मीर
लेह लद्दाख के संग
मिलकर गाएंगे
एकता ,भाईचारे का
ये संदेशा दुनिया को बतायेंगे
अमन की दुनिया में
केशर की क्यारियां।
फिर से सजायेंगे

संजय वर्मा दैनिक अवन्तिका

स्वास्थ्यः बारिश में डेंगू का संक्रमण बढ़ने का खतरा

बारिश के मौसम में मच्छरों से होने वाली बीमारियों का खतरा बढ़ जाता है। जुलाई से अक्तूबर के बीच डेंगू और मलेरिया जैसे संक्रमण के मामले बढ़ने की आशंका रहती है। डेंगू की शुरूआत कई बार सामान्य वायरल बुखार जैसी ही दिखाई देती है, इसलिए मरीज और परिवार के लोग शुरूआती लक्षणों को नजरअंदाज कर देते हैं। तेज बुखार, सिरदर्द, शरीर में दर्द, कमजोरी, जी मिचलाना और उल्टी जैसी शिकायतें डेंगू में देखी जा सकती हैं। हालांकि केवल लक्षणों के आधार पर डेंगू की पुष्टि नहीं की जा सकती और जरूरत पड़ने पर चिकित्सकीय जांच कराना जरूरी होता है।

डेंगू संक्रमित एडीज मच्छर के काटने से फैलता है। बारिश के बाद घरों और आसपास जमा साफ पानी मच्छरों के प्रजनन के लिए अनुकूल वातावरण तैयार कर सकता है। ऐसे में पानी जमा होने वाली जगहों की नियमित सफाई और मच्छरों से बचाव के उपाय बेहद महत्वपूर्ण हो जाते हैं। दिन के समय भी मच्छरों से बचने के लिए शरीर को ढककर रखना और आवश्यकता के अनुसार मच्छररोधी उपाय अपनाना उपयोगी हो सकता है।

डेंगू के मरीज में कमजोरी और शरीर में दर्द होना आम लक्षण हो सकते हैं, लेकिन अगर कमजोरी अचानक बहुत ज्यादा बढ़ जाए और मरीज को उठने-बैठने में परेशानी

होने लगे तो इसे सामान्य मानकर घर पर इंतजार नहीं करना चाहिए। अत्यधिक सुस्ती, बेचैनी या तेजी से बिगड़ती तबीयत भी चिकित्सकीय मदद लेने का संकेत हो सकती है। तेज बुखार के साथ पेट में गंभीर दर्द या पेट दबाने पर अधिक दर्द होना भी चिंता का कारण है। डेंगू के गंभीर मामलों में शरीर में तरल संतुलन और रक्तसंचार से जुड़ी जटिलताएं हो सकती हैं। इसलिए लगातार पेट दर्द या असामान्य बेचैनी होने पर डॉक्टर से तत्काल संपर्क करना जरूरी है।

सांस सामान्य से बहुत तेज चलना या सांस लेने में परेशानी होना भी गंभीर संकेत माना जाता है। ऐसी स्थिति में मरीज को घर पर केवल सामान्य बुखार समझकर इलाज करते रहना उचित नहीं है। चिकित्सकीय जांच के बाद ही स्थिति की गंभीरता और आवश्यक उपचार तय किया जा सकता है। नाक या मसूड़ों से खून आना, उल्टी में खून दिखाई देना अथवा मल में रक्त आना भी डेंगू के गंभीर चेतावनी संकेतों में शामिल हो सकते हैं। बुखार के साथ इनमें से कोई लक्षण दिखाई दे तो तत्काल चिकित्सा सहायता लेनी चाहिए। अत्यधिक रक्तस्राव गंभीर स्थिति पैदा कर सकता है।

डेंगू के इलाज में आमतौर पर लक्षणों को नियंत्रित करने, शरीर में पर्याप्त तरल बनाए रखने और जटिलताओं की निगरानी पर ध्यान दिया जाता है। बुखार या दर्द के लिए दवा डॉक्टर की सलाह के अनुसार ही लेनी चाहिए। एस्पिरिन और आइबुप्रोफेन जैसी दवाओं का इस्तेमाल चिकित्सकीय सलाह के बिना नहीं करना चाहिए, क्योंकि कुछ परिस्थितियों में रक्तस्राव का खतरा बढ़ सकता है। तेज बुखार होने पर स्वयं दवा लेने के बजाय डॉक्टर से परामर्श करना अधिक सुरक्षित है। बरसात में डेंगू से बचाव के लिए घर और आसपास पानी जमा न होने दें, कूलर, गमले, टंकियों और अन्य पात्रों की नियमित सफाई करें तथा मच्छरों से बचाव के उपाय अपनाएं। बुखार आने पर पर्याप्त आराम और तरल पदार्थ लेना महत्वपूर्ण है, लेकिन गंभीर चेतावनी संकेत दिखाई देने पर घरेलू देखभाल तक सीमित रहना उचित नहीं है।

इन्दौर मंडी भाव

चना कांटा 6600 से 6650 विशाल 6350 से 6425 डंकी चना 6000 से 6100मसूर 6000 महाराष्ट्र सफेद 7600 से 7800 महाराष्ट्र लाल 7900 से 8100 कर्नाटक 8000से 8200 निमाड़ी तुअर 6500 से 7600 मूंग बेस्ट गर्मी 7000 से 7200 मूंग बेस्ट बोल्ड - 7400 से 7600 मीडियम बोल्ड 7300 से 7400 मोगर 5500 से 6500 उड़द बोल्ड 9100 से 9200 उड़द गर्मी 8600 से 9000 ग्रेविटी क्लीन 9300 से 9700 हल्का उड़द 4000 से 6000काबुली डॉलर 7500 से 8900 काबुली रशियन 6200 से 6400 बिटकी 5890 से 6000सरसों निमाड़ी 8100 से 8200 रायडा 7100 से 7300 करंज 5000 से 5200 सोयाबीन 6700 टोली 5300 से 5400 अलसी 8500 से 9000 तिल्ली 8000 से 9000 गेहूं मिल क्वालिटी 2650 से 2700 लोकवन 2900 से3100 पूर्णा 2750 से 2800 मालवराज 2600 से 2650 मक्का 2325 से 2350 चना दाल 7450 से 7550 मीडियम 7850 से 7950 बेस्ट 8050 से 8350 तुअर दाल 7000 से 7100 मीडियम 8000 से 8300 बेस्ट 9600 से 9900 एक्स्ट्रा बेस्ट 10700 से 10800 ब्रांडेड 12300 मूंग दाल 8700 से 8800 बेस्ट 8900 से 9000 मूंग मोगर 10700 से10800 बेस्ट 10900 से 11000

आलू, प्याज, लहसून भाव

आलू ज्योति नया 700 से 800 ज्योति राशन आलू 500 से 600 गुल्ला 300 से 400 रुपए प्रति क्विंटल बिका। प्याज नया 1200 से 1300 पुराना 800 से 1000 एवरेज 500 से 700 गोल्टा 300 से 400 प्रति क्विंटल रहे। लहसुन एक्स्ट्रा सुपर 15000 से 18000 देशी 13000 से 14000 एवरेज 12000 से 15000. बारीक 9000 से 10000 रुपए क्विंटल।

उज्जैन भाव

लोकवन गेहूँ- 2462-2946, काबली-5130-8211, बड़ा- 4570-5600, मसूर-5801-7271, सरसो- 7050-7601, सोयाबीन 3536-7381, तुवर- 4250-4250, तिल्ली- 10491-11001, मावा-300 प्रतिकिलो। **सोना-चाँदी-** सोना-स्टेण्र्ड- 1,52,800 रवा- 1,52,500 चांदी- टंच- 2,36,500 पाट- 2,35,500।

उज्जैन किराना

अशोक कुमार भगवानदास

152 फवारा चौक उज्जैन

किराना रेट प्रति किलो, चावल बासमती 75 से 200, तिबार 68 से 130, पोनिया 55 से 85, टुकडी 32 से 65, शेला 36 से 38, परमल 35 से 44, तुवर दाल निमाडी 135 महाराष्ट्र 105 से 120, तुवर दाल 80 से 120, मूंगदाल 85 से 110, मोगर 95 से 120, उड़द मोगर 110 से 120, उडद दाल 95 से 100, मसूरदाल 75 से 78, चना दाल 72 से 80 ।

आमंत्रण

आप भी अपने व्यंग्य, रचनाएं, लेख, प्रतिक्रिया, मालवी भाषा में पठनीय सामग्री आदि ई-मेल कर सकते है।

editor.awantika@gmail.com

धर्म-आस्था

आस्था का सम्मान, लेकिन गलत बातों पर सवाल जरूरी

डॉ सत्यवान सौरभ (दैनिक अवन्तिका)

धर्म मनुष्य के जीवन में केवल पूजा-पद्धति या कर्मकांड का विषय नहीं है। वह उसकी आस्था, संस्कृति, नैतिकता, परंपरा और जीवन-दृष्टि से जुड़ा हुआ विषय है। धार्मिक ग्रंथों ने हजारों वर्षों से समाज को नैतिक मूल्यों, कर्तव्य, करुणा, संयम, सत्य और परोपकार का संदेश दिया है। यही कारण है कि करोड़ों लोग धार्मिक पुस्तकों को श्रद्धा के साथ पढ़ते और अपने जीवन में उनसे प्रेरणा लेते हैं। लेकिन श्रद्धा का अर्थ यह नहीं हो सकता कि किसी भी पुस्तक में लिखी प्रत्येक बात को बिना प्रश्न किए, बिना संदर्भ समझे और बिना तर्क की कसौटी पर परखे स्वीकार कर लिया जाए।

आज सबसे जरूरी प्रश्न यही है कि क्या धार्मिक पुस्तकों में लिखी हर बात को अक्षरशः सत्य मानना चाहिए? यदि किसी कथन में ऐतिहासिक परिस्थिति की छाप है, यदि वह किसी विशेष सामाजिक व्यवस्था को प्रतिबिंबित करता है, यदि उसका अर्थ आज के संदर्भ में अलग हो गया है या यदि किसी कथन की व्याख्या मनुष्य के बीच भेदभाव को बढ़ावा देती है, तो उस पर सवाल उठाना क्या धर्म-विरोध है? निश्चित रूप से नहीं। सवाल करना ज्ञान की पहली सीढ़ी है और स्वस्थ समाज की पहचान भी।

धर्म और आलोचनात्मक चिंतन को एक-दूसरे का विरोधी मानना एक बड़ी भूल है। आस्था व्यक्ति का निजी विश्वास हो सकती है, लेकिन जब किसी धार्मिक विचार की व्याख्या सार्वजनिक जीवन, कानून, शिक्षा, सामाजिक संबंधों या नागरिक अधिकारों को प्रभावित करने लगे, तब उस विचार पर सार्वजनिक विमर्श स्वाभाविक और आवश्यक हो जाता है। लोकतंत्र में किसी विचार को केवल इसलिए आलोचना से मुक्त नहीं किया जा सकता कि वह धार्मिक संदर्भ से आया है। यहाँ एक महत्वपूर्ण अंतर समझना होगा–धर्म की आलोचना और धार्मिक व्यक्ति का अपमान अलग-अलग बातें हैं। किसी धार्मिक पुस्तक के किसी कथन, उसकी व्याख्या या उसके सामाजिक प्रभाव पर प्रश्न उठाना किसी धर्मावलंबी के सम्मान को ठेस पहुँचाने के उद्देश्य से नहीं होना चाहिए। आलोचना विचार की होनी चाहिए, व्यक्ति की नहीं। तर्क का जवाब तर्क से दिया जाना चाहिए, भावनात्मक आक्रोश से नहीं।

हमारे समाज में अक्सर यह प्रवृत्ति दिखाई देती है कि जब किसी धार्मिक ग्रंथ की किसी बात पर प्रश्न उठता है तो चर्चा का केंद्र उस प्रश्न का उत्तर देने के बजाय प्रश्न पूछने वाले की नीयत बन जाती है। उसे धर्म-विरोधी, परंपरा-विरोधी या समाज-विरोधी कह दिया जाता है। इससे संवाद बंद होता है और कट्टरता बढ़ती है। यदि किसी प्रश्न का उत्तर उपलब्ध है तो उसे शांतिपूर्वक सामने रखा जाना चाहिए। यदि किसी कथन की अलग-अलग व्याख्याएँ हैं तो उन पर चर्चा होनी चाहिए। और यदि कोई बात ऐतिहासिक संदर्भ में थी, तो उसके संदर्भ को समझाया जाना चाहिए।

धार्मिक ग्रंथों को उनके समय और परिस्थितियों से काटकर पढ़ना भी समस्या पैदा कर सकता है। हजारों वर्ष पहले का समाज आज के समाज जैसा नहीं था। उस समय की सामाजिक संरचना, शासन व्यवस्था, शिक्षा, विज्ञान, परिवार व्यवस्था और आर्थिक परिस्थितियाँ अलग थीं। इसलिए किसी प्राचीन कथन का अर्थ समझने के लिए उसके मूल संदर्भ, भाषा, प्रतीकों और तत्कालीन सामाजिक परिस्थितियों को समझना आवश्यक है। आधुनिक समय में उसी कथन की शाब्दिक व्याख्या करने से कई बार ऐसी धारणाएँ पैदा हो सकती हैं जो मूल संदर्भ से बिल्कुल अलग हों।

इसीलिए धार्मिक पुस्तकों का अध्ययन केवल श्रद्धा से नहीं, बल्कि ज्ञान, इतिहास, भाषा और दर्शन की दृष्टि से भी होना चाहिए। श्रद्धा मनुष्य को प्रेरणा देती है, जबकि विवेक उसे सही अर्थ समझने में सहायता करता है। दोनों का संतुलन समाज को अधिक परिपक्व बनाता है। सबसे संवेदनशील विषय तब सामने आता है जब किसी धार्मिक कथन की व्याख्या के आधार पर स्त्री-पुरुष असमानता, जातिगत भेदभाव, अस्पृश्यता, हिंसा, सामाजिक बहिष्कार या किसी वर्ग के प्रति घृणा को उचित ठहराने का प्रयास किया जाता है। आधुनिक लोकतांत्रिक समाज की बुनियाद समानता, स्वतंत्रता, गरिमा और न्याय पर है। इसलिए कोई भी व्याख्या यदि मनुष्य की गरिमा को कम करती है तो उस पर प्रश्न उठना स्वाभाविक है।

कार की टक्कर से बाइक सवार युवक घायल

शाजापुर। कार की टक्कर से बाइक सवार युवक घायल हो गया। जानकारी के अनुसार बहादुर सिंह को किसी काम से मोटरसाइकिल पर सवार होकर शाजापुर की ओर जा रहे थे, तभी सतगांव के पास सामने से आ रही एक कार ने उनकी बाइक को टक्कर मार दी। टक्कर इतनी भीषण थी कि बहादुर सिंह सड़क पर गिरकर गंभीर रूप से चोटिल हो गए।

देवास में ट्राले की टक्कर से बाइक सवार की मौत

देवास। भोपाल बायपास पर एक सड़क हादसे में बाइक सवार एक व्यक्ति की मौत हो गई, जबकि उसका साथी गंभीर रूप से घायल हो गया। यह हादसा उस समय हुआ जब दोनों सोनकच्छ के पास इलाज कराकर लौट रहे थे और एक ट्राले ने उनकी बाइक को टक्कर मार दी। पुलिस से मिली जानकारी के अनुसार, उज्जैन जिले के पासलोद निवासी राधेश्याम चौधरी (55) अपने साथी गोपाल प्रजापत (50) के साथ सोनकच्छ के पास बीसा खेड़ी इलाज के लिए गए थे। वहां से वापस लौटते समय भोपाल बायपास पर उनकी बाइक को ट्राले ने टक्कर मार दी, जिससे दोनों ट्राले के नीचे आ गए। हादसे के बाद दोनों घायलों को जिला अस्पताल पहुंचाया गया था।

अटल कॉलोनी में मकान का ताला तोड़कर चोरी

आगर मालवा। अटल कॉलोनी में सुने मकान को निशाना बनाते हुए अज्ञात बदमाश ताला तोड़कर करीब 20 हजार रुपए नकद और सोने-चांदी के जेवरात चोरी कर ले गए। परिवार 20 अगस्त को ग्राम लाड़वन में आयोजित पगड़ी कार्यक्रम में शामिल होने गया था। फरियादी जितेंद्र बेगाना ने पुलिस को बताया कि सुबह करीब 9 बजे पड़ोसी ने फोन कर घर का ताला टूटा होने की सूचना दी। घर पहुंचने पर अंदर सामान बिखरा था।

80 छात्राओं का नि:शुल्क हीमोग्लोबिन परीक्षण किया

आगर मालवा। भारत विकास परिषद शाखा आगर मालवा ने एनीमिया मुक्त अभियान के तहत शासकीय कन्या उच्चतर माध्यमिक विद्यालय में छात्राओं के लिए निःशुल्क हीमोग्लोबिन जांच शिविर लगाया। इसमें करीब 80 छात्राओं की जांच की गई। परिषद अध्यक्ष डॉ. विवेक मालानी ने छात्राओं को एनीमिया के कारण, लक्षण और समय पर जांच के महत्व की जानकारी दी। उन्होंने स्वास्थ्य के प्रति जागरूक रहने की अपील की। कार्यक्रम में विद्यालय की प्राचार्य अभिलाषा श्रीवास्तव सहित स्टाफ मौजूद रहा।

शुजालपुर से इंदौर-भोपाल तक दबिश, इंजेक्शन में स्मैक मिलाकर नशे का आरोप

अवैध रूप से एविल इंजेक्शन बेचने वाले ताहिर पर रासुका का शिकंजा, गिरफ्तार

दैनिक अवन्तिका ▸▸ शुजालपुर

बिना वैध डिग्री और स्वास्थ्य विभाग की अनुमति के क्लिनिक संचालित कर उपचार करने तथा अवैध रूप से एविल इंजेक्शन बेचने के मामले में पुलिस ने ताहिर हुसैन 24 निवासी नुरपुरा, शुजालपुर सिटी को रासुका के तहत गिरफ्तार किया है। पुलिस के अनुसार आरोपी की गतिविधियां लोक व्यवस्था और जनहित के लिए गंभीर खतरा पाई गईं। इसके बाद पुलिस अधीक्षक प्रियंका शुक्ला के प्रतिवेदन पर जिला दंडाधिकारी ने राष्ट्रीय सुरक्षा अधिनियम रासुका के तहत कार्रवाई की।

पुलिस अधीक्षक प्रियंका शुक्ला, अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक घनश्याम मालवीय एवं एसडीओपी शुजालपुर निमेष देशमुख के मार्गदर्शन में थाना प्रभारी शुजालपुर सिटी निरीक्षक इनिम टोप्पो के नेतृत्व में टीम ने शुजालपुर, इंदौर, भोपाल सहित अन्य संभावित स्थानों पर दबिश दी। मुखबिर तंत्र को भी सक्रिय किया गया। लगातार प्रयासों के बाद पुलिस ने 22 अगस्त को ताहिर हुसैन को विधिवत गिरफ्तार कर लिया। कार्रवाई में थाना प्रभारी निरीक्षक इनिम टोप्पो, प्रधान आरक्षक योगेन्द्रसिंह गुर्जर, निहालसिंह छायल, आरक्षक रामेश्वर दांगी, राहुल सौंधिया, रामबाबू सिसौदिया, योगेन्द्रसिंह, सतीश मेवाड़ा, मनीष शर्मा, मनोज यादव, सोहन देथलिया, महिला आरक्षक संध्या राजपूत, रीना राजपूत तथा साइबर सेल के आरक्षक रोहित बिलावलिया, अनिल सक्सेना एवं राजेश दांगी की महत्वपूर्ण भूमिका रही।

इंजेक्शन में स्मैक मिलाकर नशे का आरोप

पुलिस के अनुसार आरोपी अपने साथियों के माध्यम से एविल इंजेक्शन में स्मैक पाउडर मिलाकर युवाओं को नशे की ओर धकेलने की गतिविधियों में संलिप्त था। इससे नशीले पदार्थों के दुष्प्रभाव के साथ गंभीर बीमारियों के संक्रमण का खतरा भी उत्पन्न होने की बात सामने आई। आरोपी के खिलाफ रासुका की कार्रवाई के बाद उसकी गिरफ्तारी के लिए विशेष पुलिस टीम गठित की गई।

अंधत्व मुक्त अभियानरू 157 मरीजों की जांच 30 ऑपरेशन के लिए चयनित

शुजालपुर। अंधत्व मुक्त अभियान के तहत सेवा सदन नेत्र जांच केंद्र शुजालपुर के तत्वावधान में ग्राम हडलाय कला स्थित परमार मैरिज गार्डन में निःशुल्क नेत्र परीक्षण शिविर आयोजित किया गया। शिविर में 157 मरीजों की आंखों की जांच की गई, जिसमें 30 मरीजों को ऑपरेशन के लिए चयनित किया गया। नेत्र रोग विशेषज्ञ डॉक्टर जसवंत यादव एवं नेहा सोनी ने मरीजों की जांच की। ऑपरेशन के लिए चयनित मरीजों को सोमवार को शुजालपुर मंडी से बस द्वारा भोपाल ले जाया जाएगा, जहां उनका निशुल्क ऑपरेशन किया जाएगा। शिविर का आयोजन स्वर्गीय गुलाब सिंह परमार एवं स्वर्गीय गौराबाई परमार की स्मृति में उनके परिवार के सहयोग से किया गया। इसमें हरिनारायण परमार, प्रहलाद सिंह परमार, इंदरसिंह परमार,भोजराज सिंह परमार एवं सरपंच शैलेंद्र परमार का विशेष सहयोग रहा।

सवर्ण समाज का शक्ति प्रदर्शन

आर्थिक आधार पर आरक्षण और एट्रोसिटी एक्ट में संशोधन की मांग

दैनिक अवन्तिका ▸▸ शाजापुर

आरक्षण व्यवस्था को जाति के बजाय आर्थिक आधार पर लागू करने और एससी-एसटी एक्ट के कथित दुरुपयोग की मांग को लेकर को शाजापुर में सवर्ण समाज सड़कों पर उतर आया। समाजजनों ने दोपहर करीब 1 बजे बस स्टैंड से शुरू होकर नई सड़क होते हुए आजाद चौक तक एक विशाल रैली निकाली और अपनी एकजुटता का प्रदर्शन किया। इसके पश्चात प्रदर्शनकारियों ने राष्ट्रपति के नाम शाजापुर एसडीएम मनीषा वास्केल को ज्ञापन सौंपा।

सवर्ण एकता मंच द्वारा सौंपे गए इस ज्ञापन में समाज की कई प्रमुख मांगों को प्रमुखता से उठाया गया। ज्ञापन में मांग की गई कि जातिगत आरक्षण की तुरंत समीक्षा कर इसे केवल आर्थिक स्थिति व वास्तविक जरूरत के आधार पर ही लागू किया जाए। इसके साथ ही, निर्दोषों पर हो रहे कथित अत्याचार को रोकने के लिए एससी-एसटी एक्ट के वर्तमान प्रावधानों की समीक्षा करने और उच्च शिक्षा एवं यूजीसी से जुड़े हालिया नियमों को वापस लेने की मांग की गई, ताकि सभी विद्यार्थियों को समान अवसर मिल सकें।

इसके अलावा सवर्ण समाज के अधिकारों, सम्मान और धार्मिक भावनाओं की रक्षा के लिए जल्द से जल्द 'सवर्ण आयोग' के गठन की बात भी ज्ञापन में शामिल है। प्रदर्शन के दौरान करणी सेना परिवार के प्रदेश संगठन मंत्री अजित सिंह डोडिया ने दिल्ली के जंतर-मंतर पर चल रहे सवर्ण आंदोलन को अपना पूर्ण समर्थन दिया। उन्होंने सरकार को चेतावनी देते हुए कहा कि यदि उनकी मांगें नहीं मानी गईं, तो आगे की आंदोलनकारी रणनीति दिल्ली के साथियों के साथ मिलकर बनाई जाएगी। डोडिया ने स्पष्ट किया कि आगामी चुनावों में सवर्ण समाज केवल उसी राजनीतिक दल का समर्थन करेगा, जो उनके हितों की बात करेगा। रैली के समापन पर आजाद चौक पहुंचे प्रदर्शनकारियों ने अपनी मांगों को लेकर सरकार तक कड़ा संदेश पहुंचाने के लिए क्षेत्रीय मंत्री, विधायक और सांसद के नाम दो मिनट का प्रतीकात्मक मौन भी धारण किया।

शैक्षिक संवाद में कक्षा से जुड़ाव पर हुई सार्थक चर्चा

दैनिक अवन्तिका ▸▸ शुजालपुर

राज्य शिक्षा केंद्र के निर्देशानुसार जन शिक्षा केंद्र बालक नगर शुजालपुर में कक्षा 6 से 8 पढ़ाने वाले टीचर्स का शैक्षिक संवाद कक्षा से जुड़ाव जॉयफुल लर्निंग हेतु एक पहल विषय पर शैक्षिक संवाद का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में जन शिक्षा केंद्र अंतर्गत विभिन्न विद्यालयों से पधारे 17 शिक्षक-शिक्षिकाओं ने सहभागिता की।

कार्यक्रम का शुभारंभ सभी प्रतिभागियों के स्वागत के साथ किया गया। इसके पश्चात मेरी कहानी, विद्यार्थियों की जुबानी गतिविधि के माध्यम से प्रतिभागियों ने अपने अनुभव एवं विचार साझा किए। संवाद के दौरान राज्य शिक्षा केंद्र द्वारा सुझाए गए विभिन्न विषयों पर विद्यालय एवं कक्षा के परिप्रेक्ष्य में विस्तारपूर्वक चर्चा की गई।

कक्षा से जुड़ाव विषय के अंतर्गत बताया गया कि बिना किसी अतिरिक्त व्यय के विभिन्न रचनात्मक एवं सहभागितापूर्ण गतिविधियों के माध्यम से बच्चों को कक्षा से जोड़ा जा सकता है। साथ ही सीखने की प्रक्रिया को आनंददायी एवं प्रभावी बनाने के लिए जॉयफुल लर्निंग की गतिविधियों को कक्षा में लागू करने पर चर्चा की गई।

सत्र के अंत में जगह बदलो गतिविधि करवाई गई, जिसमें सभी प्रतिभागियों ने उत्साहपूर्वक सहभागिता की। इसके पश्चात शैक्षिक संवाद का फीडबैक लिया गया तथा सभी प्रतिभागियों से आरएसके पोर्टल पर पोस्ट वर्क करवाया गया। अंत में संवाद का समेकन करते हुए कार्यक्रम का समापन किया गया।

कार्यक्रम में अवलोकनकर्ता के रूप में रोशन सिंह परमार, बीएसी उपस्थित रहे। कक्षा का संचालन जन शिक्षक गिरीश नाथ एवं सहजकर्ता कृष्णकांत शर्मा द्वारा किया गया। कार्यक्रम के अंत में जन शिक्षक धर्मेंद्र यादव द्वारा सभी के प्रति आभार व्यक्त किया गया। शैक्षिक संवाद ने शिक्षकों को कक्षा में बच्चों की सक्रिय सहभागिता बढ़ाने तथा सीखने की प्रक्रिया को आनंददायी बनाने के लिए नए विचार एवं गतिविधियाँ प्रदान कीं।

शाजापुर में रातभर सड़कों पर उतरी पुलिस अपराधियों में हड़कंप, 139 वारंटी गिरफ्तार

शाजापुर। जिले में अपराधों पर अंकुश लगाने और कानून-व्यवस्था को सुदृढ़ करने के लिए शाजापुर पुलिस ने 22 अगस्त की रात व्यापक कॉम्बिंग गश्त की। पुलिस अधीक्षक प्रियंका शुक्ला के निर्देशन में 300 से अधिक पुलिसकर्मी रातभर मैदान में डटे रहे। वरिष्ठ अधिकारियों की सतत निगरानी में चले इस अभियान से अपराधियों में भारी खौफ नजर आया। अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक घनश्याम मालवीय के मार्गदर्शन में पुलिस टीमों ने सघन दबिश देकर 96 गिरफ्तारी वारंट तामील कराए और 43 स्थायी वारंटियों को गिरफ्तार किया। गश्त के दौरान 72 गुंडा तत्वों, 93 निगरानीशुदा बदमाशों और 12 जिला बदर आरोपियों की चेकिंग कर उनका सत्यापन किया गया। इसके अलावा अवैध शराब पर कार्रवाई करते हुए आबकारी अधिनियम के तहत 3 प्रकरण भी दर्ज किए गए। पुलिस ने बदमाशों को सख्त चेतावनी दी है कि अपराध में संलिप्तता पाए जाने पर उनके खिलाफ कठोर वैधानिक कार्रवाई की जाएगी। एसपी प्रियंका शुक्ला ने स्पष्ट किया कि जिले में शांति व आमजन की सुरक्षा के लिए ऐसे अभियान निरंतर जारी रहेंगे।

अच्छी बारिश की कामना को लेकर निकली भव्य कलश यात्रा, पांडूखरा में जलाभिषेक

शाजापुर। सावन माह के पवित्र अवसर पर शहर में शिव आराधना का उल्लास जारी है। इसी कड़ी में दोपहर हाउसिंग बोर्ड कॉलोनी स्थित मां कालेश्वरी माता मंदिर से रहवासियों द्वारा एक भव्य कलश यात्रा निकाली गई। इस दौरान श्रद्धालुओं ने अंचल में अच्छी बारिश और सुख-समृद्धि की कामना को लेकर महादेव का जलाभिषेक किया। गाजे-बाजे और भगवान शिव के जयकारों के साथ शुरू हुई यह कलश यात्रा शहर के प्रमुख मार्गों से गुजरी। यात्रा हाउसिंग बोर्ड कॉलोनी से प्रारंभ होकर शनि मंदिर और कलेक्ट्रेट कार्यालय होते हुए पांडूखरा पहुंची। कलश यात्रा के दौरान महिलाएं सिर पर मंगल कलश धारण किए हुए चल रही थीं, वहीं पूरे मार्ग में श्रद्धालु भक्तिभाव से झूमते नजर आए।

अकोदिया चौराहे पर बसें रुकने से रोज लगता है जाम

अकोदिया। अकोदिया में करोड़ों रुपए की लागत से बनकर तैयार हुआ बस स्टैंड यात्रियों के लिए फोटो बूथ बनकर रह गया है। यात्री बसें बस स्टैंड पर न रुककर चौराहे पर रुकती हैं। जिससे आए दिन जाम की स्थिति बनती है। बस न रुकने की वजह से सर्वसुविधा युक्त बस स्टैंड का यात्री लाभ नहीं उठा पा रहे। वहीं बस स्टैंड परिसर में निजी वाहनों का जमावड़ा, खुला नाला यात्रियों के लिए परेशानी का सबब बना हुआ है। मामले को लेकर सीएमओ ने बताया कि पुलिस विभाग से चर्चा कर समस्या का समाधान निकालेंगे।

शाजापुर में 11 केवी लाइन का तार गिरा, बाइक सवार दंपत्ती घायल, पत्नी की हालत गंभीर

दैनिक अवन्तिका ▸▸ शाजापुर

फोरलेन हाईवे निर्माण के तहत चल रहे विकास कार्यों के बीच सुरक्षा में एक बड़ी चूक सामने आई। लालघाटी थाना क्षेत्र में होंडा शोरूम के पास बिजली लाइन शिफ्टिंग के दौरान 11 केवी का एक भारी-भरकम तार अचानक सड़क पर गिर गया। इसकी चपेट में आने से बाइक पर सवार एक दंपती घायल हो गए, जिनमें पत्नी को गंभीर चोटें आई हैं। घटना के बाद मुख्य मार्ग पर अफरा-तफरी मच गई और स्थानीय लोगों की मदद से घायलों को तुरंत अस्पताल पहुंचाया गया।

जानकारी के अनुसार, ग्राम उमरियाताज निवासी कैलाश अपनी पत्नी कलाबाई के साथ मोटर साइकिल से शाजापुर जा रहे थे। कलाबाई अपने मायके में माता-पिता और भाई-बहनों से मिलने जा रही थीं। रविवार दोपहर करीब 12 बजे जब वे होंडा शोरूम के पास से गुजर रहे थे, तभी यह हादसा हो गया। अचानक गिरे तार की चपेट में आने से कलाबाई गंभीर रूप से घायल हो गईं, जबकि कैलाश को मामूली चोटें आई हैं।

विद्युत विभाग ने घटना की जानकारी देते हुए बताया कि फोरलेन हाईवे निर्माण के कारण लालघाटी उपकेंद्र से निकलने वाले 11 केवी दुपाड़ा फीडर, 11 केवी इमरजेंसी और 11 केवी शाजापुर प्रथम फीडर की लाइन शिफ्टिंग का कार्य प्रगति पर था। सड़क के ऊपर से गुजर रहे तारों को काटने के दौरान ही एक तार अनियंत्रित होकर नीचे आ गिरा और यह हादसा हो गया।

अकोदिया से चित्रकूट धाम तक निकली भव्य कावड़ यात्रा

अकोदिया। संजय कॉलोनी से ग्राम रानी बड़ौद स्थित चित्रकूट धाम तक कावड़ यात्रा निकाली गई। इसमें बड़ी संख्या में श्रद्धालु शामिल हुए। टप्पा चौराहे पर खाटू श्याम सेना ट्रस्ट के जिला अध्यक्ष एवं वरिष्ठ सेवानिवृत्त शिक्षक सुशील कुमार गेहलोत ने यात्रियों का स्वागत किया। ग्राम रानी बड़ौद में पार्षद विजय कुशवाह ने स्वल्पाहार कराकर स्वागत किया यात्रा में महिलाओं की संख्या भी काफी रही। इस अवसर पर जनपद पंचायत उपाध्यक्ष गोविंद मंडलोई, पूर्व नगर परिषद अध्यक्ष रामनारायण कुशवाह मौजूद रहे।

जाहिर सूचना

सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि ग्राम मुण्डला सोंधिया प.ह.न. 17, तहसील झारडा में मेरे पक्षकार क्रेता राधेश्यामजी पिता दयारामजी निवासी ग्राम ढाबलागोरी तहसील घट्टिया जिला उज्जैन म.प्र. के द्वारा विक्रेतागण पर्वतसिंह पिता बापूसिंह जाति सौंधिया राजपुत निवासी मुण्डला सोंधिया तहसील झारडा जिला उज्जैन व गोविन्दसिंह पिता पर्वतसिंह जाति सोंधिया निवासी मुण्डला सोंधिया तहसील झारडा जिला उज्जैन के एकमात्र स्वामित्व एवं प्रत्यक्ष आधिपत्य की कृषि भूमि ग्राम मुण्डला सोंधिया प.ह.न. 17. तहसील झारडा में स्थित कृषि भूमि सर्वे क्रमांक 1420/1/1/1/2/1, रकबा 0.10, हेक्टर, व सर्वे क्रमांक 1420/1/1/1/1 रकबा 0.25 हेक्टर कुल किता 02 कुल रकबा 0.35 हेक्टर की कृषि भूमि को मेरे पक्षकार के द्वारा मय तलिये हवाई हक सहित क्रय करने का सौदा किया गया था जिसकी रजिस्ट्री पंजीयन करवाया जाना है इस जाहिर सूचना प्रकाशन के द्वारा सर्व साधारण को सुचित किया जाता है कि उपरोक्त कृषि भूमि के विक्रय बाबत किसी व्यक्ति, संस्था, बैंक या किसी विभाग को किसी प्रकार की कोई आपत्ती हो या उक्त संपत्ति पर किसी प्रकार का ऋण भार टेक्स मेंटेनेंस लोन के.सी.सी बकाया हो या उक्त संपत्ति पर कोई भी व्यक्ति किसी भी प्रकार का स्वत्व हित या अधिकार रखता हो तो इससे संबंधित व्यक्ति संस्था विभाग बैंक आदि इस सुचना प्रकाशन के 7 दिवस की अवधि में अपनी आपत्ति मय लिखीत प्रमाण के मेरे समक्ष मेरे कार्यालय में प्रस्तुत करे। अवधि समाप्त होने के पश्चात मेरे पक्षकार के द्वारा विधीवत उपरोक्त वर्णित कृषि भूमि के विक्रय पत्र का पंजीयन अपने हित में करवा लिया जावेगा जिसके पश्चात किसी प्रकार की कोई भी आपत्ति मान्य नही होगी।

दिनांक 24/08/2026

एडव्होकेट आबिद सांखला
पता- ऑफिस तहसील
परिसर के सामने महिदपुर
मो. 9926060115

जाहिर सूचना

सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि ग्राम रामनगर तहसील महिदपुर जिला उज्जैन में कृषि भूमि सर्वे क्रमांक 64/2, 154/1 रकबा क्रमशः 0.47, 0.73 हेक्टर कुल किता 02 कुल रकबा 1.20 हेक्टर की कृषि भूमि विक्रेता कमलसिंह पिता सरदारसिंह जाति राजपूत निवासीग्राम रामनगर तहसील महिदपुर जिला उज्जैन के स्वामित्व स्वत्व एवं प्रत्यक्ष आधिपत्य की स्थित है। मेरे पक्षकार ने उक्त भूमिस्वामी से उक्त कृषि भूमियों को क्रय करने का सौदा किया गया होकर बयाना राशि अदा कर सौदा चिटठी निष्पादित करवा ली है तथा शेष विक्रय मूल्य राशि अदा कर विक्रय पत्र का पंजीयन कराना ही शेष है। यदि उक्त कृषि भूमियों में कोई भी व्यक्ति, संस्था आदि कोई अपना हित व हिस्सा रखता हो या उक्त कृषि भूमियों पर किसी भी राष्ट्रीयकृत बैंक अथवा सरकारी, साहुकारी या किसी विभाग या वित्तिय संस्था अथवा सोसायटी का कोई ऋण भार हो तो ऐसे संबंधित विभाग/व्यक्ति इस जाहिर सूचना प्रकाशन से 07 दिवस के भीतर मेरे कार्यालय में आकर प्रमाण सहित आपत्ति प्रस्तुत करे, ताकि उसका निराकरण किया जा सके। अन्यथा बाद अवधि मेरे पक्षकार उपरोक्त वर्णित कृषि भूमियों की बकाया विक्रय मूल्य राशि अदा कर उक्त भूमि का रजिस्टर्ड विक्रय पत्र का पंजीयन करवा लेगें तथा कोई आपत्ति मान्य नहीं होगी। सूचित हो। इति दिनांकः-24-08-2026

श्यामसिंह पंवार एडव्होकेट न्यायालय परिसर महिदपुर जिला उज्जैन
मो. नं. 9755394479

जाहिर सूचना

सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि ग्राम रामनगर तहसील महिदपुर जिला उज्जैन में कृषि भूमि सर्वे क्रमांक 53, 54, 61/2, 61/3, 62/3, 138, 139, रकबा कमशः 0.93, 0.29, 0.65, 0.50, 0.63, 0.34, 0.30 हेक्टर कुल किता 07 कुल रकबा 3.64 हेक्टर की कृषि भूमि विक्रेता दीपेश कुमार पिता पुरुषोत्तम जोशी निवासी महिदपुर जिला उज्जैन के स्वामित्व स्वत्व एवं प्रत्यक्ष आधिपत्य की स्थित है। मेरे पक्षकार ने उक्त भूमिस्वामी से उक्त कृषि भूमियों को क्रय करने का सौदा किया गया होकर बयाना राशि अदा कर सौदा चिट्ठी निष्पादित करवा ली है तथा शेष विक्रय मूल्य राशि अदा कर विकय पत्र का पंजीयन कराना ही शेष है। यदि उक्त कृषि भूमियों में कोई भी व्यक्ति, संस्था आदि कोई अपना हित व हिस्सा रखता हो या उक्त कृषि भूमियों पर किसी भी राष्ट्रीयकृत बैंक अथवा सरकारी, साहुकारी या किसी विभाग या वित्तिय संस्था अथवा सोसायटी का कोई ऋण भार हो तो ऐसे संबंधित विभाग / व्यक्ति इस जाहिर सूचना प्रकाशन से 07 दिवस के भीतर मेरे कार्यालय में आकर प्रमाण सहित आपत्ति प्रस्तुत करे, ताकि उसका निराकरण किया जा सके। अन्यथा बाद अवधि मेरे पक्षकार उपरोक्त वर्णित कृषि भूमियों की बकाया विकय मूल्य राशि अदा कर उक्त भूमि का रजिस्टर्ड विक्रय पत्र का पंजीयन करवा लेगे तथा कोई आपत्ति मान्य नहीं होगी। सूचित हो। इतिदिनांकः-24-08-2026

श्यामसिंह पवार एडव्होकेट न्यायालय परिसर महिदपुर जिला उज्जैन
मो. नं. 9755394479

जाहिर सूचना

सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि, मेरे पक्षकार, हिमांशु अग्निहोत्री पिता स्व.श्री अम्बिका प्रसाद निवासी- बाफना पार्क कॉलोनी, सेंटपाल स्कूल के पास आगर रोड़, उज्जैन के द्वारा दिनांक 21/08/2026 को अपनी बैंक स्टेट बैंक आफ इंडिया देवास रोड उज्जैन से लॉकर ऑपरेट कर अपनी बाईक नम्बर M.P. 13 MA 2270 से अपने घर जा रहे थे, तो रास्ते में सफेद थेली कपडे की मिडियम साईज के छोटे बेग में, जिसमें महत्वपूर्ण दस्तावेज - आधार कार्ड, वोटर आईडी, बैंक की पासबुक, बैंक चेक बुक तथा अन्य कीमती वस्तुएं भी रखी थी। जो रास्ते में कही गुम हो गया है, जो उनके द्वारा काफी तलाश किये जाने पर नही मिला है, इस बेग के गुम होने की सूचना थाना चिमनगंज मण्डी पर दिनांक 21/08/2026 को दी गई है।

उक्त बेग जिस व्यक्ति के द्वारा प्राप्त किया जाता है वह तत्काल थाना चिमनगंज मण्डी में जमा करा देवे तथा बेग में रखी किसी भी दस्तावेज व कीमती वस्तु का कोई भी दुरूपयोग नहीं करे अन्यथा उसके विरूद्ध कार्यवाही की जावेगी।

अमित कुमार गोयल एडवोकेट एवं नोटरी
(मोबाईल नं. 9826019986)
कार्या.-24, लॉ चेम्बर, रावल मार्केट,
टॉवर चौक फ्रीगंज उज्जैन (म.प्र.)

जाहिर सूचना

मेरे प्रक्षकार ने सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि, मेरे पक्षकार के द्वारा ग्राम भीतरी 2, मंगलनाथ रोड़, तहसील उज्जैन नगर, जिला उज्जैन (म.प्र.) स्थित सर्वे नं. 322/1 एवं 322/3 में से कुल रकबा 0.300 हैक्टेयर भूमि को क्रय करने का सौदा किया गया है। उक्त भूमि श्रीमती अर्वातिका पति श्री विजयेन्द्र घाटगे के नाम पर है। पूर्व में उक्त भूमि का सौदा आदि गौड़ ब्राह्मण समाज सेवा संस्थान समिति ने उक्त भूमि का सौदा किया गया था जो निरस्त हो गया है तथा वर्तमान में अन्य कोई सौदा उक्त भूमि के संबंध में नहीं है। उपरोक्त भूमि के संबंध में किसी व्यक्ति अथवा संस्था आदि का कोई स्वत्व हित या अधिकार हो अथवा किसी व्यक्ति अथवा वित्तीय संस्था, बैंक किसी विभाग या किसी ऋण दात्री संस्था को कोई आपत्ति हो तो वे दिवस के अंदर मेरे कार्यालय में विधिक आपत्ति के मय दस्तावेजो के संपर्क करें, अन्यथा बाद मियाद किसी को भी उक्त सम्पत्ति पर किसी भी प्रकार की उज्रदारी करनें या क्रय विक्रय के संबंध में आपत्ति करनें का कोई अधिकार प्राप्त नहीं रहेगा।

दिनांक :-24.08.2026

विवेक गुप्ता एडवोकेटर
11/1, घटकरपर मार्ग फ्रीगंज, उज्जैन (म.प्र.)
मोबाईल नंबर-9827228461

न्यायालय तहसीलदार तहसील तराना जिला उज्जैन (म.प्र.)

क्रमांक/रीडर/2026-27/1241 **तराना, दिनांक-21-8-26**

प्रारुप ग्यारह
(नियम 9 देखिए)

(स्थावर सम्पत्ति के विक्रय की उद्घोषणा)

(म.प्र. भू-राजस्व संहिता 1959 की धारा 147 (1) (ग) के अधीन)
अपर श्रम आयुक्त एवं उपकर निर्धारण अधिकारी मध्यप्रदेश इंदौर म.प्र.शासन---- प्रार्थी
बनाम
आईनोक्स विंड इन्फ्रास्ट्रक्चर सर्विसेस लिमिटेड ऑफिस विद्युत गिरिट ग्राम सनकोटा ए.बी. रोड तहसील तराना जिला उज्जैन ------प्रतिप्रार्थी

पत्र क्योंकि नीचे विनिर्दिष्ट अचल संपत्ति को अपर श्रम आयुक्त एवं उपकर निर्धारण अधिकारी मध्यप्रदेश इंदौर के क्रमांक/51/उप.नि./अ.श्र.आ./पी.के.डी./2019/25441 इन्दौर दिनांक 10.10.2.25 व श्रीमान कलेक्टर महोदय के पत्र क्रमांक /757/रा.मो./ 2026 उज्जैन दिनांक 29.01.2026 अनुसार रु. 9,65,02,990/- अक्षरी नौ करोड़ पैसठ लाख दो हजार नौ सौ नब्बे रु. मात्र तथा विलम्ब हेतु 2 प्रतिशत प्रतिमाह की दर से राशि वसूली की दिनांक तक निर्धारित ब्याज के देय शास्ति, ब्याज और कार्यवाहियों के खर्चों के लेखे वसूली के लिए कुर्क किया गया हैं।

एतद् द्वारा उदघोषणा की जाती है कि यदि इसमें विक्रय के लिए नियत दिनांक के पुर्व उपरोक्त संपूर्ण राशि का भुगतान नहीं कर दिया जाता है तो का विक्रय न्यायालय तहसीलदार तहसील तराना स्थान पर दिनांक 22/09/2026 को 11.00 बजे या उस समय के लगभग सार्वजनिक नीलाम द्वारा कर दिया जाएगा।

(सम्पत्ति के ब्योरे)

गांव	खाता अंक	बकाया की राशि	आदेशिका शुल्क	शास्ति	कुल देय राशि
1	2	3	4	5	
यशवतनगर	सर्वे नंबर 116/523/1, 116/523/2 कुल किता 02 कुल रकबा 6.07 हे.	9,65,02,990/- तथा विलम्ब हेतु 2 प्रतिशत प्रतिमाह की दर से राशि	100/-	-	9,65,03,090/- तथा दिनांक 11.08.2025 से विलम्ब हेतु 2 प्रतिशत प्रतिमाह की दर से राशि

नियम व शर्तें:-

1. ऊपर वर्णित समस्त संपत्तियों का विक्रय, जहा है/जैसी है/ और जो है, के आधार पर मध्यप्रदेश भू-राजस्व संहिता 1959 की धारा 147 (ख) के अधीन की जाएगी।
2. तहसीलदार तराना बिना कारण दशार्ये विक्रय निरस्त करने अथवा किसी भी निलामी बोली को स्वीकार/अस्वीकार करने या आगे बढाने का अधिकार सुरक्षित रखते है।
3. बोलीदार को बोली लगाने के पूर्व बयाना राशि रु 10,000/- नगद/चैक/पे-आर्डर/बैंक ड्राफ्ट जमा करवाना अनिवार्य होगा।
4. उच्चतम बोलीकर्ता को बोली की रकम का 25% अद्योहस्ताक्षरकर्ता को तुरंत नगद/चेक/पे-आर्डर/बैंक ड्राफ्ट जमा करना होगा एवं शेष 75% राशि का भुगतान 15 दिवस के अंदर करना होगा अन्यथा समस्त राशि जप्त कर ली जावेगी।
5. खरीदी गई संपत्ति की स्टाम्प ड्यूटी एवं समस्त बकाया कर का भुगतान क्रेता द्वारा देय होगा।
6. उपरोक्त वर्णित संपत्ति के निरीक्षण व अन्य शर्ते अधिक जानकारी हेतु अद्योहस्ताक्षकर्ता से कार्य दिवस में कार्यलयीन समय पर संपर्क किया जा सकता है।

तहसीलदार
तहसील तराना, जिला उज्जैन

धन्यवाद लिखा पोस्टकार्ड सांसद फिरोजिया को सौंपा

बड़नगर। प्रति रविवार तड़के 4 बजे रामेश्वरम तीर्थ स्थल की ओर जाने वाली ₹हमसफर साप्ताहिक ट्रेन बड़नगर से गुजरती है, लेकिन ठहरती नहीं, उसको बड़नगर में ठहराव देने और उज्जैन फतेहाबाद बड़नगर रतलाम खाचरोद नागदा उज्जैन सर्किल मेमू ट्रेन चलाने की मांग को केंद्रीय रेल मंत्री अश्विनकुमार के समक्ष क्षेत्रीय सांसद अनिलकुमार फिरोजिया द्वारा प्रस्तुत करने से प्रसन्न होकर रेल उपभोक्ता संघ बड़नगर के प्रतिनिधि मंडल में शामिल राजकुमार जैन, दिलीप पंचाक्षरी, राजेश राणा, सुरेशचंद्र माहेश्वरी , राकेश सरनोत, अनिल शर्मा, डॉ. डीके विश्वास, मुस्तफा सैफी , मनीष, उदय अग्निहोत्री, दिनेश शर्मा ऊंटवास , सुभाष गुप्ते , मोड़ीराम कुमावत, प्रवीण भारती, पवन वर्मा, ओम गेहलोत, अतुल लाठी ने बड़नगर विधायक जितेंद्र सिंह पंड्या की उपस्थिति में बड़नगर प्रवास पर पधारे सांसद जी को बस किराये में हुई अनाप-शनाप बढ़ोतरी के दृष्टिगत जनहितकारी रेल सुविधा संबंधी मांग के ऐवज में धन्यवाद लिखा पोस्टकार्ड सौंपा।

जनसमस्याओं को लेकर दिग्विजय सिंह से मिला कांग्रेस का प्रतिनिधिमंडल

सारंगपुर। सारंगपुर की क्षेत्रीय जनसमस्याओं के त्वरित समाधान की मांग को लेकर कांग्रेस के प्रतिनिधिमंडल ने पूर्व मुख्यमंत्री और वरिष्ठ कांग्रेस नेता दिग्विजय सिंह से वरिष्ठ कांग्रेस नेता प्रदीप जैन के नेतृत्व में मुलाकात की। इस दौरान क्षेत्र में लगातार गहराते संकटों और आम जनता को हो रही परेशानियों से उन्हें अवगत कराया गया। प्रतिनिधिमंडल में जिला कांग्रेस कमेटी के सचिव कमल सिंह राणा के साथ दीपक कुमार प्रजापति और दिनेश पुरी मुख्य रूप से मौजूद रहे। इस दौरान प्रतिनिधि मंडल ने बताया कि सारंगपुर क्षेत्र में लगातार हो रही बिजली कटौती से ग्रामीण और शहरी जनता बेहाल है। इससे घरेलू कामकाज के साथ-साथ व्यापार भी प्रभावित हो रहा है। किसानों को प्राकृतिक आपदा और मौसम की मार से हुए नुकसान का अब तक उचित मुआवजा नहीं मिला है।

गोस्वामी समाज मंडल ने मनाई तुलसीदास जयंती

बड़नगर। श्री दशनाम गोस्वामी समाज मंडल बड़नगर ने रामचरित मानस के रचयिता गोस्वामी तुलसीदास की जयंती पूजा अर्चना व आरती कर भगवती माता परिसर में धूमधाम से मनाई। इस अवसर पर देवपुरी गोस्वामी बताया कि गोस्वामी तुलसीदास ने रामचरितमानस के माध्यम से प्रभु श्री राम के आदर्शों, मर्यादा, धर्म और लोग मंगल का संदेश दिया। गोस्वामी बंधुओं ने भी संत तुलसीदास के बताएं मार्ग पर चलने का संकल्प लिया। समाज के महंत जितेन्द्र भारती, किशोर गिरी, पवन भारती, भेरू गिरी, आशुतोष भारती आदि उपस्थित थे।

समता प्राप्ति हेतु सामायिक करना जरूरी है- श्रीजी

महिदपुर। महिदपुर नगर में श्री वृहद तपोगच्छीय त्रिस्तुतिक श्री संघ में चातुर्मास हेतु विराजित पपू सा.श्री तत्वलता श्रीजी मसा आदि ठाणा 4 की पावनकारी मंगल निश्रा में श्री जैन श्वेताम्बर मूर्तिपूजक तपागच्छ श्री संघ के तत्वावधान में श्री शांतिनाथ सामायिक मंडल द्वारा आयोजित सामूहिक सामायिक आराधना में महिदपुर सकल जैन संघ के लगभग चार सौ (400) आराधकों द्वारा यह आराधना की गई। उक्त आयोजन में सर्वप्रथम उपस्थित सभी आराधकों को सुश्रावक धरमचंद आंचलिया ने सामायिक की क्रिया एवं साध्वीवर्या ने सभी को एकसाथ, एक समय पर करेमी भंते ऊचराया। तत्पश्चात अपने प्रवचन में साध्वीजी ने बताया कि शांति प्राप्त करने हेतु सामायिक करने का शास्त्रों में मार्ग बताया है।

जरूरतमंदों के साथ त्योहार की खुशियां बांटने की अनूठा सिलसिला

रक्षाबंधन के पूर्व खुशियों के ओटले में 130 महिलाओं को बांटी साड़ियाँ, बच्चों को भी वितरित किए कपड़े

दैनिक अवन्तिका ▸▸ ब्यावरा।

रक्षाबंधन के पावन पर्व के पूर्व रविवार को ब्यावरा में जनसहयोग से संचालित सामाजिक संस्था खुशियों का ओटला पर 130 महिलाओं को नई साड़ियों का वितरण किया गया। इस दौरान बच्चों को भी नए कपड़े बांटे गए। संस्था द्वारा हर वर्ष की तरह इस वर्ष भी रक्षा बंधन के अवसर पर जरूरतमंद महिलाओं के साथ त्योहार की खुशियां साझा की गईं।

संस्था के संचालक डॉ. सुरजीत सिंह ने बताया कि संस्था द्वारा वर्षभर विभिन्न त्योहारों और विशेष अवसरों पर जरूरतमंद परिवारों को नए कपड़े एवं अन्य आवश्यक सामग्री उपलब्ध कराई जाती है। चाहे करवा चौथ हो, दीपावली हो या अन्य कोई पर्व, संस्था का प्रयास रहता है कि जरूरतमंद परिवार भी त्योहार को खुशी और सम्मान के साथ मना सकें। उन्होंने बताया संस्था द्वारा 200 महिलाओं को नई साड़ियां वितरित करने की व्यवस्था की गई है, जिनमें से 130 महिलाओं को साड़ियां वितरित की गईं। शेष साड़ियों का वितरण भी शीघ्र ही रक्षा बंधन से पूर्व किया जाएगा।

शहर में आयोजित विभिन्न कार्यक्रमों में बचने वाले भोजन को भी संस्था द्वारा एकत्रित कर जरूरतमंद लोगों तक पहुंचाया जाता है, ताकि भोजन की बर्बादी को रोका जा सके और जरूरतमंदों को भोजन उपलब्ध हो सके।

डॉ. सिंह ने कहा कि मानव सेवा ही सबसे बड़ा धर्म है। संस्था *गुरु नानक देव जी के तीन मूल संदेशों नाम जपना, कीरत करना और वंड छकना को अपने सेवा कार्यों का आधार मानकर जरूरतमंदों के साथ खुशियां बांटने का प्रयास करती है।

सेवा कार्यों में भी अग्रणी है संस्था

खुशियों का ओटला केवल त्योहारों पर सामग्री वितरण तक सीमित नहीं है, बल्कि जरूरतमंदों की सेवा के लिए वर्षभर विभिन्न गतिविधियां संचालित करता है। संस्था द्वारा बच्चों को निःशुल्क शिक्षा एवं कोचिंग, कंप्यूटर शिक्षा और आत्मरक्षा के लिए मार्शल आर्ट प्रशिक्षण दिया जाता है। इसके साथ ही प्रतिदिन रात में जरूरतमंद लोगों को भोजन उपलब्ध कराने का कार्य भी किया जाता है।

आदिनाथ कॉलोनी शंखेश्वर धाम जिनालय में हुआ वार्षिक ध्वजारोहण

ध्वजा का लहराना सुख, समृद्धि, शांति का प्रतीक : सुधासना श्रीजी मसा

दैनिक अवन्तिका ▸▸ बड़नगर

जवाहर मार्ग स्थित आदिनाथ कॉलोनी शंखेश्वर पारसनाथ जिनालय में वार्षिक ध्वजारोहण धूमधाम और उत्साह उमंग के साथ संपन्न हुआ। इस अवसर पर प्रातः बेला में स्नात्र पूजन का आयोजन हुआ जिसमें धर्मालुजनों द्वारा प्रभु अभिषेक किया गया। पश्चात विधिकारक द्वारा सत्तर भेदी पूजन पढ़ाई गई।

इस अवसर पर परम पूज्य साध्वीजी सुधासना श्रीजी, मुदिता श्रीजी मसा. की मंगल अगवानी राजेंद्र, मुकेश, संगीता, हर्षित, हर्ष, ऋषभ दंगवाड़ा, राजेश गोलेचा एवं सचित नाहटा सहित सकल श्री संघ द्वारा की गई। ध्वजा को सिर पर धारण कर जिनालाय परिसर में प्रवेश कराया प्रभु के समक्ष ध्वजा को रखकर सभी को दर्शन करा कर शिखर पर ध्वजारोहण मंत्रोच्चार एवं विधि विधान से शुभ मुहूर्त में ध्वजा लहराई गई ओम पुण्या हाम ओम प्रीहंताम के जयकारों के साथ सकल श्री संघ की उपस्थिति में ध्वजारोहण संपन्न हुआ। इस अवसर पर श्री राजेंद्र जैन मूर्ति पूजक ट्रस्ट सहित समाजजन महानुभाव भारी संख्या में उपस्थित थे। पूज्य साध्वी सुधासना श्री जी महाराज साहब ने धर्म सभा को संबोधित करते हुए कहा कि जिधर जिधर ध्वजा लहराती है उधर उधर लीला लहर होती है ध्वजा का लहराना सुख समृद्धि एवं वैभव का प्रतीक है। साध्वी जी महाराज साहब ने आगे कहा कि हमें हमेशा शासन प्रभावना सेवा एवं परोपकार के कार्य करते रहना चाहिए इस अवसर पर विधिकारक आशीष जैन जावरा थे । वही शशि सिसोदिया जावरा ने अपने मधुर वाणी से भक्ति गीतों के माध्यम से कार्यक्रम में समा बाँधा।

ग्राम बटावदा से निकली भव्य कावड़ यात्रा, शिवभक्ति में डूबे सैकड़ों श्रद्धालु

दैनिक अवन्तिका ▸▸ जीरापुर

प्रतिवर्ष की परंपरा के अनुसार ग्राम बटावदा के ग्रामीणों द्वारा सोमवार को भव्य कावड़ यात्रा निकाली गई। कावड़ियों ने नजदीकी ग्राम बटावदा से कावड़ में पवित्र जल भरकर लगभग 2 किलोमीटर की पदयात्रा करते हुए जीरापुर जनपद पंचायत परिसर स्थित महादेव मंदिर पहुंचकर भगवान शिव का जलाभिषेक किया।

कई वर्षों से चली आ रही इस धार्मिक परंपरा में इस वर्ष भी बड़ी संख्या में ग्रामीणों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। यात्रा में महिलाएं, पुरुष और बच्चे बड़ी संख्या में शामिल रहे। पूरे रास्ते श्रद्धालु डीजे पर बज रहे भगवान शिव के भजनों पर झूमते हुए आगे बढ़ते रहे और बम भोले, हर-हर महादेव के जयकारों से वातावरण शिवमय हो गया। कावड़ यात्रा के दौरान श्रद्धालुओं में विशेष उत्साह और भक्ति का माहौल देखने को मिला। कावड़ियों ने मंदिर पहुंचकर विधि-विधान से भगवान महादेव का जलाभिषेक किया तथा क्षेत्र की सुख-समृद्धि और खुशहाली की कामना की।

रक्षा सूत्र बना समरसता और स्नेह का प्रतीक, बड़नगर में हुआ भव्य आयोजन

दैनिक अवन्तिका ▸▸ बड़नगर

समरसता और भाई-बहन के अटूट प्रेम के प्रतीक रक्षाबंधन पर्व के उपलक्ष्य में स्थानीय वाटिका में भव्य स्नेहसूत्र - बहनों के साथ कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का आयोजन वार्ड पार्षद यादवेंद्र कृष्णचंद यादव द्वारा किया गया।

कार्यक्रम का शुभारंभ कन्याओं के पूजन एवं भारत माता के चित्र पर माल्यार्पण के साथ हुआ। आयोजन में नगर की बड़ी संख्या में मातृशक्ति एवं बहनों ने उत्साहपूर्वक सहभागिता की। कार्यक्रम के दौरान बहनों ने पार्षद यादवेंद्र यादव को रक्षा-सूत्र बांधकर अपना स्नेह और आशीर्वाद प्रदान किया। इस अवसर पर पार्षद यादव ने सभी बहनों का आत्मीय अभिनंदन किया और उनके सम्मान, सुरक्षा तथा सुख-दुख में सदैव साथ खड़े रहने का संकल्प व्यक्त किया। उन्होंने कहा कि रक्षा सूत्र केवल एक धागा नहीं, बल्कि समरसता, सुरक्षा और विश्वास का बंधन है। कार्यक्रम में पं. रितेश शर्मा एवं शुभम रैना म्यूजिकल ग्रुप द्वारा मनमोहक भजनों और गीतों की प्रस्तुति दी गई, जिस पर बहनों ने आनंदपूर्वक सहभागिता की। संस्था सारथी के सहयोग से आयोजित इस कार्यक्रम में आत्मीयता, उल्लास और भाई-बहन के पवित्र रिश्ते का भावपूर्ण वातावरण बना रहा।

छात्र के साथ मारपीट करने वाले आरोपियों पर कार्यवाही

स्कूल में होने वाले छात्र संघ चुनाव को लेकर छात्र के साथ हुई मारपीट

दैनिक अवन्तिका ▸▸ ब्यावरा।

राजगढ़ जिले में असामाजिक तत्वों द्वारा स्कूल, अस्पताल एवं अन्य सार्वजनिक स्थलों पर लड़ाई झगड़ा मारपीट कर शांति व्यवस्था भंग करने संबंधित अपराधों पर अंकुश लगाने हेतु पुलिस अधीक्षक ने निर्देश दिए। इसी तारतम्य में थाना कोतवाली पुलिस ने कार्यवाही करते हुए संबंधित अपराध के दो आरोपियों को पुलिस अभिरक्षा में लेकर कार्यवाही की।

फरियादी मनोज पिता पवन प्रजापति 18 साल ग्राम पिपलोदी कालीपीठ हाल बाराद्वारी राजगढ उत्कृष्ट स्कूल में कक्षा 12वीं मे पढता है। जब वह पानी की टंकी के पास ग्राऊण्ड में बैठा था तभी अर्जुन पिता सागर गुर्जर उसके एक साथी के साथ आया और स्कूली चुनाव में उसके भाई को वोट नहीं देने को लेकर डंडो से फरियादी के साथ मारपीट की, गाली गलौच व जान से मारने की धमकी दी। थाना कोतवाली राजगढ़ में अपराध प्रकरण पंजीबद्ध कर विवेचना प्रारंभ की। मामले की गंभीरता को देखते हुए थाना प्रभारी निरीक्षक श्रीमती मंजू मखेनिया के नेतृत्व में विशेष टीम गठित की। पुलिस टीम ने कार्रवाई करते हुए आरोपी अर्जुन पिता सागर गुर्जर 21 साल ग्राम पिपलोदी राजगढ़ और अनुज पिता पर्वतसिंह सेन 21 वर्ष ग्राम बगा राजगढ़ को गिरफ्तार कर नोटिस तामिल कराया व आवश्यक प्रतिबंधात्मक कार्यवाही कर बाउंड ओवर की कार्यवाही की गई।

बड़ौद पुलिस की नशे के कारोबार पर बड़ी कार्रवाई

94.70 ग्राम एमडी ड्रग्स के साथ 2 आरोपी गिरफ्तार, 10.55 लाख का मशरूका जप्त

दैनिक अवन्तिका ▸▸ बडौद

पुलिस अधीक्षक दिलीप कुमार सोनी के निर्देशन में जिले में अवैध मादक पदार्थों की तस्करी एवं बिक्री के विरुद्ध चलाए जा रहे अभियान के तहत अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक रविन्द्र कुमार बोयट के मार्गदर्शन, एसडीओपी आगर मोतीलाल कुशवाह के पर्यवेक्षण एवं थाना प्रभारी बड़ौद निरीक्षक रूपसिंह बैस के नेतृत्व में थाना बड़ौद पुलिस टीम द्वारा प्रभावी कार्रवाई करते हुए 94.70 ग्राम एमडी ड्रग्स के साथ दो आरोपियों को गिरफ्तार किया गया है।

आरोपियों से दो मोबाइल फोन एवं दो मोटरसाइकिल सहित कुल 10,55,000 कीमत का मशरूका जप्त किया गया है। 23 अगस्त को थाना बड़ौद पुलिस को मुखबिर से सूचना प्राप्त हुई कि ग्राम गुराड़िया बडौद स्थित पुरानी गिट्टी मशीन के पीछे गौशाला रोड पर एक व्यक्ति मोटरसाइकिल से टऊ ड्रग्स लेकर किसी व्यक्ति को देने आने वाला है। सूचना पर पुलिस टीम द्वारा तत्काल घेराबंदी कर संदिग्ध दानुसिंह पिता चन्दरसिंह सौंधिया राजपूत उम्र 43 वर्ष निवासी ग्राम लोटिया किशना, पुलिस थाना बड़ौद को पकड़ा गया। विधिसम्मत तलाशी में उसके कब्जे से 94.70 ग्राम टऊ ड्रग्स, कीमत लगभग ?9,40,000, ₹५ङ्क मोबाइल फोन एवं बजाज प्लेटिना मोटरसाइकिल बरामद की

गई पूछताछ में आरोपी दानुसिंह ने उक्त एमडी ड्रग्स शंकरसिंह पिता गोपालसिंह सौंधिया, उम्र 25 वर्ष, निवासी ग्राम महुडिया, थाना बड़ौद से प्राप्त करना बताया। पुलिस टीम द्वारा तत्काल दबिश देकर शंकरसिंह को पकड़ा गया। पूछताछ में उसके द्वारा दानुसिंह को उक्त मादक पदार्थ उपलब्ध कराना स्वीकार किया गया। प्रकरण में अपराध के तहत मामला दर्ज कर विवेचना में लिया गया है तथा शंकरसिंह की भूमिका सामने आने पर धारा 29 एनडीपीएस एक्ट का इजाफा किया गया है।

दोनों आरोपियों से मादक पदार्थ के स्रोत एवं नेटवर्क के संबंध में पूछताछ जारी है।दोनों आरोपियों को विधिसम्मत कार्रवाई उपरांत माननीय न्यायालय के समक्ष प्रस्तुत किया जाएगा। इस कार्रवाई में थाना प्रभारी निरीक्षक रूपसिंह बैस, सउनि दरबारसिंह पंवार, प्रआर अर्जुन बागड़ी, सतीश मोदी, हेमंत सिसोदिया, राकेश शर्मा, आरक्षक शुभम जोशी, भीमसिंह मालवीय, रॉकी जाट एवं आकाश टेकाम की महत्वपूर्ण भूमिका रही।

जेल रोड़ से निकली कावड़ यात्रा में उमड़ा श्रद्धा का सैलाब

महिदपुर। नगर के जेल रोड़ से शिव भक्तों ने कावड़ यात्रा निकाली। कावड़ यात्रा उपजेल परिसर स्थित केदारेश्वर महादेव का जलाभिषेक एवं पूजन, अर्चन करने के पश्चात डीजे की धुन एवं ढोल ढमाकों के साथ प्रारंभ हुई। कावड़ यात्रा में छोटे बच्चों से लगाकर अपार संख्या में मातृशक्ति ने भाग लिया। कावड़ यात्री हर हर महादेव और बोल बम के नारे लगाते हुए चल रहे थे। कावड़ यात्रा नगर के मुख्य मार्गो से होते हुए 3 किलोमीटर दूर शिप्रा तट स्थित ऐतिहासिक भगवान धुर्जटेश्वर महादेव मंदिर पहुंची, जहां पर शिव भक्तों द्वारा भोले बाबा का जलाभिषेक कर आरती व पूजन करके प्रसाद वितरण किया गया। कावड़ यात्रा का नगर के प्रमुख मार्गों पर विभिन्न धार्मिक एवं सामाजिक संगठनों द्वारा भव्य स्वागत किया गया । कावड़ यात्रा में पहली बार छोटे-छोटे बच्चों ने भी कंधों पर कावड़ उठाकर श्रद्धा और उल्लास के साथ भाग लिया ।

प्रेमगिरी गोस्वामी को संभागीय अध्यक्ष बनाए जाने पर स्वागत किया

महिदपुर। दशनामी दत्त सेना संगठन गोस्वामी समाज की प्रदेश स्तरीय कार्यकारणी का गठन रतलाम जिले में किया गया। जिसमें उज्जैन संभाग के अध्यक्ष के पद पर श्री प्रेमगिरी गोस्वामी ग्राम इटावा को नियुक्त किया गया। समस्त समाज बंधुओं की उपस्थिति में नियुक्ति पत्र प्रदान कर संभाग की जिम्मेदारी सौंपी गई। श्री गोस्वामी की नियुक्ति पर हर्ष जताते हुए महिदपुर में स्वागत समारोह आयोजित कर श्री प्रेमगिरी गोस्वामी का स्वागत किया गया। इस अवसर पर मोहनलाल चौधरी महिदपुर, जीवन चौधरी आक्यालिम्बा, मुकेश चौधरी किटीया, कृष्णकांत शर्मा, देवसिंह तंवर, उमेश चौधरी, ऋतुराज चौधरी आदि ने स्वागत कर सम्मान किया।

सत्ता की गोद में बैठे नेताओं की दबंगता ग्राम सिका तालाब में अवैध खनन

ब्यावरा। पचोर तहसील के सिका ग्राम पंचायत में शासकीय तालाब से नेताओं के द्वारा अवैध रूप से मिट्टी और मुरम खनन करने का मामला सामने आया है वायरल वीडियो में मशीनों के जरिए भारी मात्र में ट्रैक्टर ट्राली और जेसीबी से तालाब क्षेत्र में खुदाई होती दिखाई दे रही है। स्थानीय स्तर पर ग्रामीणों द्वारा आरोप लगाए जा रहे हैं कि प्रभावशाली और सत्ता पक्ष से जुड़े लोगों की कथित शह के चलते खनन माफियाओ द्वारा उत्खनन की गतिविधियां बेखौफ जारी हैं शासकीय तालाब में मशीनों के पहुंचने और खुदाई किए जाने से स्थानीय ग्रामीणों में भी राजस्व अधिकारियों पर भ्रष्टाचार करने के सवाल उठाए जा रहे हैं आखिर शासन द्वारा प्रतिबंधित अथवा सार्वजनिक जलस्रोत क्षेत्र में इस तरह की अवैध गतिविधियों की अनुमति किसके द्वारा दी गई यदि खनन बिना वैध अनुमति के किया जा रहा है तो सरकार को भारी मात्रा में राजस्व नुकसान के साथ पर्यावरण और जलस्रोत के लिए भी गंभीर चिंता का विषय है। ग्रामीणों ने प्रशासन और खनिज विभाग से पूरे मामले की मौके पर जांच कर खनन अनुमति की पड़ताल और दोषी पाए जाने पर राजस्व अधिकारी और खनन माफियाओं पर कार्रवाही की मांग की है अब यह देखना होगा कि प्रशासन वायरस वीडियो में नजर आ रही मशीनों और खनन माफियाओ की अवैध गतिविधि की जांचकर जिम्मेदारों पर क्या कार्रवाही करता है।

बाबा बूढ़ा अमरनाथ साहसिक यात्रा के लिए 30 कार्यकर्ता रवाना

सुसनेर। विश्व हिंदू परिषद एवं बजरंग दल द्वारा प्रतिवर्ष आयोजित की जाने वाली बाबा बूढ़ा अमरनाथ साहसिक यात्रा के लिए सुसनेर प्रखंड से 30 कार्यकर्ता रवाना हुए। जिला संयोजक अनिल कावल के नेतृत्व में कार्यकर्ता यात्रा में शामिल होने के लिए रवाना हुए। रवाना होने से पहले दुर्गा वाहिनी की बहनों ने कार्यकर्ताओं का तिलक लगाकर तथा भगवा दुपट्टा पहनाकर स्वागत किया और उन्हें यात्रा के लिए विदाई दी। कार्यकर्ता रविवार को जम्मू पहुंचेंगे, जहां से बजरंग दल की साहसिक बूढ़ा अमरनाथ यात्रा के लिए बस के माध्यम से आगे रवाना होंगे। यह यात्रा करीब 10 दिनों तक चलेगी। यात्रा जम्मू से प्रारंभ होकर सुंदरबनी, राजोरी और पुंछ होते हुए बाबा बूढ़ा अमरनाथ धाम पहुंचेगी। यात्रा में देश के विभिन्न प्रांतों से विश्व हिंदू परिषद एवं बजरंग दल के कार्यकर्ता शामिल होते हैं। इसी क्रम में 23 अगस्त को मालवा प्रांत के कार्यकर्ता भी यात्रा में शामिल होंगे। यात्रा के दौरान कार्यकर्ता विभिन्न पड़ावों से होते हुए बाबा बूढ़ा अमरनाथ धाम पहुंचकर दर्शन एवं धार्मिक कार्यक्रमों में शामिल होंगे। सुसनेर प्रखंड से रवाना हुए कार्यकर्ताओं में प्रखंड संयोजक सहित बजरंग दल के कार्यकर्ता शामिल रहे। कार्यकर्ताओं के रवाना होने के दौरान दुर्गा वाहिनी की बहनों ने उत्साहपूर्वक उनका स्वागत किया। इस दौरान धार्मिक वातावरण के बीच कार्यकर्ताओं को भगवा दुपट्टा पहनाकर यात्रा के लिए शुभकामनाएं दी गईं।

बैल से 31 लाख की कार खिंचवाकर शोरूम पहुंचा मालिक

एजेंसी ▸▸ नई दिल्ली

मोगा में शनिवार को 31 लाख रुपए से ज्यादा कीमत की नई इनोवा कार सड़क पर बैल से खिंचती नजर आई। कार मालिक दविंदरपाल सिंह ने अपनी गाड़ी पर चारा लादा और बैल के सहारे उसे आईजीएम टोयोटा शोरूम के सामने से जीटी रोड होते हुए शहर तक ले गए। दविंदरपाल का कहना है कि 5 महीने पहले गाड़ी खरीदने के बावजूद अब तक फ्ठ नहीं बनी है। कई बार कंपनी और एजेंसी से संपर्क करने के बाद भी समाधान नहीं हुआ तो उन्होंने इसी तरह विरोध जताया। उन्होंने बताया कि शिकायत करने के बाद कार एजेंसी ने 50 हजार रुपए ये कहकर और ले लिए कि कार कीमत बढ़ गई है और रजिस्ट्रेशन चार्ज अब ज्यादा लगेगा। इसके बाद भी कुछ नहीं हुआ तो उन्होंने कंपनी को फोन किया तो वहां से जवाब मिला कि जल्दी है तो तब तक इस पर चारा ढोना शुरू कर दो। दविंदरपाल सिंह के मुताबिक, उन्होंने करीब पांच महीने पहले 31 लाख 30 हजार में इनोवा हाइक्रोस जेड एक्स बुक कराई थी। गाड़ी मिलने के 5 महीने बाद भी उसकी आरसी नहीं मिली। उन्होंने इसके लिए एजेंसी के कई चक्कर काटे। बाद में एजेंसी ने गाड़ी की कीमत बढ़ने की बात कहकर उनसे करीब 54 हजार और जमा कराए। इसके बावजूद गाड़ी का रजिस्ट्रेशन नहीं हो सका। दविंदरपाल का कहना है कि उन्होंने इस समस्या को लेकर कंपनी और एजेंसी के अधिकारियों से कई बार संपर्क किया। चंडीगढ़ कार्यालय से संपर्क किया तो वहां बिलिंग राशि रिकॉर्ड में दर्ज राशि में अंतर बताया गया।

स्पेस में सैटेलाइट री-फ्यूलिंग: पीएम को स्पेस स्टार्टअप्स के फाउंडर्स ने बताए प्लान, स्काईरूट हर महीने रॉकेट लॉन्च करेगी

एजेंसी ▸▸ पटना

अंतरिक्ष में सैटेलाइट रीफ्यूलिंग, कचरा हटाने वाले रोबोट और हवा में तैरती दवाइयां। भारत का स्पेस सेक्टर अब फिल्मों में दिखने वाली टेक्नोलॉजी सच करने पर काम कर रहा है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने देश के 20 स्पेस स्टार्टअप्स फाउंडर्स से खास बातचीत की। पीएम ने भरोसा दिलाया कि सरकार उद्यमियों का हाथ कभी नहीं छोड़ेगी। रिस्क लेने वालों को पूरा सपोर्ट मिलेगा। ये बातचीत 21 अगस्त को की गई थी, लेकिन वीडियो आज 23 अगस्त को रिलीज किया गया है।

स्काईरूट ने पीएम मोदी को बताया कि 18 जुलाई को भारत के पहले प्राइवेट रॉकेट से सैटेलाइट्स को कामयाबी के साथ ऑर्बिट में स्थापित किया था। कंपनी ने अब तक 3 फैक्ट्रियां तैयार कर ली हैं, जिनमें हर महीने एक रॉकेट बनाने की क्षमता है। कंपनी की योजना हर महीने एक रॉकेट लॉन्च करने की है। इसके बाद का लक्ष्य हर हफ्ते एक और भविष्य में हर दिन कई रॉकेट लॉन्च करने का है। भारतीय स्टार्टअप्स ग्लोबल लेवल पर ग्राउंड स्टेशन नेटवर्क तैयार कर रहे हैं और सैटेलाइट इंजनों का एक्सपोर्ट करने के लिए तैयार हैं। यह इंजन सैटेलाइट्स को स्पेस में 5 से 15 सालों तक एक जगह से दूसरी जगह ले जाने में मदद करते हैं। कॉस्ट-इफेक्टिवनेस यानी कम लागत और टैलेंट के दम पर भारतीय कंपनियों को अच्छा रिस्पॉन्स मिल रहा है। पिछले एक महीने में ही भारतीय स्टार्टअप्स को 8 नए लॉन्च के कॉन्ट्रैक्ट्स मिले हैं, जिनमें ज्यादातर विदेशी क्लाइंट्स के हैं।

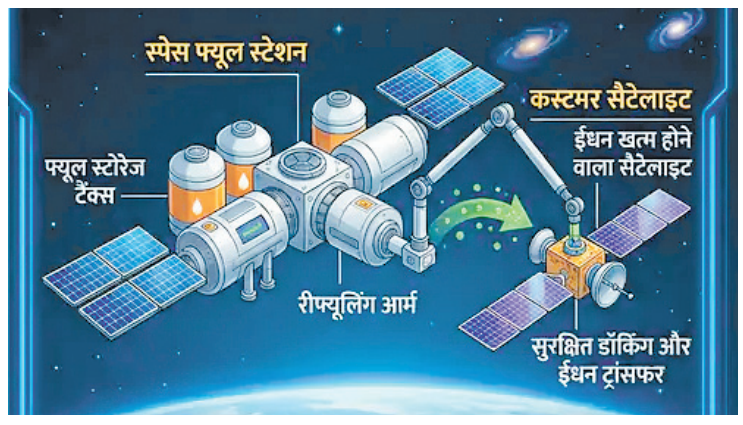

भारतीय स्टार्टअप्स कई नई तकनीकों पर काम कर रहे हैं

- **स्पेस पेट्रोल पंप:** एक कंपनी डॉकिंग और रीफ्यूलिंग तकनीक विकसित कर रही है, जो अंतरिक्ष में ही सैटेलाइट्स में ईंधन भरने का काम करेगी।
- **कचरा हटाना:** एक रोबोटिक स्पेसक्राफ्ट पर काम चल रहा है, जो स्पेस में तैरते बेकार और 'डेड' सैटेलाइट्स को पकड़कर ऑर्बिट से बाहर निकालेगा।
- **स्पेस फार्मा:** एक स्टार्टअप ऐसे सैटेलाइट्स तैयार कर रहा है जो अंतरिक्ष की जीरो-ग्रेविटी में दवाइयां बनाएंगे और धरती पर लाएंगे।

स्पेस पेट्रोल पंप और स्पेस फार्मा को जानें

जैसे सड़क पर गाड़ी का पेट्रोल खत्म होने पर हम पंप पर जाते हैं, वैसे ही अंतरिक्ष में सैटेलाइट्स का ईंधन खत्म हो जाता है। एक भारतीय कंपनी ऐसी तकनीक बना रही है, जो हवा में ही उड़ती हुई सैटेलाइट्स से जुड़कर उनमें दोबारा पेट्रोल-डीजल की तरह ईंधन भर देगी।

वहीं जब धरती पर कोई दवा बनाई जाती है, तो गुरुत्वाकर्षण के खिंचाव के कारण उसके केमिकल्स और प्रोटीन ठीक से मिक्स नहीं हो पाते या नीचे बैठने लगते हैं। इसके उलट, अंतरिक्ष में दवाइयां और प्रोटीन बिना किसी खिंचाव के शुद्ध रूप में आपस में मिलते हैं। इससे दवाइयों के बनने का तरीका बेहद सटीक और साफ होता है। स्पेस सेक्टर को प्राइवेट प्लेयर्स के लिए खोले जाने के बाद एक नया ग्लोबल ट्रेंड दिख रहा है। अमेरिका और यूरोप में काम करने वाले भारतीय इंजीनियर्स अब अपनी नौकरियां छोड़कर भारत लौट रहे हैं और देश के स्पेस स्टार्टअप्स से जुड़ रहे हैं।

एआई भारत में नौकरियां छीनने से ज्यादा दे रहा, रिपोर्ट- आईटी सेक्टर में सीनियर कर्मचारियों की डिमांड बढ़ी

एजेंसी ▸▸ मुंबई

एआई भारत में नौकरियों पर खतरा है। जापानी फाइनेंशियल सर्विस कंपनी नोमुरा की रिपोर्ट इस बात को झुठला रही है। नोमुरा की रिपोर्ट के मुताबिक भारत में अकनौकरियां खत्म करने की तुलना में नए रोजगार के ज्यादा अवसर पैदा कर रहा है। हालांकि, तकनीकी बदलाव की वजह से आईटी सेक्टर में जूनियर्स और फ्रेशर्स को दिक्कतों का सामना करना पड़ रहा है। रिपोर्ट के मुताबिक, भारत, चीन और फिलीपींस उन देशों में शामिल हैं, जहां अकसे नौकरियों का ग्राफ ऊपर गया है।

नोमुरा ने बाजार में आ रहे बदलाव को के-शेप्ड रिप्लट का नाम दिया है। यानी रोजगार के लिए बाजार दो हिस्सों में बंट गया है। एक तरफ फ्रेशर्स की मांग लगातार गिर रही है, तो दूसरी तरफ अनुभवी सीनियर लोगों की पूछ बढ़ गई है।

कंपनियों को अब मैनेजमेंट और बिजनेस की गहरी समझ रखने वाले लोग चाहिए। दक्षिण कोरिया में जिन सेक्टर में सबसे ज्यादा अक का इस्तेमाल हुआ वहां ऐसा ही ट्रेंड दिखने को मिला है। भारत पूरी दुनिया का 'बैक-ऑफिस' है। जिन आसान और रूटीन कामों के दम पर भारत का आईटी सेक्टर खड़ा है, उन्हें अब अक बहुत आसानी से कर रहा है। इससे हमारे यहां की पारंपरिक नौकरियों पर बड़ा खतरा है।

कर्मचारियों को बल्क में निकालने की जगह नई भर्तियां कम हुईं

कंपनियां पुराने कर्मचारियों को नौकरी से निकालने के बजाय नए लोगों को नौकरी पर रखना ही बंद कर रही हैं। इसे साइलेंट फायरिंग कहा जा रहा है। इसके अलावा, कंपनियों ने कॉलेज कैंपस में जाकर होने वाले प्लेसमेंट को लगभग कम कर दिया है।

विदेशी-निवेशकों की भारतीय शेयर बाजार में लगातार दूसरे महीने खरीदारी

एजेंसी ▸▸ नई दिल्ली

विदेश से आने वाले फंड्स में सुधार और घरेलू आर्थिक संकेतों की मजबूती के बीच फॉरेन पोर्टफोलियो इन्वेस्टर्स का भारतीय इक्विटी मार्केट पर भरोसा मजबूत हो रहा है। अगस्त 2026 में अब तक विदेशी निवेशकों ने भारतीय शेयर बाजार में 23,544 करोड़ का नेट इनफ्लो यानी निवेश किया है। मार्केट डेटा के अनुसार, जुलाई 2026 में ?20,200 करोड़ के निवेश के बाद अगस्त लगातार दूसरा महीना है, जब विदेशी निवेशकों ने भारतीय शेयरों में खरीदारी बढ़ाई है। इससे पहले मार्च से जून 2026 तक लगातार 4 महीनों में FPIs ने भारतीय बाजारों से भारी निकासी की थी।

FPIs की हालिया खरीदारी का बड़ा हिस्सा केवल IPOs के बजाय सेकेंडरी मार्केट (लिस्टेड शेयर बाजार) की ओर जा रहा है। सेक्टोरल रुझान की बात करें तो विदेशी निवेशक ऑटोमोबाइल, कंज्यूमर ड्यूरेबल्स और हेल्थकेयर जैसे बुनियादी मजबूत सेक्टर्स में अलॉटमेंट तेजी से बढ़ा रहे हैं।

Sport

श्रीलंका के खिलाफ पडिक्कल का लगातार दूसरा टेस्ट शतक

ऋषभ पंत चोटिल होकर पवेलियन लौटे गिल की फिफ्टी: भारत का स्कोर 300/5

एजेंसी ▸▸ नई दिल्ली

भारत ने श्रीलंका के खिलाफ दूसरे टेस्ट के पहले दिन 5 विकेट पर 300 रन बनाए। रविवार का खेल समाप्त होने तक ध्रुव जुरेल 7 और सारांश जैन 4 रन पर नाबाद रहे। देवदत्त पडिक्कल (117 रन) ने शतक लगाया। उन्होंने लगातार दूसरे टेस्ट में शतकीय पारी खेली। उन्होंने पहले टेस्ट की पहली पारी में 167 रन बनाए थे। कप्तान शुभमन गिल ने 50 रन बनाए। रवींद्र जडेजा ने 43 रन बनाए। केएल राहुल 18 और यशस्वी जायसवाल 45 रन बनाकर आउट हुए। ऋषभ पंत 3 रन पर रिटायर्ड हर्ट हुए। असिथा फर्नांडो ने 3 विकेट लिए।

सारांश जैन ने इंटरनेशनल क्रिकेट में चौके से खाता खोला है। उन्होंने 84वें ओवर की दूसरी बॉल रोकी और तीसरी पर चौका लगा दिया। इसी चौके से भारत के 300 रन भी पूरे हो गए। असिथा फर्नांडो ने शॉर्ट गेंद ऑफ स्टंप के बाहर फेंकी, जिसे सारांश जैन ने लेट कट करते हुए बैकवर्ड पॉइंट बाउंड्री के लिए भेज दिया। 85वें ओवर की पहली बॉल पर भारत ने 5वां विकेट गंवाया। यहां पर असिथा फर्नांडो ने रवींद्र जडेजा को बोल्ड किया। जडेजा ने ऑफ स्टंप के बाहर लेंथ बॉल को छोड़ने का फैसला किया, लेकिन गेंद अंदर की ओर आई और ऑफ स्टंप के ऊपरी हिस्से से जा टकराई। जडेजा गेंद की लाइन को सही तरह से नहीं आंक सके।

जायसवाल की श्रीलंकाई बॉलर से झड़प, सिर से धक्का मारा

एजेंसी ▸▸ नई दिल्ली

भारत ने श्रीलंका के खिलाफ दूसरे टेस्ट के पहले दिन 5 विकेट पर 300 रन बनाए। कोलंबो में खेले जा रहे मुकाबले में भारतीय ओपनर यशस्वी जायसवाल और श्रीलंकाई गेंदबाज असिथा फर्नांडो के बीच बहस हुई। जायसवाल के आउट होने के बाद दोनों के बीच विवाद इतना बढ़ गया कि उन्होंने अपना सिर फर्नांडो के सिर से टकरा दिया।

विकेटकीपर बल्लेबाज ऋषभ पंत कलाई पर चोट लगने के बाद 3 रन के स्कोर पर रिटायर्ड हर्ट हुए। उनकी जगह रवींद्र जडेजा बल्लेबाजी के लिए आए। इससे पहले शुभमन गिल ने टेस्ट क्रिकेट में अपने 3 हजार रन पूरे किए। पहले दिन असिथा फर्नांडो और यशस्वी जायसवाल के बीच हुई बहस चर्चा में रही। 17वें ओवर में जायसवाल ने तीन चौके लगाए, लेकिन ओवर की आखिरी गेंद पर बोल्ड हो गए। इसके बाद फर्नांडो ने उनसे कुछ कहा। पवेलियन लौट रहे जायसवाल पलटकर फर्नांडो के पास आए।

नैनो न्यूज

- **भारत-श्रीलंका टेस्ट में भारत मजबूत** – कोलंबो टेस्ट के पहले दिन भारत ने 300/5 बनाए। शुभमन गिल और देवदत्त पडिक्कल ने शतक लगाए।
- **पडिक्कल का लगातार दूसरा शतक** – देवदत्त पडिक्कल ने श्रीलंका के खिलाफ शानदार बल्लेबाजी करते हुए टेस्ट करियर का दूसरा शतक जमाया।
- **जडेजा ने रचा इतिहास** – रविंद्र जडेजा 50 विश्व टेस्ट चैंपियनशिप मुकाबले खेलने वाले पहले भारतीय क्रिकेटर बने।
- **सारांश जैन का भारत डेब्यू** – मध्यप्रदेश के ऑलराउंडर सारांश जैन ने 33 साल की उम्र में श्रीलंका के खिलाफ टेस्ट डेब्यू किया।
- **पंत को लगी चोट** – श्रीलंका के खिलाफ टेस्ट में ऋषभ पंत की कलाई पर चोट लगी और उन्हें रिटायर्ड हर्ट होकर मैदान छोड़ना पड़ा।
- **भारत हॉकी में बड़ा झटका** – नीदरलैंड्स ने भारत को 3-1 से हराया, जिससे भारतीय पुरुष टीम की सेमीफाइनल उम्मीदें लगभग खत्म हो गईं।
- **ट्रीसा-गायत्री ने पदक पक्का किया** – भारतीय जोड़ी ट्रीसा जॉली और गायत्री गोपीचंद ने विश्व चैंपियनशिप में कांस्य पदक हासिल किया।
- **कर्ण शर्मा ने लिया संन्यास** – चार बार आईपीएल विजेता रहे कर्ण शर्मा ने 38 साल की उम्र में क्रिकेट के सभी प्रारूपों से संन्यास लिया।

टॉप सीड चीनी जोड़ी को हराया; विमेंस डबल्स में त्रिसा-गायत्री को ब्रॉन्ज मिला

बैडमिंटन वर्ल्ड चैंपियनशिप-गिकेल-डेलफिन गोल्ड जीतने वाली पहली फ्रांसीसी जोड़ी

एजेंसी ▸▸ नई दिल्ली

फ्रांस के थॉम गिकेल और डेलफिन डेलरू बैडमिंटन वर्ल्ड चैंपियनशिप के मिक्स्ड डबल्स का खिताब जीत लिया है। गिकेल-डेलफिन की जोड़ी इस चैंपियनशिप का गोल्ड जीतने वाली फ्रांस की पहली जोड़ी है।

इस 5वीं सीड जोड़ी ने रविवार को नई दिल्ली के इंदिरा गांधी स्टेडियम में खेले गए फाइनल में टॉप सीड फेंग यान झे और हुआंग डोंग पिंग की जोड़ी को 22-20, 19-21, 21-15 से हराया। यह मैच एक घंटे 18 मिनट तक चला। डेलरू ने कहा, ह्यबहुत भावनाएं हैं। फ्रांस के लिए पहला गोल्ड जीतकर हम बहुत खुश और बेहद गर्व महसूस कर रहे हैं।'

उन्होंने कहा- 'यह शानदार मैच था। दोनों जोड़ियों ने बहुत अच्छा खेला और हमें जीत के लिए काफी कोशिश करनी पड़ी। पहली बार पोडियम पर राष्ट्रगान सुनना शानदार है। विमेंस डबल्स में साउथ कोरिया की बेक हा ना और ली सो ही ने चीन की टॉप सीड लियू शेंग शु और टैन निंग को 21-15, 21-15 से हराया। चीन की जोड़ी ने सेमीफाइनल मुकाबले में भारत की त्रिसा जॉली और गायत्री गोपीचंद की जोड़ी को हराया था। फ्रांस के एलेक्स लानियर ने मेंस सिंगल्स ने इतिहास रचा है।

दुकान बेचना है
प्राईम लोकेशन कंठाल चौराहा की दुकान बेचनी है।
साईज - 10x11
हाईट- 15 फीट
मोबाइल
8518800456
9981310034

आवश्यकता
अशासकीय विद्यालय श्री संस्कृति कॉ. मि. स्कूल भैरवगढ़ में अध्यापन हेतु शिक्षक-शिक्षिकाओं की आवश्यकता है- अनुभवी एवं प्रशिक्षित को प्राथमिकता-
योग्यता- B.E.D/D.E.D./Deled
वेतन- 7000 से 8000 प्रतिमाह
राजेश राव हाण्डे- 9977588698
Head Master
Shri Sanskriti Convent Middle School, Bhairavgar

किराए से देना है
शहर के मध्य, पुराने दारू गोदाम के सामने, बुनकर समिति के अंदर 1500 & 2000 SQFT कमर्शियल व गोडाउन उपयोग हेतु 16 फीट ऊंचाई टीन शेड, बोरिंग सुविधा, अटैच लेट-बाथ, सर्व सुविधा युक्त
6267735937

खरीदना / किराए से चाहीए
उज्जैन में कोई भी छोटी होटल या होम स्टे, जो चालू अवस्था में हो खरीदना / किराए से चाहीए
संपर्क
9893374872

जमीन बेचना है
ग्राम सुमराखेड़ा (तहसील तराना) में मेन रोड से एक खेत छोड़कर रेल पटरी से दक्षिण दिशा में भूमि खेत साढ़े तीन बीघा एवं बिड़ ढाई बीघा बेचना है।
संपर्क करें
940 6801069

मकान बेचना है
साईज 16X25, चार मंजिला होमस्टे हेतु उपयुक्त। कुंआ, दुकान सहित मकान बेचना है
पता
रामरतन शर्मा मार्ग, उज्जैन
फोनः 7869850570
9827832632

बेचना है
अगरबत्ती का कारखाना बेचना है, वियतनाम ऑटोमैटिक मशीन। ड्रायर मिक्सर और अन्य सामान बेचना है। स्थान- नागझिरी, उज्जैन
संपर्क
9111328540

किराए से देना है
ऑफिस किराए से देना है सी/21 नानाखेड़ा बस स्टैंड के सामने श्रीगंगा के ऊपर प्रथम मंजिल फ्रंट साईड लगभग 500 वर्ग फिट फाइनेंस कंपनी,या मोबाईल कंपनी को प्राथमिकता दी जावेगी
संपर्क करें - रवि गुप्ता
9926466157

आवश्यकता है
दुकान पर काम करने हेतु युवक-युवती की। पेन्ट-शर्ट बनाने वाले कारीगर की भी आवश्यकता है।
संपर्क करें
9575555715,
9425094114

रद्दी बेचना है
अखबारी फ्रेश रद्दी, थोक रेट में टनों से 10-10 किलो के बंडल में बेचना है
संपर्क
7773077762

प्रॉपर्टी बेचना है
प्रॉपर्टी बेचना है इंदौर में 1. 700, sqft शॉप मेन रोड, 2. 1500,sqft plot भवर कुआं चौराहे पर, 3. 1500,sqft plot पर बना हुआ शोरूम मेन खंडवा रोड पर, 4. 2,लाख किराए पर लगे बैंक, 5. हॉस्टल विष्णुपुर में, 6. शोरूम विजय नगर में, 7. 1200,sqft रानी बाग में 8. 1500,sqft इंद्रपुरी में 9. रेस्टोरेंट विजय नगर में, 10. लक्जरी फार्म हाउस
संपर्क करें
पीसी राजपूत रीयल एस्टेट
9893713817

प्रवेश प्रारंभ
आवश्यकता है:- शिक्षक / शिक्षिकाओं की (अंग्रेजी माध्यम स्कूल में)
योग्यता :- ग्रेजुएट, पोस्ट ग्रेजुएट,
आफिस समय
10 से 01 बजे तक
आवेदनः 23-06-2026
सेन्ट मदार कान्वेंट स्कूल 36, मदार गेट सरदार स्टील के पास उज्जैन
फोन नम्बरः-2557390

आवश्यकता
छुरी वाली कटिंग मशीन एवं सर्कलकटिंग मशीन ऑपरेटर की जो दोनों मशीन चलाना जानता हो, चौकीदार की जो रात दिन फैक्ट्री पर रह सके.
संपर्क करे
श्री हरि पेपर इंडस्ट्री
8 मक्सी रोड इंडस्ट्रियल एरिया प्रवाह पेट्रोल पंप के पीछे, उज्जैन
मोबाइल 9425358095

न्यूज कॉलम

कलेक्शन एजेंट पर बदमाश ने किया 8 से 9 बार चाकू से हमला

धार। धार के नौगांव थाना क्षेत्र के जेतपुरा में रविवार दोपहर कलेक्शन एजेंट पर चाकू से हमला किया गया। रामनगर निवासी शुभम मालुसरे बाइक से काम के लिए जा रहे थे। जेतपुरा के सीएनजी पेट्रोल पंप के पास आरोपी शुभम रोमियो ने उन पर हमला कर दिया। हमले में पीड़ित बाइक से गिर गया। इसके बाद आरोपी ने उन पर 8 से 9 बार चाकू से वार किए। शुभम के हाथ, पैर और कमर में चोट आई है। हमला करने के बाद आरोपी मौके से भाग गया। घायल शुभम को जिला अस्पताल ले जाया गया। प्राथमिक इलाज के बाद उन्हें आईसीयू में भर्ती किया गया। उनका इलाज जारी है। शुभम ने पुलिस को बताया कि आरोपी शुभम रोमियो के साथ उनका पुराना विवाद है।

धार में सावन के आखिरी सोमवार निकली कांवड़ यात्रा

धार। धार में सावने के आखिरी सोमवार को महाराजा भोज उत्सव समिति ने मातृशक्ति समरसता कांवड़ यात्रा निकाली। यात्रा नागचंद्रेश्वर मंदिर से शुरू हुई। बड़ी संख्या में महिलाएं कांवड़ और कलश लेकर यात्रा में शामिल हुईं। यात्रा शहर के प्रमुख रास्तों से होकर भोजशाला पहुंची। कांवड़ यात्रा कुछ देर भोजशाला में रुकी। इसके बाद महिलाएं धारेश्वर मंदिर पहुंचीं।यहां सभी महिलाओं ने भगवान धारनाथ का जलाभिषेक किया। इसके लिए नर्मदा और सरस्वती ज्ञान कूप का जल इस्तेमाल किया गया। महाराजा भोज उत्सव समिति हर साल यह कांवड़ यात्रा निकालती है। समिति के अनुसार, यात्रा मां वाग्देवी की पुनर्स्थापना के संकल्प के साथ निकाली जाती है।

झाबुआ के रूपाखेड़ा में किराना दुकान से अवैध शराब जब्त

झाबुआ। झाबुआ में अवैध शराब के संग्रहण, परिवहन और बिक्री पर अंकुश लगाने के लिए आबकारी विभाग ने कार्रवाई की है। जिला आबकारी अधिकारी रविन्द्र मानिकपुरी के निर्देश पर विभाग ने यह कार्रवाई की। मुखबिर की सूचना पर आबकारी विभाग की टीम ने ग्राम रूपाखेड़ा के माली फलिये में नंदू उर्फ व्यास पिता अर्जुन पंचाल के मकान और किराना दुकान पर दबिश दी। तलाशी में 36 पेटी अवैध विदेशी शराब (384.12 बल्क लीटर) बरामद हुई। इसमें माउंट कैन बीयर की 21 पेटी, बैगपाइपर डीलक्स व्हिस्की की 11 पेटी, गोवा व्हिस्की की 2 पेटी, किंगफिशर बीयर केन की 1 पेटी और किंगफिशर बीयर कांच की 1 पेटी शामिल है। जब्त शराब का अनुमानित बाजार मूल्य 1,81,128 रुपये बताया गया है।

बारिश नहीं होने पर निकाली जिंदा बुजुर्ग की शव यात्रा

महू में बुजुर्ग को अर्थी पर लिटाकर ग्रामीणों ने इंद्रदेव से वर्षा की प्रार्थना की

महू। महू के पास गवली पलासिया गांव में आज सोमवार को ग्रामीणों ने अच्छी बारिश की कामना के लिए 'जिंदा शव यात्रा' निकाली। क्षेत्र में पर्याप्त वर्षा न होने के कारण अनोखी परंपरा निभाई गई। परंपरा के अनुसार, ग्रामीणों ने एक बुजुर्ग को शव की तरह अर्थी पर लिटाया और उसकी प्रतीकात्मक शव यात्रा निकाली। यात्रा में बड़ी संख्या में ग्रामीण शामिल हुए, जो गांव की गलियों से होते हुए आगे बढ़ी। इस दौरान ग्रामीणों ने बारिश के लिए प्रार्थना भी की। गांव के बुजुर्गों के अनुसार, यह एक वर्षों पुरानी परंपरा है। मान्यता है कि जब लंबे समय तक बारिश नहीं होती और फसलों को पानी की आवश्यकता होती है, तब इस तरह का आयोजन किया जाता है। ग्रामीणों का मानना है कि जिंदा व्यक्ति की प्रतीकात्मक शव यात्रा निकालने से इंद्रदेव प्रसन्न होते हैं और क्षेत्र में वर्षा होती है। बारिश न होने से क्षेत्र के किसान भी चिंतित हैं। खरीफ की फसलों के लिए पर्याप्त वर्षा आवश्यक है, और ग्रामीणों का कहना है कि यदि बारिश नहीं हुई तो फसलों पर इसका सीधा असर पड़ेगा। इसी उम्मीद के साथ ग्रामीणों ने यह परंपरा निभाकर जल्द अच्छी बारिश की कामना की है।

नैनो न्यूज

- **सोना 1.62 लाख के पार** – इंदौर में 24 कैरेट सोना सोमवार को करीब 16,233 प्रति ग्राम दर्ज हुआ।
- **सराफा बाजार में तेजी** – ऊंचे अंतरराष्ट्रीय भाव के बीच इंदौर के सराफा कारोबार में सोने की कीमतें मजबूत बनी हुई हैं।
- **चांदी के भाव में बदलाव** – इंदौर में सोमवार को चांदी के भाव में उतार-चढ़ाव जारी है, जिससे सराफा कारोबारियों की गतिविधियां प्रभावित हैं।
- **प्याज में तेजी की चर्चा** – इंदौर मंडी में प्याज के भाव में तेजी की रिपोर्टें सामने आई हैं।
- **मंडी में सोयाबीन कमजोर** – इंदौर मंडी में सोयाबीन भाव में गिरावट की रिपोर्ट सामने आई है, जिससे किसानों और व्यापारियों की नजर बाजार पर है।
- **24 घंटे दुकान खोलने पर चर्चा** – इंदौर में दुकानों को 24 घंटे खोलने के मुद्दे पर सर्वे और जनप्रतिनिधियों से चर्चा की जा रही है।
- **फ्लाईओवर से व्यापार प्रभावित होगा** – शहर में चार फ्लाईओवर के प्रारंभिक कार्य शुरू हो गए हैं, ट्रैफिक डायवर्जन से आसपास के कारोबार पर असर पड़ सकता है।
- **इंदौर का निवेश फोकस बढ़ा** – फार्मा क्षेत्र की कंपनी का बड़ा आईपीओ आने से इंदौर के कॉरपोरेट और निवेश बाजार में गतिविधि बढ़ी है।

पीथमपुर में तेज रफ्तार स्कॉर्पियो 200 से अधिक कांवड़ियों के जत्थे में घुसी

26 को कुचला, 3 इंदौर रेफर, भीड़ ने कार में लगाई आग

दैनिक अवन्तिका ▸▸ इंदौर

इंदौर के पास पीथमपुर में सोमवार दोपहर तेज रफ्तार स्कॉर्पियो 200 से अधिक कांवड़ियों के जत्थे में घुस गई। हादसे में 26 कांवड़िए घायल हुए हैं। घटना के बाद गुस्साई भीड़ ने स्कॉर्पियो में आग लगा दी। ड्राइवर मौके से भागा, लेकिन लोगों ने पीछा कर उसे पकड़ लिया। 3 घायलों को बेहतर इलाज के लिए इंदौर रेफर किया गया है।

घटना दोपहर करीब साढ़े 3 बजे की है। विजय श्री हनुमान कांवड़ यात्रा बोकेश्वर से इंदिरामा की ओर जा रही थी। इसी दौरान पीछे से आई तेज रफ्तार स्कॉर्पियो श्रद्धालुओं को कुचलते हुए निकली। टक्कर के बाद मौके पर हड़कंप मच गया। यात्रा के साथ पुलिस बल भी चल रहा था। हादसे के तुरंत बाद पुलिस और स्थानीय लोगों ने घायलों को एंबुलेंस और निजी वाहनों से सिविल अस्पताल पहुंचाया। यहां घायलों का इलाज चल रहा है।

13 घायलों के नाम सामने आए- घायलों में शैलेश (रवीन्द्र), आशा, लक्ष्मी, प्रकाश (नन्दराम), गोलू (मुन्नालाल), दीपक, पवन, ऋषिका, विशाल, शुभम, कैलाश, लालू और खुशी शामिल हैं।

कांवड़ियों से भरा ट्रैक्टर पुल से नीचे गिरा

धार में स्टीयरिंग फेल होने से ट्रॉली बेकाबू, एक की मौत, 19 घायल

दैनिक अवन्तिका ▸▸ धार

धार जिले के कुक्षी थाना क्षेत्र में सावन के चौथे अंतिम सोमवार को नर्मदा जल लेने जा रहे श्रद्धालुओं से भरी ट्रैक्टर-ट्रॉली पुल से नीचे गिर गई। हादसे में 19 श्रद्धालु घायल हो गए। राजू पकाव नाम के युवक की मौत हुई है। एक प्रत्यक्षदर्शी ने बताया कि दो युवक गंभीर रूप से घायल थे, जिन्हें इलाज के लिए इंदौर रेफर किया गया है। बड़वानी जिला अस्पताल के डॉक्टर एसएन पाटीदार ने बताया कि धार से 18-19 मरीज यहां भर्ती हैं। इनमें से 6 से 7 की हालत गंभीर है। उनके सिर, कमर, हाथ और पेट में चोटें हैं। घटना निसरपुर चौकी क्षेत्र के ग्राम कडमाल से करीब एक किलोमीटर दूर एक पुल पर हुई। श्रद्धालु पुराने चिखलदा की ओर नर्मदा जल लेने के लिए कावड़ यात्रा पर निकले थे। पुल पर पहुंचते ही ट्रैक्टर का स्टीयरिंग फेल हो गया। ड्राइवर वाहन पर नियंत्रण नहीं रख सका और ट्रैक्टर-ट्रॉली पुल से नीचे गिर गई।

तीन माह पहले सूचना, नहीं रुका अवैध वनोपज का खेल, इंदौर के सात गश्त दल नहीं कर पाए कार्रवाई

भोपाल की टीम ने आकर पकड़ी फर्जी टीपी

दैनिक अवन्तिका ▸▸ इंदौर

धार रोड स्थित जीएनटी टिम्बर मार्केट में अवैध वनोपज और बिना टीपी लकड़ी के कारोबार की शिकायत इंदौर वन विभाग के अधिकारियों तक करीब तीन माह पहले ही पहुंच गई थी। शिकायतों के आधार पर डीएफओ ने बाकायदा रात्रि गश्त के लिए सात दलों का गठन भी किया था।

इन दलों को सप्ताह के अलग-अलग दिनों में जीएनटी मार्केट और आसपास के क्षेत्रों में निगरानी की जिम्मेदारी दी गई थी। इसके बावजूद स्थानीय वन अमले की ओर से कोई बड़ी कार्रवाई सामने नहीं आई। शुक्रवार को राज्य स्तरीय उड़न दस्ते ने इसी क्षेत्र में दबिश देकर दो वाहनों में भरी बबूल की लकड़ी पकड़ी। इनमें एक वाहन के पास टीपी नहीं थी, जबकि दूसरे की टीपी जांच में फर्जी मिली।

- सात दलों को दी थी निगरानी की जिम्मेदारी गश्ती दलों को जीएनटी मार्केट और आसपास के स्थलों पर सतत गश्त करने तथा यह सुनिश्चित करने के निर्देश दिए गए थे कि किसी भी प्रकार की वनोपज अवैध रूप से बिना टीपी के इंदौर शहर में प्रवेश न कर सके। प्रत्येक दल को सप्ताह में एक दिन रात्रि गश्त कर निगरानी रखना थी।
- यानी विभाग के पास न केवल शिकायत की जानकारी थी, बल्कि संभावित अवैध परिवहन को रोकने के लिए निगरानी की व्यवस्था भी करीब तीन माह पहले से मौजूद थी। इसके बावजूद जीएनटी मार्केट में अवैध वनोपज के परिवहन और कारोबार पर प्रभावी रोक नहीं लग सकी।

डीएफओ की ओर से जारी पत्र में स्पष्ट तौर पर लिखा गया था कि सीएम हेल्पलाइन, दूरभाष और अन्य स्रोतों से सूचना प्राप्त हो रही है कि जीएनटी मार्केट एवं आसपास के क्षेत्रों में अवैध वनोपज बिना टीपी के लाई जा रही है और उसका अवैध व्यापार हो रहा है। इसी के बाद अवैध वनोपज की जांच और रोकथाम के लिए सात रात्रि गश्ती दल गठित किए गए थे। शिकायत भोपाल पहुंची तो राज्य स्तरीय टीम ने की कार्रवाई जीएनटी मार्केट में लंबे समय से फर्जी टीपी और बिना टीपी लकड़ी के परिवहन की शिकायतें सामने आने के बाद मामला राज्य स्तर तक पहुंचा। इसके बाद राज्य स्तरीय उड़न दस्ते ने गुरुवार रात से इंदौर में सक्रिय होकर शुक्रवार को धार रोड स्थित जीएनटी टिम्बर मार्केट में कार्रवाई की। टीम ने धार रोड की ओर से आ रहे बबूल की लकड़ी से भरे दो वाहनों को रोका। जांच में एक वाहन चालक लकड़ी परिवहन की टीपी पेश नहीं कर सका। दूसरे वाहन में महाराष्ट्र के जलगांव की टीपी दिखाई गई, लेकिन टीम ने दस्तावेज को स्कैन कर तैयार की गई फर्जी टीपी बताया। दोनों वाहनों को जब्त कर वन विभाग के नवरत्न बाग स्थित कार्यालय भेज दिया गया।

सीएम का नाम लिखकर डॉ. का फर्जी ट्रांसफर लेटर बनाया

आलीराजपुर में सीहोर का आरोपी गिरफ्तार

दैनिक अवन्तिका ▸▸ आलीराजपुर

आलीराजपुर जिले में मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव के नाम और फोटो का गलत इस्तेमाल कर एक आयुष डॉक्टर का फर्जी ट्रांसफर आर्डर बनाने का मामला सामने आया है। पुलिस ने रविवार को इसका खुलासा किया।

सीहोर के रहने वाले आरोपी मुकेश भोसले को गिरफ्तार कर लिया है, जबकि बाकी आरोपियों की तलाश की जा रही है।

यह फर्जीवाड़ा तब खुला जब आलीराजपुर के मुख्य चिकित्सा और स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. राजेश अतुलकर के व्हाट्सएप पर एक सरकारी लेटरहेड आया। इस लेटर में आयुष विभाग के एक डॉक्टर का तबादला उदयगढ़ से सोंडवा करने का आदेश लिखा था। लेटर का फॉर्मेट और भाषा देखकर सीएमएचओ को शक हुआ, जिसके बाद जांच करने पर वह पूरी तरह फर्जी निकला। इसके बाद उन्होंने कोतवाली थाने में शिकायत दर्ज कराई।

शिकायत मिलते ही पुलिस ने जांच शुरू की, जिसमें पता चला कि आरोपी ने मुख्यमंत्री की तस्वीर और मध्य प्रदेश सरकार के लोगो का इस्तेमाल कर फर्जी लेटरहेड तैयार किया था। आलीराजपुर एसपी रघुवंश सिंह भदौरिया ने बताया कि आरोपी मुकेश भोसले सीहोर जिले के श्यामपुरा का रहने वाला है।

एक ही जगह टीवी और ओटीटी का मजा वीजेडवाय की बिक्री 200 करोड़ के पार

dishtv Vzy

दैनिक अवन्तिका ▸▸ इंदौर

आज दर्शक मनोरंजन के लिए अलग-अलग डिवाइस और प्लेटफॉर्म के बीच नहीं उलझना चाहते। वे लाइव टीवी, ओटीटी और अपनी पसंद का कंटेंट एक ही जगह आसानी से देखना चाहते हैं। इसी बदलती पसंद के बीच डिश टीवी ग्रुप के कनेक्टेड एंटरटेनमेंट पोर्टफोलियो का हिस्सा वीजेडवाई स्मार्ट टीवी लॉन्च के पहले ही साल में 200 करोड़ रुपए से अधिक की कुल बिक्री दर्ज कर चुका है।

वीजेडवाई में लाइव टीवी चैनल, ओटीटी ऐप्स और एवीओडी कंटेंट एक ही इंटरफेस पर उपलब्ध हैं। इसमें पारंपरिक सेट-टॉप बॉक्स की जरूरत नहीं होती, जिससे ग्राहकों को टीवी और स्ट्रीमिंग का आसान और एकीकृत अनुभव मिलता है। चुनिंदा मॉडल खरीदने पर 30,000 रुपए तक के विशेष कंटेंट लाभ भी दिए जा रहे हैं।

आत्म प्रशंसा और पर निंदा से बचो- महाश्रमण सुधा सागर

दैनिक अवन्तिका ▸▸ इंदौर

मैं अच्छा हूं और सारी दुनिया बुरी है, मेरे से अच्छा कोई हो नहीं सकता और कर भी नहीं सकता जिसके मन में ऐसा भाव आ जाए उसका पतन निश्चित है। सारे जगत को बुरा कहने वाले तुम होते कौन हो? यह बात मुनि पुंगव श्री सुधा सागर जी महाराज ने सोमवार को दलाल बाग स्थित विद्या सुधा सत्संग मंडप में कहीं। धर्म समाज प्रचारक राजेश जैन दद्दू ने बताया कि सकल दिगंबर जैन धर्म प्रभावना समिति के तत्वाधान मे आयोजित चातुर्मासिक धर्म सभा में संबोधित कर रहे थे। मुनि श्री ने कहा कि तुम स्वयं को अच्छा तभी कह सकते हो जब सारे जगत के लोग और तुम्हारे माता-पिता तुम्हें अच्छा कहें, माने और तुम्हारी प्रशंसा करें। लेकिन स्वयं अपने मुंह से मियां मिट्ठू बनकर आत्म प्रशंसा और परनिंदा कर अहंकारी मत बनो। धर्म सभा में तीर्थ चांदखेड़ी के अध्यक्ष हुकुम काका, अशोक डोषी, आनंद नवीन गोधा, हर्ष जैन, आलोक आकाश कोल, भूपेंद्र जैन, मयंक जैन, राकेश गोहिल अक्षय कासलीवाल रानी डोसी, सोनाली बगड़िया आदि समाज श्रेष्ठी उपस्थित थे।

होटल में हिंदू युवती के साथ मिले 2 युवक

करणी सेना कार्यकर्ताओं ने पकड़कर पुलिस को सौंपा, कहा- उसे नशा करा रहे थे दोनों

दैनिक अवन्तिका ▸▸ इंदौर

लसूड़िया थाना क्षेत्र स्थित स्कीम नंबर 114 पार्ट-1 के होटल 'सिल्वर पैलेस' में राजपूत करणी सेना के कार्यकर्ताओं ने रविवार रात को हंगामा में कर दिया। उन्होंने होटल के कमरे में खजराना निवासी दो युवकों पर आरोप लगाए हैं कि वे एक हिंदू युवती को नशा करवाकर उसके साथ गलत काम कर रहे थे।

सूचना मिलते ही करणी सेना के पदाधिकारी मौके पर पहुंचे। पूछताछ के दौरान आरोपियों ने पहले अपनी पहचान छिपाने की कोशिश की और खुद को 'लक्की' बताया। कड़ाई से पूछताछ करने पर उनकी पहचान खजराना निवासी फैजान खान और अमन खान के रूप में हुई। हंगामे के दौरान आरोपी अमन खान मौके से भागने में सफल हो गया। संगठन के कार्यकर्ताओं का कहना है कि अमन फर्जी पुलिसवाला बनकर लोगों को एमडी रखकर फंसाने की धमकी देता है और ब्लैकमेल करता है। दोनों खजराना और आसपास के इलाकों में बड़े पैमाने पर एमडी ड्रग्स और गांजा बेचने का अवैध कारोबार करते हैं। फैजान का मोबाइल चेक करने पर कई युवतियों के साथ अश्लील फोटो, वीडियो और चैटिंग मिली है। इसके अलावा मोबाइल में गांजे, एमडी और चाकू के फोटो भी बरामद हुए हैं। होटल के कमरे से शराब की बोतलें, बड़ी मात्रा में कंडोम और सेक्स वर्धक गोलियां मिली हैं। करणी सेना के कार्यकर्ताओं ने आरोपी फैजान को पकड़कर लसूड़िया थाना पुलिस के हवाले कर दिया, जहां पुलिस ने उसके खिलाफ प्रतिबंधात्मक कार्रवाई की है।

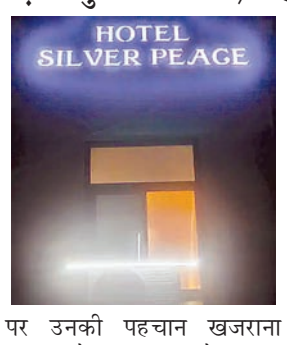

अमेरिका की सिलिकॉन वैली में गूंजी अहिल्याबाई की गौरवगाथा

मप्र की झांकी को मिला मोस्ट ब्यूटीफुल फ्लोट अवार्ड

दैनिक अवन्तिका ▸▸ इंदौर

लोकमाता अहिल्याबाई होलकर की गौरवगाथा अब अमेरिका की सिलिकॉन वैली में भी आकर्षण का केंद्र बनी। फ्रेमोंट शहर में आयोजित इंडिया डे परेड एंड फेयर-2026 में लोकमाता अहिल्याबाई होलकर और मध्य प्रदेश की थीम एमपी-द इनोवेशन हब पर तैयार झांकी को मोस्ट ब्यूटीफुल फ्लोट अवार्ड से सम्मानित किया गया।

भारत की स्वतंत्रता के 80वें और अमेरिका की स्वतंत्रता के 250वें वर्ष के आयोजनों की श्रृंखला के तहत आयोजित इस कार्यक्रम में भारतीय संस्कृति, विरासत और मध्यप्रदेश की उपलब्धियों को अमेरिकी धरती पर प्रदर्शित किया गया। झांकी में लोकमाता अहिल्याबाई होलकर के राष्ट्रनिर्माण, सुशासन, जनकल्याण और भारतीय सांस्कृतिक विरासत के संरक्षण में योगदान को प्रदर्शित किया गया। इसमें देशभर के मंदिरों के जीर्णोद्धार और कायाकल्प में उनके योगदान को भी दशार्या गया। परेड के दौरान झांकी ने लोगों का ध्यान आकर्षित किया। इसके बाद निर्णायकों ने इसे मोस्ट ब्यूटीफुल फ्लोट अवार्ड के लिए चुना। फेस्टिवल ऑफ ग्लोब के चेयरमैन डॉ. रमेश जापरा के आतिथ्य में हुए कार्यक्रम में इंदौर और मध्यप्रदेश से जुड़े बड़ी संख्या में लोगों ने भाग लिया। झांकी की ओर से यह पुरस्कार केपी माहेश्वरी, रितू माहेश्वरी और अमेरिकंस फॉर हिंदू के प्रेसिडेंट प्रमित माकोड़े ने प्राप्त किया।

स्वत्वाधिकारी अवंतिका प्रकाशन (भागीदारी फर्म) के लिए प्रकाशक, मुद्रक संदीप मेहता द्वारा अवंतिका ऑफसेट 2, रानी लक्ष्मीबाई मार्ग उज्जैन (म.प्र.) से मुद्रित एवं ए-5 द्वितीय तल विजयनगर मेन रोड इन्दौर (म.प्र.) से प्रकाशित। संपादक : संदीप मेहता, फोन : 0731-4085777, मोबा. 9827771777 e-mail: awantikapress@gmail.com